स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

कानपुर, सोमवार
3 अगस्त, 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 5
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 342 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

श्रीलंका दौरे से पहले भारत को बड़ा झटका, बुमराह टेस्ट सीरीज से बाहर

नशे का व्यापार दुश्मन देशों के आतंकी एजेंडे का हिस्सा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 28 हजार से ज्यादा जगहों से जुड़े मेरे एक करोड़ से ज्यादा युवा

- पीएम ने किया नशा मुक्त युवा अभियान का आगाज
- कहा हमारे युवा नशे और ड्रग्स के खतरों को समझें और हर तरह से जागरूक रहें

साथियों का अभिनंदन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के 'आतंकवादी एजेंडे' का हिस्सा बताया। पीएम मोदी ने कहा, 'आज जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तो इसके लिए जरूरी है देश का युवा तन-मन से स्वस्थ हो और आत्मविश्वास से भरपूर हो। इसके साथ ही ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा दूर ही रहे। यही

इस अभियान का उद्देश्य है। हम सबको ये संकल्प लेना है कि हमारे युवा नशे और ड्रग्स के खतरों को समझें और हर तरह से जागरूक रहें।' प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'कुछ काम ऐसे होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से कोई प्रयास करे तो कभी-कभी निराश हो जाता है, थकान महसूस करता है, लंबी दूरी चलने में मन तैयार नहीं होता है, लेकिन जब सामूहिक अभियान बन जाता है और कंधे से कंधा मिलाकर करोड़ों लोग चल पड़ते हैं तो ऐसे सभी जो व्यक्तिगत रूप से अपने आप नहीं कर पाते हैं, उनको भी एक ऊर्जा मिल जाती है। आज उस ताकत को लेकर ये अभियान हर युवा मन को छूने वाला है।' उन्होंने कहा, 'आने वाले 100 रविवार 'नशा मुक्त भारत' की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। आज हजारों स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लाखों विद्यार्थी इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े हैं। समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत, ये नशे के खिलाफ हमारे अन्तर्मन को ताकत देते हैं। और आज तो हमारे पास नशा छोड़ने के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर जैसी सुविधाएं भी हैं।' पीएम ने कहा, 'ड्रग्स के खिलाफ अभियान में आज सरकार भी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। देश में नशे के कारोबारियों और नशे पर सख्ती से कार्रवाई हो रही है, पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं, हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं।

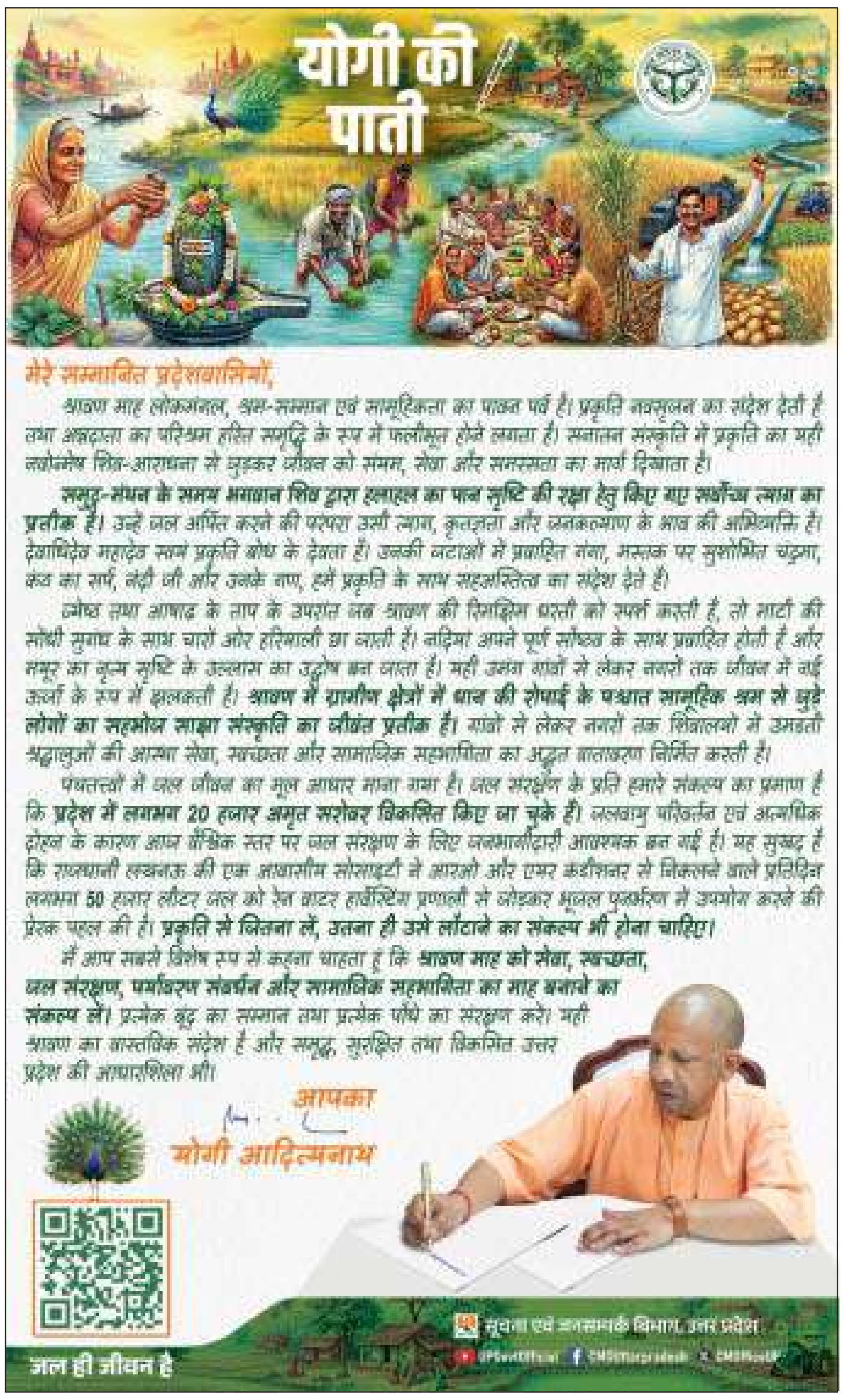

मणिपुर में नौ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

यूपी विधानमंडल सत्र कल से

सदन के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सर्वदलीय बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। यूपी में सोमवार से शुरू हो रहे विधानमंडल के सत्र को लेकर रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सभी दलों के साथ

- सीएम योगी रहे मौजूद

सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चलाने के लिए सहमति बनाने का प्रयास किया गया। बैठक में सत्ता पक्ष की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्य मंत्री

सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर सत्ता पक्ष की तरफ से मौजूद रहे। वहीं, विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, लोकदल के नेता राजपाल बालियान, कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना, जनसत्ता दल से कुंवर रघुराज प्रताप सिंह मौजूद रहे। बैठक में सभी विपक्षी दलों से विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को सुचारुरूप ढंग से चलाने की अपील की। वहीं, कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विधानसभा के संचालन की रूपरेखा बनी। चार दिन चलने वाले विधानमंडल सत्र में कई विधायी कार्य पूरे किए जाएंगे।

सीडब्ल्यूजी : भारत चौथे नंबर पर

ग्लासगो। ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने इतिहास रचते हुए पदक तालिका में चौथे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। 10वें दिन मुक्केबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने 16 मेडल जीते। अब भारत के खाते में अब 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य सहित कुल 39 पदक हो गए हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा स्थान हासिल किया है। खास बात यह है कि इस बार भारत ने कुश्ती, बैडमिंटन और हॉकी जैसे अपने मजबूत खेलों के बिना भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मुक्केबाजी में रिकॉर्ड सात स्वर्ण, जूडो में पहली बार दो स्वर्ण और एथलेटिक्स में कई ऐतिहासिक उपलब्धियों ने भारत के अभियान को यादगार बना दिया। भारत की सबसे बड़ी सफलता मुक्केबाजी में रही। महिला वर्ग में प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा), साक्षी चौधरी (51 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया घंघास (60 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच (60 किग्रा) और अंकुश (70 किग्रा) ने भी गोल्ड अपने नाम किया। लवलीना बोरगोहेन, जादूमणि सिंह और नरेंद्र बेरवाल ने रजत पदक जीतकर भारत का कुल मुक्केबाजी प्रदर्शन 10 पदकों तक पहुंचाया। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता बने। यामिनी मौर्य ने रजत और उन्नति शर्मा ने कांस्य जीतकर भारत को इस खेल में रिकॉर्ड चार पदक दिलाए। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में कांस्य जीतकर इतिहास रचा। वह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स के दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले वह 10,000 मीटर में रजत जीत चुके थे। वहीं प्रवीण चित्रावेल ने ट्रिपल जंप में रजत और सेल्वा प्रभु ने कांस्य पदक जीता।

CWG	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल पदक
ऑस्ट्रेलिया	65	41	52	158
इंग्लैंड	26	41	34	101
कनाडा	18	20	21	59
भारत	13	17	9	39

नीट यूजी 2026 काउंसलिंग का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली। मेडिकल की पढ़ाई का सपना देख रहे नीट-यूजी 2026 अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने एमबीबीएस और अन्य स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसलिंग का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार ऑल इंडिया कोटा की पहले चरण की काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी, जबकि 2026-27 का नया शैक्षणिक सत्र 8 सितंबर से आरंभ होगा। एमसीसी के अनुसार, डीम्ड और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए पहले चरण की काउंसलिंग 4 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेगी। इस राउंड में सीट आवंटित होने वाले अभ्यर्थियों को 22 अगस्त तक संबंधित संस्थान में रिपोर्ट कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद दूसरे चरण की काउंसलिंग 24 अगस्त से 2 सितंबर तक, तीसरे चरण की काउंसलिंग 10 सितंबर से 18 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। वहीं, स्ट्रे वैकेंसी राउंड 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगा। इस राउंड के बाद प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई है। स्टेट कोटा की सीटों के लिए पहले चरण की काउंसलिंग 13 अगस्त से 22 अगस्त तक होगी। इस राउंड में चयनित अभ्यर्थियों को 28 अगस्त तक प्रवेश लेना होगा।

पाकिस्तान बिकता नहीं, किराए पर चलता है : रिपोर्ट

वाशिंगटन। पाकिस्तान की दोहरी विदेश नीति और आतंकवाद को लेकर उसके रवैये पर अमेरिका में फिर सवाल उठे हैं। अमेरिकी पत्रिका

'द नेशनल इंटरेस्ट' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका वर्षों से यह गलती करता रहा कि वह पाकिस्तान को 'खरीद' सकता है, जबकि वास्तविकता यह है कि इस्लामाबाद किसी एक पक्ष का स्थायी सहयोगी नहीं, बल्कि अपने हितों के अनुसार किराए पर उपलब्ध रहने वाली शक्ति की तरह व्यवहार करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के लिए पाकिस्तान की यही नीति कभी-कभी रणनीतिक फायदा भी देती है, जबकि चीन को इस स्थिति से मजबूरी में समझौता करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में ईरान-अमेरिका संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा गया कि पाकिस्तान ने दोनों देशों से रिश्ते बनाए रखते हुए युद्धविराम कराने में भूमिका निभाई, जिससे कुछ समय के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा खुल सका। रिपोर्ट का दावा है कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी यह भूमिका नहीं निभा सकते थे और यह काम केवल संतुलन साधने वाला देश ही कर सकता था। रिपोर्ट में पाकिस्तान की

- अमेरिका को बेवकूफ बना रहा पाक

इसी रणनीति का दूसरा उदाहरण जून 2025 में अजरबैजान के साथ हुए करीब 4.6 अरब डॉलर के रक्षा समझौते को बताया गया। इसके तहत पाकिस्तान 40 जेएफ-17 लड़ाकू विमान अजरबैजान को देगा। रिपोर्ट के अनुसार, यह विमान चीनी डिजाइन, रूसी इंजन और पाकिस्तानी निर्माण का मिश्रण है, जिससे इस्लामाबाद चीन के साथ अपने संबंधों का आर्थिक लाभ भी उठा रहा है।

सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा, सांसद ने कहा-

चाकू से हमले की कोशिश की गई

नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामे की खबर सामने आ रही है। सांसद पप्पू यादव के साथ कथित तौर पर धक्कामुक्की और मारपीट की गई। इसके बाद पप्पू यादव के समर्थकों ने भी कथित तौर पर उस व्यक्ति की पिटाई की, जिसने दिल्ली स्थित उनके आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हमला करने की कोशिश की थी। सांसद पप्पू यादव ने कहा, मेरे घर में किसी ने घुसकर हमला किया। क्या अब लोग हमसे मिलने भी नहीं आ सकते? चाकू लेकर मारने आया।

पप्पू यादव ने दावा किया कि उनकी हत्या की साजिश रची गई थी। लेकिन वह बच गए। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा लगातार धमकी दे रहे थे कि 'मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख रुपये देंगे।' उन्होंने कहा कि उन्होंने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है।

'अब न रहे वे पीनेवाले, अब न रही वह मधुशाला!'

सोच, विचार, मानसिकता, संस्कार और संस्कृति के मामले में पीढ़ियों के बीच अंतर्द्वन्द्व, खींचतान और असहिष्णुता की ओर इशारा करते हुए हरिवंशराय बच्चन साहब ने अपनी कालजयी रचना 'मधुशाला' में लिखा है कि– 'अपने युग में सबको अनुपम ज्ञात हुई अपनी हाला / अपने युग में सबको अदभुत ज्ञात हुआ अपना प्याला / फिर भी वृद्धों से जब पूछा एक यही उत्तर पाया / अब न रहे वे पीनेवाले, अब न रही वह मधुशाला!'

शायद तभी जेन–ज़ी यानी जूमर्स कहलाने वाले आधुनिक युग के युवाओं की भाषा-शैली और शब्दावली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'कल्चरल शॉक' का नाम देते हुए इसमें बदलाव और सुधार की आवश्यकता जताई है। लेकिन क्या उन्हें पता नहीं है कि उनके ही निर्वाचन क्षेत्र काशी में होली से पूर्व आयोजित होने वाले सार्वजनिक 'सांस्कृतिक' कवि सम्मेलन में देश के ज्येष्ठ-श्रेष्ठ और वरिष्ठ-गरिष्ठ कविवृंद भी किन शब्दों, उपमाओं और भावों वाली कविताएं प्रस्तुत करते रहे हैं? उसमें नेताओं, नौकरशाहों, गणमान्यों और संस्थाओं-विभागों के लिए हास्य–व्यंग्य के नाम पर जिस

भाषा-शैली का प्रयोग किया जाता है उसके सामने जंतर–मंतर पर जूमर्स द्वारा इस्तेमाल की गई शब्दावली तो कुछ भी नहीं है। इतना ही नहीं बल्कि हिंदी पट्टी के तमाम प्रदेशों में त्योहारों और शुभ अवसरों पर परिवार–समाज में गाए जानेवाले कई लोकगीतों के बोलों और भावों के सामने भी जूमर्स की भाषा-शैली वाकई बच्चों जैसी ही लगती हैं। यहां तक कि मौजूदा दौर की फिल्मों और ओटीटी सीरीज में धड़ल्ले से जिन शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है उसकी तुलना में भी जूमर्स द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द बेहद साधारण और सामान्य ही हैं। अलबत्ता जूमर्स द्वारा प्रयुक्त 'अस्वीकार्य' शब्दावली से कहीं अधिक अश्लील और अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल तो समाज में यत्र-तत्र-सर्वत्र हो रहा है। लिहाजा ऐसा लगता है कि जूमर्स की भाषा-शैली या शब्दावली से कहीं अधिक खीझ इस बात की है कि जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप भी 'फादर ऑफ इंडिया' बता चुके हैं उनकी शान में गुस्ताखी करने की किसी की हिम्मत कैसे हुई और ऐसा करने वालों में कच्ची उम्र की बच्चियां भी कैसे बढ़–चढ़कर शामिल हो गईं?

वैसे अब इस पूरे प्रकरण पर सामने आ रही रूढ़िवादियों और परंपरावादियों की प्रतिक्रियाओं ने समाज के उस पाखंड को सामने ला दिया है जिसके तहत हर हाल में तमाम संस्कार, संस्कृति, मर्यादा और शुचिता की अपेक्षाएं महिलाओं और युवाओं पर लादकर उसके अनुपालन के अनुपात में ही उनके व्यक्तित्व और चरित्र का निर्धारण किया जाता रहा है। हालांकि जूमर्स ने बाकायदा सड़क पर उतर कर पूर्ववर्ती पीढ़ियों की सांस्कृतिक अपेक्षाओं के प्रति जिस उच्छृंखलता और बेबाकी के साथ घोर उपेक्षा का भाव दर्शाया है वह किसी भी सभ्य, सुसंस्कृत और मर्यादित समाज में कतई अनुकरणीय या स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ जूमर्स पर ही दोषारोपण करते हुए कुछ गिने–चुने चिन्हित चेहरों को कठोरतापूर्वक शालीनता और मर्यादा का पाठ पढ़ाने के बजाय आवश्यक है कि मूल्यों के स्खलन पर हर स्तर पर चिंतन एवं आत्मावलोकन हो और हर व्यक्ति, हर परिवार, हर संस्था और पूरा समाज इसके लिए आचार, विचार और व्यवहार में सुधार और आवश्यक प्रतिकार की सामूहिक जिम्मेदारी स्वीकार करे।

अलबत्ता, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई पूरे मामले पर मिट्टी डालकर आगे बढ़ने की अपील को अनसुना करते हुए जूमर्स की बातों और हरकतों को नाकाबिले बर्दाश्त करार देकर कानूनी, सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई के हिमायतियों को बादशाह अकबर के नवरत्नों में शामिल अब्दुर्रहीम ख़ान-ए-ख़ाना की यह समझाइश नहीं भूलनी चाहिए कि– 'क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात। कह रहीम हरि को घट्यो, जो भृगु मारी लात॥ जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।

नजर और नजरिया - नवकांत ठाकुर

कानपुर देहात

क्या वाकई अपराधियों का सेफ जोन बना है रनिया अथवा कहानी है कुछ और

-महज 48 घंटे में लूट की वारदात ने पुलिस की सक्रियता पर खड़े किए प्रश्न चिन्ह टाइल्स मिस्त्री के घर पड़ी डकैती का नहीं लग सका कोई सुराग और लूट की वारदात ने हिला दिया लोगों का वजूद

पीड़ित की पर्सनैलिटी फोटो

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

रनिया कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के उमरन गांव निवासी धर्मेंद्र यादव ने हाईवे पर अपने साथ लूट और मारपीट की घटना होने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि वह किसान नगर से अपने घर जा रहा था और रनियाँ के यादव होटल में खाना खाया उसके बाद वो अपने घर परनामिनपुरवा के लिए निकला तभी उमरन के पास कुछ अज्ञात बदमाशों ने उसे रोक लिया मारपीट की और उसकी बाइक के साथ करीब 11 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद वह रनियां थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी जानकारी दी।सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ कर रही है ताकि घटना की वास्तविकता सामने आ सके।हालांकि इस मामले में नया मोड़ तब आया जब स्थानीय लोगों ने दावा किया कि जिस समय धर्मेंद्र यादव की कथित लूट हुई उस दौरान वह नशे की हालत में दिखाई दे रहा था। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि मामला लूट का है या किसी अन्य कारण से हुई घटना इसकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है।। टाइल्स मिस्त्री के घर पड़ी डकैती की चर्चाओं में अभी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई थी और लूट की वारदात ने पुलिस को भी परेशान करके रख दिया घटना को लेकर क्षेत्र में तरह.तरह की चर्चाएं हैं। यदि लूट की वारदात सही साबित होती है तो हाईवे पर लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाएं पुलिस के लिए गंभीर चुनौती मानी जाएगी। वहीं यदि जांच में कोई दूसरा तथ्य सामने आता है तो तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।फिलहाल पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। साक्ष्यों सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह वास्तव में लूट की वारदात थी या मामला कुछ और है।

सेना से 28 वर्ष की गौरवपूर्ण सेवा के बाद स्वगृह

लौटे दिलीप सिंह चौहान का हुआ भव्य स्वागत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

माती कानपुर देहात। भारतीय सेना में 28 वर्षों तक मातृभूमि की सेवा करने के बाद सूबेदार पद से सेवानिवृत्त होकर अपने पैतृक गांव लोहारी लौटे दिलीप सिंह चौहान का क्षेत्रवासियों ने भव्य स्वागत किया। सरवनखेड़ा और लोहारी गांव में सैकड़ों लोगों ने फूल.मालाओं अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया।

दिलीप सिंह चौहान वर्ष 1998 में सेना की 6 राजपूताना राइफल्स में भर्ती हुए थे। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध सहित ऑपरेशन विजय और ऑपरेशन रक्षक जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2026 में सूबेदार पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उनके गृह आगमन पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्वागत समारोह का आयोजन सरवनखेड़ा मेला मैदान तथा लोहारी गांव में किया गया। इस अवसर पर युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष समरजीत सिंह चौहान समाजसेवी जयचंद सिंह राजावत अमन सिंह चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने दिलीप सिंह चौहान के देश सेवा के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह में दिलीप सिंह चौहान ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इतनी आत्मीयता और सम्मान मिलने की उम्मीद नहीं थी उन्होंने कहा कि देशवासियों का सैनिकों के प्रति यह सम्मान पूरे सैन्य बल का मनोबल बढ़ाने वाला है समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने भाग लेकर उन्हें शुभकामनाएं दीं

किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या परिजनों में हड़कंप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

रनिया कानपुर देहात। रनिया थाना क्षेत्र के गांव उमरन के मजरा रामदीन पुरवा में रविवार की दोपहर एक किसान ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना की जानकारी पर पहुंची रनिया थाना पुलिस ने फील्ड यूनिट की मौजूदगी में सारे साक्ष्य एकत्रित करने के बाद शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम को भेजा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक उमरन गांव के मजरा रामदीन पुरवा निवासी समर सिंह यादव उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र रघुवीर यादव पेशे से किसान थे रविवार की दोपहर वह कमरे के अंदर गया और पत्नी नीलम घरेलू काम में व्यस्त हो गई थी वही बच्चे श्रेयांश व देवांश एवं निधि घर के बाहर खेल रहे थे काफी देर तक जब समर के कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो पत्नी ने दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई तो पत्नी ने पड़ोसियों को बुलाकर जब अंदर देखा तो उक्त व्यक्ति फांसी के फंदे से झूल रहा था जिस पर परिजनों ने रनिया थाना पुलिस को तत्काल सूचना दी मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह पाल ने अपने उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए फील्ड यूनिट को बुलाकर बारीकी से मृत्यु के कारणों का पता लगाने का प्रयास करने के उसके उपरांत शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी हाउस भेजा लोगों के मुताबिक कमरे में रखे बक्से से व्यक्ति ने शायद चढ़कर फासी तो नहीं लगाया घटना के संबंध में उपनिरीक्षक देवेंद्र पाल ने बताया कि मौत की वजह स्पष्ट नहीं है सूचना पर शव को पीएम के लिए भिजवाया गया है पीएम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों का पता चल सकेगा ।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में ऊर्जा और प्रतिभाओं में आगे आने के लिए युवाओं पर भरा जोश

महोबा । श्मेरा युवा भारतश् कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालयए भारत सरकार के तत्वाधान में मुख्यालय के आल्हा चौक के पास स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेजए में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता एवं युवा उत्सव में जिला चयन समिति के सदस्य के रूप में अपनी भागीदारी निभाने के लिए उपस्थित हुए यशोवर्मन सिंह चंदेल ने गर्मजोशी के साथ सभी युवाओं का उत्साहवर्धन किया एवं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता यशोवर्मन सिंह चंदेल ने युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैलते नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सावधान रहने एवं अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने का अत्यंत प्रेरणादायी संदेश दिया। विभिन्न सांस्कृतिक व बौद्धिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से जिले के होनहार छात्र.छात्राओं ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को सदैव स्वस्थ रहने और कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी

डेरापुर को लगे विकास के पंख, 70 लाख की लागत से बनेगा हेलीपैड

-आंबेडकर नगर में 50ग50 मीटर का हेलीपैड वीआईपी मूवमेंट के साथ आपदा में बनेगा संजीवनी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, माती कानपुर देहात । जनपद के विकास को नई उड़ान देने के लिए शासन ने डेरापुर को बड़ी सौगात दी है नगर पंचायत क्षेत्र के आंबेडकर नगर वार्ड में डेरापुर.रूरा मार्ग पर करीब 70 लाख रुपये की लागत से आधुनिक हेलीपैड का निर्माण कराया जा रहा है हेलीपैड बनने के बाद डेरापुर और आसपास के क्षेत्र में वीआईपी आगमन आसान होगा। साथ ही बाढ़ दुर्घटना या अन्य आपातकालीन स्थिति में मरीजों को एयरलिफ्ट करने और राहत सामग्री पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।।

लोक निर्माण विभाग को हेलीपैड निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग के अवर अभियंता अभिषेक कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर नगर पंचायत की चिह्नित भूमि का सीमांकन कर लिया गया है और

समतलीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। शासन की मंशा के अनुसार यह हेलीपैड 50 मीटर लंबा और 50 मीटर चौड़ा होगा। मानकों के अनुसार इसका निर्माण किया जाएगा ताकि बड़े हेलीकॉप्टर भी यहां आसानी से लैंड कर सकें नगर पंचायत के एडवोकेट सतेंद्र सिंह गौर लालू शुक्ला अंकित मिश्रा का कहना है कि डेरापुर तहसील क्षेत्र में अब तक कोई हेलीपैड नहीं था। वीआईपी दौरे के समय हेलीकॉप्टर को पुलिस लाइन अथवा अन्य जनपदों में उतारना पड़ता था। नए हेलीपैड से न सिर्फ प्रशासनिक सुविधाएं बढ़ेंगी बल्कि क्षेत्र में निवेश और विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। एसडीएम सुप्रिया गुप्ता का कहना है कि हेलीपैड बनने से स्वास्थ्य सेवाओं को भी बल मिलेगा। गंभीर मरीजों को समय पर बड़े अस्पतालों तक पहुंचाया जा सकेगा। अवर अभियंता अभिषेक कुमार ने बताया कि भूमि समतलीकरण के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इसे तय समय में पूरा करने का लक्ष्य है। हेलीपैड बनने से डेरापुर की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

जिले में पूरी तरह ध्वस्त हुए सुरक्षा इंतजाम मूसानगर में हुई चोरी ने खोली इंतजामों की पोल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

माती कानपुर देहात। मूसानगर कस्बे में बेखौफ चोरों का आतंक लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा मामला कस्बे के गजनेर चौराहे के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक के निकट शक्ति बुक डिपो का है जहां देर रात एक चोर ने दुकान में घुसकर नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित दुकानदार राजेश ओमर के अनुसार वह रोज की तरह रात में दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। देर रात अज्ञात चोर ने दुकान में लगी लोहे की जाली फांदकर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखी गोलक को तोड़ दिया।

पीड़ित द्वारा बताया गया कि गोलक में रखी करीब पांच से छह हजार रुपये की नकदी चोर लेकर फरार हो गया। सुबह जब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे तो गोलक टूटी मिली और नकदी गायब थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर चोरी की पूरी वारदात कैमरे में कैद मिली जिसमें संदिग्ध चोर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। पीड़ित दुकानदार ने मूसानगर थाने में तहरीर देकर पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। स्थानीय व्यापारियों ने भी लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है।

आकाशीय बिजली से मृतक के आश्रित को मिली 4 लाख की आर्थिक सहायता

-विधायक पूनम संखवार ने सौंपा सहायता राशि का प्रमाण पत्र

-एसडीएम अभिषेक कुमार और तहसीलदार संतोष कुमार सिंह ने कहा आपदा प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित दैवीय आपदा राहत योजना के अंतर्गत आकाशीय बिजली गिरने से मृतक के आश्रित को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

रसूलाबाद ब्लॉक के ग्राम विजयीपुर निवासी स्व0 इन्द्रपाल पुत्र दयाराम की 28 जुलाई को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मृत्यु हो गई थी। शासन द्वारा स्वीकृत सहायता राशि का प्रमाण पत्र रविवार को मृतक की पत्नी कुशमा देवीको सौंपा गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक पूनम संखवार ने प्रमाण पत्र वितरित किया। विधायक ने बताया कि उक्त सहायता राशि मृतक के आश्रित के बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई है। उपजिलाधिकारी रसूलाबाद अभिषेक कुमारने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित पात्र परिवारों को शासन की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है ताकि पीड़ित परिवार को तत्काल राहत मिल सके। तहसीलदार संतोष कुमार सिंह ने कहा कि आपदा प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दौरान कानूनगो पूर्व सदस्य जिला पंचायत संतोष प्रताप सिंह गौरव सिंह पवन पाल चंद्रभान पाल संदीप सिंह रवि सिंह राघवेन्द्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

रूरा में 14 अक्टूबर से शुरू होगी रामलीला

आठ दिवसीय आयोजन की तैयारियों को लेकर कमेटी की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

माती कानपुर देहात । रूरा कस्बा की ऐतिहासिक रामलीला मैदान में इस वर्ष भी धूमधाम से रामलीला का आयोजन किया जाएगा। रामलीला कमेटी रूरा की बैठक अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह मुन्ना की अध्यक्षता में रविवार को नहर स्थित आनंद भवन में सम्पन्न हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि इस वर्ष 14 अक्टूबर से रामलीला का शुभारंभ होगा। आयोजन आठ दिवसीय होगा और इसका समापन

विजयादशमी पर रावण दहन के साथ होगा। कमेटी पदाधिकारियों ने मंच निर्माण लाइट.साउंड सुरक्षा व्यवस्था साफ.सफाई और कलाकारों के चयन को लेकर विस्तार से चर्चा की। सभी को अलग.अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं।

अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह मुन्ना ने कहा कि रामलीला हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। इस बार आयोजन को और भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की।बैठक में आनंद यादव चंद्रभान सिंह भदौरिया विनय कुमार शैलेंद्र सविता वीरे शुक्ल नीरज सिंह गौर बउवा गुप्ता छुन्ना तिवारी सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

अंशु त्रिपाठी के तूफानी जनसमपर्क से विपक्ष की उड़ी नींद जनता बोली अंशु को बनाएंगे विधायक

रविवार को अंशु त्रिपाठी की लोकप्रियता का गवाह बनी अकबरपुर रनिया विधानसभा क्षेत्र दर्जन भर गांवों में नुक्कड़ सभाएं कर सुनीं जनसमस्याएं ग्रामीणों ने फूल.मालाओं से किया स्वागत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

माती कानपुर देहात । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के क्रम में भाजपा नेता अंशु त्रिपाठी ने 206 अकबरपुर.रनियां विधानसभा क्षेत्र में अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है! रविवार को उन्होंने बाढ़ापुर क्वीत खेड़ा सरियापुर सांगसियापुर बेबन मैदू सहित दर्जनभर गांवों का भ्रमण कर नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद किया।

इस दौरान अंशु त्रिपाठी ने युवाओं महिलाओं और बुजुर्गों का अभिवादन करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र के विकासए रोजगार शिक्षा सड़क पेयजल और अन्य जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वे निरंतर जनसंपर्क कर लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों ने कई स्थानों पर अंशु त्रिपाठी का फूल.मालाओं से भव्य स्वागत किया और उन्हें अपना समर्थन एवं शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर राजबहादुर कांतिचरण बाबा जी शर्मा रामानंद शर्मा बड़े शर्मा मनोज पांडेय रज्जन शुक्ला रोहित पांडेय गुड्डू तिवारी बबलू शुक्ला पंकज यादव कुलदीप यादव कमलेश कुमार संजय दुबे गुड्डन पहलवान गगन यादव छोटे कश्यप राकेश कुमार केतन शुक्ला ओंकार तिवारी दिनेश कुशवाहा रामबिहारी नन्हू कुशवाहा देवेश तिवारी राजू अवस्थी बब्लू अवस्थी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सीडीओ के कई आदेशो के बाद भी नहीं हुआ जल निकासी का इंतजाम

-गली में भयंकर जल भराव के कारण बच्चियां नहीं जा पा रही स्कूल संक्रामक बीमारी से बढ़ा खतरा।

- झींझक ब्लॉक के नया पुरवा गदनपुर में गालियां जलमग्न अफसर उदासीन

-बदबू सडांद की हो रही बौछार।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

माती कानपुर देहात । जिले के आला अफसर आम जनता की हर समस्या को उनकी पीड़ा को गंभीरता से ले रहे है। वही विकास खंडो के खंडविकास अधिकारी सत्ता पक्ष के चौपाल में बैठकर नई.नई सरकारे बना रहे है। वेतन सरकार दे रही है जनता का काम ग्रामीणों की समस्या पर उनका ध्यान नहीं है यहां तक अपने आला अफसर के आदेशों की खुले आम धज्जियां उड़ा रहे हैं। इस प्रकार का एक गंभीर मामला तहसील डेरापुर क्षेत्र के विकासखंड झींझक बनी पारा के ग्राम नया पुरवा गदनपुर का है जहां गांव में पानी निकास का साधन ना होने से गलियां गंदे नाला का रूप धारण कर चुकी है आदमी क्या बच्चे घर के बाहर नहीं निकल पा रहे हैं गंदी गालियां बदबू सडांद से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है बच्चियां स्कूल नहीं जा पा रही है जाए तो जाएं कैसे क्योंकि लगभग 5

किलोमीटर घूम कर जाना पड़ेगा। चारों तरफ गंदा पानी भरा हुआ होने के कारण बच्चे स्कूल तक नहीं जा पा रहे हैं इसको सरकार की नाकामी कहा जाए या क्षेत्रीय अधिकारियों की लापरवाही या हठधर्मी उक्त समस्या को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। विकासखंड झींझक के ग्राम बनीपारा क्षेत्र स्थित ग्राम नया पूरवा गदनपुर में एक लंबे अरसे से गांव में गंदा पानी गलियों में चारों तरफ भरा रहा है सभी रास्तांए बंद है। आम लोगों का निकलना मुश्किल है बरसात के चलते गांव की हालत और भी दैयनीय हो गई है। गांव के दबंगों ने तालाबों पर कब्जा कर लिए आखिर गली में भरा गंदा पानी कहां जाए इस संबंध की शिकायत ग्राम के नरेंद्र पांडेय आनंद कुमार श्रीपाल अरविंद राजू सुनील कुमार कृष्ण कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी से 27 जून को प्रार्थना पत्र देकर की और आवश्यक कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई थी जिस पर सीडीओ ने सख्त आदेश देते हुए विकासखंड अधिकारी झींझक को एक सप्ताह के अंदर जल निकासी व्यवस्था कराने का निर्देश दिया था जिला पंचायत राज अधिकारी को भी निर्देशित किया गया लेकिन जुलाई 26 बीत गई लेकिन क्षेत्रीय अधिकारियों के कान में जू तक नहीं रेंगी और मुख्य विकास अधिकारी के आदेशो की खुले आम अवहेलना कर आदेश को टोकरी में डालने का काम किया जा रहा है। गांव की हालत यह है कि गदनपुर गांव की गलियों में जल भराव होने से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं महिलाएं खेत तक नहीं पहुंच पा रही है बदबू सडांद बेकाबू हो गई है संक्रामक रोग दस्तक दे रहे हैं। विकासखंड झींझक में भ्रष्टाचार होने के कारण ग्रामीणों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जबकि योगी सरकार साफ सफाई ग्राम की गलियां पानी निकास एवं तालाबों के प्रति पूरी तरह गंभीरता का परिचय दे रही है।

किसानों के निशुल्क मूंगफली के बीज वितरण में हुई धांधली की लिखित शिकायत

महोबा । जिले में किसानों को मूंगफली का निशुल्क बी ज वितरण हेतु प्रदेश सरकार के तत्वाधान में बीज गोदाम पर भेजा गया था ताकि गरीब किसानों को कुछ राहत हो सके लेकिन वहां पर पदस्थ प्रभारी कृषि बीज भंडार एवं कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों की मिली भगत से वितरण के लिए आए हुए मूंगफली के बीज में धांधली किए जाने का मामला आया है वैभव अर जरिया अध्यक्ष नगर पंचायत कुलपहाड़ द्वारा एक लिखित शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ तथा जिलाधिकारी को एक लिखित शिकायत देकर उल्लेख किया है कि नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल तिलहन योजना 2026. 27 के अंतर्गत जिले में मूंगफली के बीच का वितरण हेतु 1000 कुंटल का आवंटन किया गया था जिसका वितरण एफपीओ या वैल्यू चैन पार्टनर के माध्यम से किसानों को एक कुंतल प्रति है 0 वितरण किया जाना था परंतु कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा आवंटन पत्र एफपीओ को जारी करने के पूर्व मूंगफली बीज वितरण बिना किसी जानकारी दिए हुए वीसीपी अनुपस्थिति में लगभग 5000 कुंतल ईपोस मशीन के माध्यम से किसानों के दो बार धोखाधड़ी करते हुए अंगूठा लगवा कर उनके आंखों में धूल झोंकने का काम किया है जो की 4 किलो उड़ द एवं 2 किलो तिल का मिनी किट देने के समय पर ही किसानों से दोबारा अंगूठा लगवा कर मूंगफली के बीज वितरण में धांधली हुई है और दवा के नाम पर ?1000 प्रति कुंतल की दर पर किसानों से धनराशि ली गई है जिसकी कोई रसीद किसानों को नहीं दी गई 1000 कुंतल की सापेक्ष इतनी दवा इनके स्टॉक में कहां से उपलब्ध हुई यह भी एक जांच का विषय बना हुआ है इसी तरह जब मूंगफली की बुवाई का समय 10 जून से 10 जुलाई के बीच है तब आवंटन पत्र 30 जून को 1000 कुंटल का क्यों जारी किया गया एवं वैभव अर जरिया अध्यक्ष नगर पंचायत कुलपहाड़ ने यह भी आरोप लगाया की मूंगफली अप्रैल में ही जनपद के कृषि बीज गोदाम में आ चुकी थी परंतु सरकारी प्रक्रिया देरी से करते हुए समय रहते हुए पूर्ण नहीं की गई जिससे किसानों को बीज बोने के समय ही क्यों नहीं उपलब्ध कराया गया वही किसानों ने यह भी आरोप लगाते हुए कहां कि जब बीज गोदाम में मूंगफली का आवंटन कम था तो जिम्मेदारों द्वारा पुनः पत्र जारी कर मूंगफली के बीज का आवंटन बढ़ाने के लिए शासन स्तर पर पत्र क्यों नहीं लिखा गया इसलिए बीसी पी भी सरकारी किसान बीज गोदाम की धांधली में शामिल होने की क्षेत्रीय जनता एवं किसान किसान तमाम प्रकार की अटकलें लग रहे हैं वही शिकायत करता द्वारा मूंगफली बीज वितरण में हुई अनियमितताओं धांधली की उच्च स्तरीय जांच कराई जाने दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर दंडात्मक कार्यवाही किए जाने की प्रबल मांग की है तभी जिले के किसानों को राहत पहुंचेगी।

बच्चों को अगस्त में दो चरणों में लगेंगे टीके राज्य व जिला स्तर पर होगी निगरानी

-टिटनेस डिप्थीरिया काली खांसी खसरा और रुबेला जैसी बीमारियों से हो सकेगा बचाव स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग विद्यालयवार बनाएंगे माइक्रो प्लान तीन अगस्त से पहला अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

माती कानपुर देहात। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के करीब सवा करोड़ बच्चों को गंभीर संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए अगस्त में दो विशेष टीकाकरण अभियान चलाए जाएंगे। स्वास्थ्य और बेसिक शिक्षा विभाग के समन्वय से होने वाले इन अभियानों के तहत पहले चरण में 3 से 7 अगस्त तक टिटनेस डिप्थीरिया और काली खांसी तो दूसरे चरण में 18 से 28 अगस्त तक मीजल्स.रूबेला ;एमआरद्ध का टीकाकरण किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सभी डीआईओएस और बीएसए को अभियान के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए हैं। अभियान प्रदेश के सभी 75 जिलों के परिषदीय सहायता प्राप्त विद्यालयों मदरसों और आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित होगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी बीएसए और डीआईओएस संयुक्त रूप से विद्यालयवार माइक्रोप्लान तैयार करेंगे ताकि कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। पहले चरण में 3ए 4ए 6 व 7 अगस्त को 5 से 6 वर्ष के बच्चों को टीडीएपी.2ए 10 वर्ष के बच्चों को टीडी.10 और 16 वर्ष के बच्चों को टीडी.16 की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। प्रत्येक टीकाकरण सत्र में 50 से 75 बच्चों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। दूसरे चरण में 18 से 28 अगस्त तक एमआर अभियान चलेगा। इसके तहत 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को मीजल्स.रूबेला वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। प्रत्येक विद्यालय में रोजाना 100 से 125 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे खसरा और रूबेला जैसी बीमारियों की रोकथाम को और मजबूती मिलेगी। अभियान के लिए प्रत्येक विद्यालय में नोडल शिक्षक नामित किया जाएगा। आशा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों की मदद से पात्र बच्चों की सूची तैयार होगी। अभिभावकों को जागरूक करने के लिए प्रार्थना सभा अभिभावक.शिक्षक बैठकें और जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान की प्रगति की निगरानी राज्य और जिला स्तर पर नियमित रूप से होगी। सभी गतिविधियों की सूचना निर्धारित पोर्टलों पर अपलोड की जाएगी और टीकाकरण से छूटे बच्चों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी परिषदीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर विद्यालयवार माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। प्रत्येक स्कूल में नोडल शिक्षक की तैनाती कर दी गई है। हमारी प्राथमिकता है कि कानपुर देहात का एक भी पात्र बच्चा इस जीवनरक्षक टीकाकरण से वंचित न रहे। अभिभावकों से भी अपील है कि वे बच्चों की शत.प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कर इस अभियान को सफल बनाएं।

प्रेमिका ने किया नम्बर ब्लाक, प्रेमी ने पी कीटनाशक दवा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। प्रेमिका द्वारा नम्बर ब्लॉक किए जाने से आहत होकर युवक ने कीटनाशक दवा पी लिया। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में हैलट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची सेन पश्चिम पारा पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोपाल नगर निवासी पवन शर्मा किराना कारोबारी हैं। उनका इकलौता बेटा अध्ययन शर्मा बीबीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। परिजनों ने बताया कि कॉलेज की एक छात्रा से उसका करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध था। आरोप है कि कॉलेज में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद छात्रा ने अध्ययन का नंबर और सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक कर दिया। युवक ने कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिजनों ने बताया कि युवक ने घर लौटने के बाद कथित तौर पर कीटनाशक पी लिया। कुछ देर बाद उसे उल्टियां होने लगीं। पूछने पर उसने परिजनों को बताया कि उसने कीटनाशक पी लिया है। इसके बाद परिवार उसे तत्काल एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत देखते हुए हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।हैलट अस्पताल में करीब सात दिन तक इलाज चलने के बाद रविवार सुबह अध्ययन की मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता का रो- रोकर बुरा हाल है, जबकि मां बेसुध हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। यदि शिकायत मिलती है तो तथ्यों के आधार पर जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एलिवेटेड पुल पर खड़े ट्रक में घुसा ट्राला, चालक की मौत

-फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू करके निकाला शव

-हादसे के बाद हाईवे पर लगी वाहनों की कतारें

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। नौबस्ता के सिमरा गांव एलिवेटेड पुल पर शनिवार देर रात सड़क किनारे खड़े ट्रक में एक ट्राला जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राला का केबिन पूरी तरह से चकनाचूर हो गया और चालक उसी में बुरी तरह फंस गया। हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची नौबस्ता पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन और गैस कटर का इस्तेमाल कर लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थीं। कार्यवाहक नौबस्ता थानाप्रभारी नदीम सिद्दीकी ने बताया कि घटना शनिवार रात करीब तीन बजे की है। मृतक चालक की शिनाख्त मथुरा जनपद के थाना राय क्षेत्र स्थित रजगैला गांव निवासी मानवेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वह ट्राले में माल लादकर रामादेवी की तरफजा रहे थे। ट्राले के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर वाहन मालिक और मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे के चलते करीब दो घंटे तक रामादेवी की ओर जाने वाले एलिवेटेड पुल पर भीषण जाम की स्थिति बन गई थी। क्रेन से ट्राला और ट्रक को हटवाने के बाद यातायात का सुचारू कराया गया।

मिनी बस ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर में तेज रफ्तार मिनी बस ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। राहगीरों ने गंभीर हालत में युवक को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महाराजपुर के छतमरा गांव निवासी नीरज मिश्रा एक निजी फर्म में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। परिवार में पत्नी शोभा मिश्रा, बेटा अनिरुद्ध मिश्रा और अंकित मिश्रा हैं। परिजनों ने बताया कि नीरज रोज की तरह बीते बुधवार सुबह करीब आठ बजे स्कूटी से ड्यूटी के लिए निकले थे। जब वह टिकरा शराब ठेके के पास पहुंचे थे, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार मिनी बस ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नीरज कुछ दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना मिलते ही महाराजपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक बताते हुए हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। शनिवार शाम उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रविवार सुबह महाराजपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि हादसा करने वाली मिनी बस की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

बड़ी चूक : पंचनामा में मृतक की जगह दर्ज किया जिंदा भाई का नाम

-मानसिक तनाव में आकर किसान ने फांसी लगाकर दी जान

-महाराजपुर थाना क्षेत्र के बंबुरिहा गांव का है मामला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। किसान के सुसाइल मामले में महाराजपुर पुलिस की बड़ी चूक सामने आई है। शव का पंचनामा भरते समय दरोगा ने मृतक की जगह उसके जिंदा भाई का नाम दर्ज कर दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब पोस्टमार्ट कर्मी ने पंचायतनामा में दर्ज नाम की बॉडी लाने की आवाज दिया। जिसके बाद संशोधन करने के बाद फिर से पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई।

महाराजपुर के बंबुरिहा गांव निवासी राकेश कुमार कुरील पेशे से किसान थे। परिवार में पत्नी सीमा, दो बेटे अमन, प्रशांत व बेटी नेहा हैं। परिजनों के मुताबिक पत्नी लंबे समय से ब्रेन संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं और इलाज में लगातार खर्च होने से राकेश मानसिक तनाव में रहने लगे थे। शनिवार रात खाना खाने के बाद सभी लोग सोने चले गए। देर रात उन्होंने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर गमछे के सहारे पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। कुछ देर बाद पत्नी किसी काम से कमरे में पहुंचीं तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज लगाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर राकेश का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर महाराजपुर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को पोस्टमार्टम हाउस में पंचायतनामा पहुंचने के बाद बाबू ने दस्तावेज देखकर राजेश की बॉडी अंदर कराओ कहकर आवाज लगाई। इस पर साथ आए राजेश ने कहा साहब, मैं अभी जिंदा हूं, पोस्टमार्टम मेरे भाई राकेश का होना है। दस्तावेज की जांच में मुख्य पृष्ठ पर मृतक की जगह राजेश का नाम दर्ज मिला। इसके बाद पंचायतनामा तैयार करने वाले दरोगा दिग्विजय को तत्काल बुलाया गया। दस्तावेज में संशोधन होने के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो सकी। परिजनों का कहना था कि अगर समय रहते यह गलती न पकड़ी जाती, तो भविष्य में उन्हें गंभीर कानूनी व प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ता। मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यवाहक थाना प्रभारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि पंचनामा में यह चूक किस स्तर पर और कैसे हुई, इसको लेकर संबंधित दरोगा से जवाब-तलब किया जा रहा है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सभी विधानसभा में आयोजित की जाएंगी भव्य तिरंगा यात्रा

- क्षेत्रीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों के साथ बैठक कर की समीक्षा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कानपुर-बुन्देलखंड अध्यक्ष रामकिशोर साहू ने रविवार को सर्किट हाउस में पदाधिकारियों के साथ बैठक की। 10 अगस्त से 14 अगस्त तक अभियान चलाया जायेगा।

रविवार को कानपुर सर्किट हाउस में कानपुर उत्तर, दक्षिण और ग्रामीण जिलों के जिला अध्यक्षों एवं जिला महामंत्री समूह की संगठनात्मक समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 10 से 14 अगस्त तक क्षेत्र के सभी 17 जिलों में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा और मंडल स्तर पर भव्य तिरंगा यात्राएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के अभियान केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम हैं। उन्होंने कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा मिलेगी। समीक्षा बैठक में बूथ स्तरीय प्रशिक्षण अभियान, रविदास कलश वंदन यात्रा और जिलाए मंडल, शक्ति केंद्र व बूथ स्तर पर होने वाली मासिक बैठकों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अभियान तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं और उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ आधारित है। बूथ जितना मजबूत होगा, संगठन उतना ही सशक्त होगा। इसलिए बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता, संवाद और नियमित बैठकों को प्राथमिकता दी जाए। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

नशे की लत पूरी करने के लिए मंदिर में की थी चोरी

-रेलबाजार पुलिस ने दो शातिरों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। खपरा मोहाल स्थित पम्पलेश्वर महादेव मंदिर में दानपेटी और तांबे का नाग चुराने वाले दो शातिरों को रेलबाजार पुलिस ने गिरफ्तार लिया है। पुलिस ने शातिरों को पास से चोरी का सामान बरामद कर लिया है। नशे की लत पूरी करने के लिए शातिरों ने वारदात को अंजाम दिया था।

रेलबाजार थाना प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि 28 जुलाई को खपरा मोहाल निवासी मंदिर के पुजारी राकेश सिंह ने रेलबाजार थाने में तहरीर दी थी। पुजारी ने बताया कि 24 जुलाई की सुबह जब वह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। जांच करने पर मंदिर से दानपेटी और तांबे से निर्मित नाग की प्रतिमा गायब मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संभावित स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मुकदमे से जुड़े दो संदिग्ध उन्नाव पुल पर कहीं जाने की फिराक में खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी बेगमपुरवा निवासी अस्सु और अयान कातिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और नशे की लत पूरी करने के लिए उन्होंने इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने उनके कब्जे से मंदिर से चोरी की गई दानपेटी और तांबे का नाग बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफकानूनी कार्रवाई की गई।

चाइनीज मांझे से कटी बाइक सवार युवक की गर्दन

-गंभीर हालत में हैलट में भर्ती, 12 टांके लगाए गए

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। प्रतिबंधित के बाद भी चाइनीज मांझे का प्रयोग धड़ल्ले से हो रहा है। कई लोग इससे हादसे के शिकार हो चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी चाइनीज मांझे को लेकर सख्त रूख अख्तियार कर रखे हैं। उसके बाद भी यह खेल जारी है। रविवार को जाजमऊ चेक पोस्ट पर बाइक सवार टेनरी कर्मी का बेटा प्रतिबंधित मांझे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वह पिता को बाइक से लेकर उन्नाव से जाजमऊ जा रहा था। घटना कर बाद उसे जाजमऊ में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी गंभीर हालत देखकर एलएलआर अस्पताल रेफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने गंदगी में 12 टांके लगाए हैं।

जाजमऊ के गौशाला निवासी टेनरीकर्मी कैलाश का बेटा कृष्णा अपने परिवार के साथ उन्नाव के गंगाघाट स्थित अखलाक नगर में किराए पर रहता है। परिवार में मां शिल्पा और तीन भाई मटरू, सुमित व कुंदन हैं। रविवार दोपहर कृष्णा अपने पिता को बाइक में लेकर उन्नाव से जाजमऊ की ओर आ रहा था। इस दौरान जाजमऊ चेकपोस्ट के पास चलती बाइक उनकी गर्दन में मांझा फंसकर उलझ गया। जिससे वह लहूलुहान हो गए। इसके बाद उसे राहगीरों की मदद से पास ही नासिर हास्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद परिजन हैलट अस्पताल ले गए। जहां पर उसकी गर्दन में करीब 12 टांके लगाए गए हैं। जाजमऊ थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि पीड़ित परिजनों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझा कहां से आया और शहर में इसे कौन बेच या इस्तेमाल कर रहा है। दोषियों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सावन का पहला सोमवार आजए हुई चाक चौबंद व्यवस्थाएं

घाटमपुर। सावन माह के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में होने वाली भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसरों और आसपास सफाई कराई गई है। तैयारियों को लेकर रविवार को मंदिर समितियों और प्रशासन द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाता रहा। सावन के पहले सोमवार पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाइकए कारए ट्रैक्टर और अन्य वाहनों से मंदिरों में दर्शन.पूजन के लिए पहुंचेंगे। कई भक्त कांवड़ लेकर भी भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। मंदिर समितियों के अनुसार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रहने की संभावना है। निबियाखेड़ा स्थित भद्रेश्वर महादेव मंदिरए करचुलीपुर के अवलेश्वर मंदिरए सजेती के बिहारेश्वर महादेव मंदिर और पतारा के बाबा बैजनाथ धाम में श्रद्धालुओं के आगमन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। भीड़ को देखते हुए पूजा.अर्चना और दर्शन की अलग.अलग व्यवस्था की गई है। कई मंदिरों में सावन सोमवार के अवसर पर मेला भी लगेगाए जहां आसपास के गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने मंदिरों के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था की है। प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है। मंदिर समितियों ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन.पूजन करने और व्यवस्थाओं में सहयोग करने की अपील की है। प्रशासन की ओर से भीड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

हाईस्कूल के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर स्थित एल्डिगो काउंटी अपार्टमेंट में हाईस्कूल के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल कर साक्ष्य कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरियाणा के रोहतक के रहने वाले सचिन राठी एक प्राइवेट कंपनी में डीजीएम हैं। वर्तमान में वह कल्याणपुर के शिवली रोड स्थित एल्डिगो काउंटी अपार्टमेंट में रहते हैं। परिवार में पत्नी रीना, छोटा बेटा रेयांश और बड़ा बेटा अर्जुन राठी था। पिता ने बताया कि अर्जुन कल्याणपुर के डीपीएस स्कूल में कक्षा-10 का छात्र था। उसने शनिवार सुबह मुझसे कहा कि मैं स्कूल नहीं जाऊंगा। यहीं से स्कूल का काम कर लूंगा। मैंने कहा ठीक है। इसके बाद मैं ऑफिस के लिए निकल गया। दोपहर करीब करीब तीन बजे पत्नी और छोटा बेटा नीचे कमरे में थे। बेटा ऊपर कमरे में पढ़ाई करने जाने की बात कहकर चला गया। कुछ देर बाद पत्नी बेटे को बुलाने के लिये कमरे में गई तो देखा बेटा जिम करने वाली लोहे की रॉड से रस्सी के सहारे लटका हुआ था। पत्नी के चीख पुकार सुन फ्लैट में रहने वाले अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे और बेटे को फंदे से उतारकर तत्काल रीजेंसी हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद रोते बिलखते मां रीना ने कहा कि कभी ऐसा नहीं लगा कि बेटा ऐसा कदम उठा लेगा। बेटे को स्कूल भेज देती तो शायद उसकी जान बच जाती। सूचना पर कल्याणपुर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। कल्याणपुर थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि परिजनों से घटना को लेकर पूछताछ की गई, मगर वह भी कुछ नहीं बता सके। परिजन प्रथम दृष्टया पढ़ाई का डिप्रेशन मान रहे। अगर परिजन कोई आरोप लगाते है या तहरीर देते है तो जांचकर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

जिला कारागार का आईजी ने किया औचक निरीक्षण

-बंदियो का खाना, पाकशालाओं व साफ-सफाई व्यवस्था को परखा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। अपर महानिरीक्षक कारागार प्रशासन धर्मेन्द्र सिंह ने रविवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। यह देख जेल प्रशासन के बीच हड़कम्प मच गया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा। बैरकों की सघन तलाशी, रसोई, अस्पताल और सुरक्षा उपकरणों की जांच के बाद जेल की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

आईजी कारागार ने निरीक्षण की शुरुआत जेल की दोनों पाकशालाओं से की। इस दौरान उन्होंने बंदियों के लिए बन रहे भोजन की गुणवत्ता, सफा-सफाई और स्वच्छता के मानकों की जांच की, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई। इसके बाद वे कारागार चिकित्सालय पहुंचे, जहां भर्ती बंदियों से सीधे बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और दी जा रही डॉक्टरी सुविधाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात आईजी ने ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, विधिक सहायता केंद्र, पुस्तकालय और वीडियो वॉल का भी जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने बैरकों की सघन तलाशी करवाई और जेल की सुरक्षा व निगरानी में लगे उपकरणों की कार्यप्रणाली के साथ-साथ अभिलेखों की गहन जांच की। अचानक हुए इस निरीक्षण के दौरान पूरा कारागार प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। इस दौरान जेल अधीक्षक आर.के. पाण्डेय, कारागार चिकित्साधिकारी डॉ प्रभाकर त्रिपाठी, जेलर आनंद कुमार जायसवाल, डिप्टी जेलर प्रदीप कुमार सिंह, प्रेम नारायण समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी व पुलिस बल मौजूद रहे।

युवा वर्ग नशे से दूर रहकर सकारात्मक कार्यों में करें ऊर्जा का उपयोग

-विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में रविवार को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सजीव प्रसारण के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को अहम बताया। अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत का संकल्प दिलाया गया। साथ ही समाज में जागरूकता फैलाने और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं डीन लाइफसाइंस प्रो सुधीर कुमार अवस्थी ने नशा मुक्ति अभियान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा वर्ग नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करेगा। डीएसडब्ल्यू प्रो अंशु यादव ने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली अपनाने की अपील की। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ब्रह्मकुमारी नीलम दीदी ने नशा मुक्ति को आत्मिक शुद्धि और सामाजिक उत्थान से जोड़ते हुए सभी को जागरूक किया।

उन्होंने ध्यान के माध्यम से अंतर्मन की चेतना को सशक्त बनाने का अभ्यास भी कराया। कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के युवा इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और नशा मुक्त युवा ही सशक्त एवं समृद्ध भारत की आधारशिला रख सकते हैं। सभी उपस्थित जनों को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने नशा से दूर रहने एवं समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर रजिस्ट्रार राकेश कुमार मिश्र, एनएसएस कोआर्डिनेटर डॉ श्याम मिश्रा, डॉ दिवाकर अवस्थी, डॉ शशिकांत त्रिपाठी समेत छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सेंट्रल का लोड होगा कम, जीएमसी रेलवे स्टेशन का होगा निर्माण

-परियोजना के पहले चरण हेतु 60 करोड़ का बजट हुआ स्वीकृत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर लगातार बढ़ रहे यात्री दबाव को कम करने के लिए रेलवे बोर्ड ने कानपुर सेंट्रल और गोविंदपुरी स्टेशन के बीच नए जीएमसी रेलवे स्टेशन के निर्माण को मंजूरी दे दी है। परियोजना के पहले चरण के लिए करीब 60 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हो चुका है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सभी औपचारिकताएं समय पर पूरी होने के बाद इसी साल दिसंबर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। रेलवे के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के तहत जीएमसी स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया जाएगा। स्टेशन पर चार प्लेटफार्म, फुट ओवरब्रिज, आधुनिक स्टेशन भवन, टिकट घर, वेटिंग हॉल, शुद्ध पेयजल समेत अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों के ठहरने के लिए अलग भवन का भी निर्माण किया जाएगा।

डिप्टी सीटीएम आकांक्षु गोविल ने बताया कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर लगातार बढ़ रहे लोड को देखते हुए जीएमसी रेलवे स्टेशन विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोविंदपुरी स्टेशन का विस्तार सीमित है, इसलिए नए स्टेशन की आवश्यकता महसूस की गई। परियोजना की सभी औपचारिकताएं पूरी कर दिसंबर से निर्माण शुरू करने की तैयारी है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से पूरा प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्टेशन पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं का होगा और यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर इसका डिजाइन तैयार किया गया है। स्टेशन बनने के बाद ना केवल सेंट्रल स्टेशन पर दबाव कम होगा, बल्कि दक्षिण कानपुर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी रेल यात्रा के लिए बेहतर विकल्प मिलेगा।

खबर एक नजर

निकरा योजना की एससी एसपी उपयोजना के अंतर्गत हुआ दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा विकास खंड मैथा के ग्राम सहतवानपूर्वा में निकरा योजना की उप योजना एससी एसपी के अंतर्गत ऊसर भूमियों में धान फसल का प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को जलवायु अनुकूल उन्नत तकनीकए कीट प्रबंधन और उच्च पैदावार के उपाय सिखाना है। इसमें उन्नत बीजए खाद और वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई। जलवायु.सहिष्णु और अधिक पैदावार देने वाली धान की किस्मों तथा सीधी बुवाई और जल.बचत वाले धान खेती के तरीकेएपोषण प्रबंधन में उर्वरकों का संतुलित उपयोग और लागत.दक्षता में सुधार तथा कीट एवं रोग नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन और शुरुआती अवस्था में रोगों की पहचान। आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित गांव के कृषक महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे ।

लॉक अप में ह्यूमा कुरैशी और भूमि पेडनेकर ने एंट्री की

कानपुर। नेटफ्लिक्स के कैप्टिव रियलिटी शो, लॉक अपः सच या सजा ने अपने अंतिम वीक में प्रवेश कर लिया है। इस अवसर पर दो नए दिग्गजों की लॉक अप में एंट्री हुई है। हाई-स्टेक्स जजमेंट डे के लिए जनता की आवाज के रूप में लॉक अप में एंटर किया ह्यूमा कुरैशी और भूमि पेडनेकर ने, जिन्होंने इनमेट्स के गेमप्ले को स्कैनर के नीचे रखकर उनसे वो सवाल पूछे, जिनका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिनाले करीब आ रहा है और हर फैसले के नतीजे बड़े हो सकते हैं। ऐसे में ह्यूमा और भूमि ने बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर लॉक अप में प्रवेश किया है। बदलते समीकरणों और अनसुलझे विवादों से लेकर इनमेट्स के सफर और गेमप्ले तक इन दोनों ने जजमेंट डे के लिए अपने-अपने नजरियों के साथ एंट्री की, जिससे अनेकों मुश्किल सवाल, बेबाक चर्चाएं और अप्रत्याक्षित मोड़ देखने को मिले। फिनाले वीक की शुरुआत के साथ मुकाबला कड़ा होता जा रहा है। ह्यूमा और भूमि ने कुछ इनमेट्स से बहुत कठिन सवाल पूछे, जिससे सबसे महत्वपूर्ण मोड़ पर गेम की दिशा बदल गई।

काशी से आई परम पूज्य संत रविदास जी की कलश यात्रा का कानपुर दक्षिण में भव्य स्वागत

कानपुर। काशी से आई परम पूज्य संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की पावन कलश यात्रा का आज भारतीय जनता पार्टी कानपुर दक्षिण द्वारा किदवई नगर मंडल के गोवर्धन पूर्व सुख पूर्व दुर्गा मंदिर आदि आदि अनेक क्षेत्र में भव्य नगर यात्रा के रूप में स्वागत एवं आयोजन किया गया।
इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री राम किशोर साहू जी ने कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को समरसताए समानता और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकता और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। हम सभी को उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।
जिला अध्यक्ष श्री शिवराम सिंह जी ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन सामाजिक समरसताए सेवा और भक्ति का अनुपम उदाहरण है। भाजपा सरकार संतों और महापुरुषों के आदर्शों को जन.जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। यह कलश यात्रा समाज में सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगी।
इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता गुप्ताए जिला महामंत्री गणेश शुक्लाए जसविंदर सिंहए अर्जुन बेरियाए वीरेंद्र दिवाकरए ओण्पीण् आर्यए नरेश कठेरियाए राहुल विमलए जय नारायणए मुकेशए जितेंद्र सचानए मधु तिवारीए श्याम सुंदर गर्गए सपना शर्माए स्नेहलता मिश्राए विकास सिंहए जितेंद्र सिंहए पप्पू पंडितए शिवम मिश्राए नीरज भदौरिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। 02 अगस्त 2026। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालयए कानपुर में माण् कुलपति प्रोण् विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनजागरूकता से ओत.प्रोत एवं माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा सजीव प्रसारण के माध्यम से श्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत दृ संकल्प अभियानश् का भव्य शुभारंभ किया गया। यह अभियान युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखते हुए उन्हें सशक्तए जागरूक एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण के मध्य संपन्न हुआए जिसमें विभिन्न गणमान्य अतिथियोंए प्राध्यापकों एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंच संचालन के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें मंचासीन किया गया तथा पारंपरिक रूप से उनका अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रोण् सुधीर कुमार अवस्थीए अधिष्ठाताए जीवन विज्ञानए ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए नशा मुक्ति अभियान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार हो सकता हैए जब देश का युवा वर्ग नशा मुक्त होकर सकारात्मक दिशा में अपनी ऊर्जा का उपयोग करे।

इसके उपरांत प्रोण् अंशु यादवए अधिष्ठाताए छात्र कल्याणए ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ब्रह्मकुमारी नीलम दीदी ने अपने प्रेरणादायी एवं आध्यात्मिक उद्बोधन के माध्यम से नशा मुक्ति को आत्मिक शुद्धि एवं सामाजिक उत्थान से जोड़ते हुए सभी को जागरूक किया। उन्होंने सभी को ध्यान में माध्यम से अंतर्मन की चेतना को सशक्त बनाने का अभ्यास कराया गयाण

मुख्य अतिथि श्रीमती नीलिमा कटियारए माण् विधायकए कल्याणपुर विधानसभाए ने अपने संबोधन में मा0 प्रधानमंत्री जी के श्नशा मुक्त भारतश् के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के युवा इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान को जन.जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और नशा मुक्त युवा ही सशक्त एवं समृद्ध भारत की आधारशिला रख सकते हैं। उन्होंने इस प्रकार के अभियानों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु अत्यंत आवश्यक बताया।

कार्यक्रम के महत्वपूर्ण चरण में प्रो0 राजेश कुमार द्विवेदीए निदेशकए महाविद्यालय विकास परिषदए द्वारा सभी उपस्थित जनों को श्नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत दृ संकल्प अभियानश् की शपथ दिलाई गईए जिसमें सभी ने नशा से दूर रहने एवं समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।प्रेक्षागृह में उपस्तिथ सभी ने प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन को ऑनलाइन माध्यम के द्वारा सुना एवं देखा।

कार्यक्रम में विद्यार्थी हर्ष मिश्राए स्वयं सेवकए राष्ट्रीय सेवा योजना ने भी नशा मुक्ति के सम्बन्ध में अपने विचार प्रस्तुत किये।

अंत में श्री राकेश कुमार मिश्रए कुलसचिवए ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियोंए आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 श्याम मिश्राए एनएसएस समन्वयकए सीएसजेएम विश्वविद्यालय द्वारा प्रभावी एवं सुव्यवस्थित रूप से किया गयाए जबकि नशा मुक्ति कार्यक्रम का समन्वय डाण् प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉण् दिवाकर अवस्थीए कुलानुशासक डॉण् शशिकांत त्रिपाठीए डॉ ममता तिवारीए डॉ द्रोपती यादव ए डॉ स्नेह पांडे एडॉ राहुल तिवारी एडॉ प्रकाश नारायण पांडेए डॉ श्रवण कुमारए डॉ संजीत कुमारए डॉण् अंकित त्रिवेदी प्रभारीए सुरक्षाए डॉण् अमित कुमार ए डॉण् रामकिशोर आदि उपस्थित रहे।

यह आयोजन विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने की दृष्टि से एक प्रेरणादायी एवं महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। विधार्थियों ने माय भारत पोर्टल पर नशा मुक्त से सम्बन्धित ऑनलाइन शपथ भी ली।

रज कलश से बूथ-बूथ गूंजेगा समरसता का संदेश हर घर तिरंगा अभियान को भी मिलेगी जनभागीदारी की नई ऊर्जा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाली मंडल बैठकों के क्रम में रविवार को आर्यनगर विधानसभा के जनरलगंज मंडल की महत्वपूर्ण बैठक मंडल अध्यक्ष योगेश पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी अभियानों की रणनीति तय की गई तथा कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक जनसंपर्क तेज करने का आह्वान किया गया।

बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा कानपुर उत्तर के जिला मीडिया प्रभारी एवं जनरलगंज मंडल प्रभारी अनुराग शर्मा ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुरए काशी से आए पावन रज कलश को मंडल के प्रत्येक बूथ तक ले जाकर सामाजिक समरसताए समानता और संत रविदास जी के विचारों का संदेश जन.जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल धार्मिक आस्था का नहींए बल्कि समाज को जोड़ने और समरस भारत के संकल्प को सशक्त करने का माध्यम बनेगा।

बैठक में आगामी हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अनुराग शर्मा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता घर.घर तिरंगा पहुंचाकर राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रखर बनाए तथा अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया।

बैठक में अभियान की रूपरेखाए संगठनात्मक जिम्मेदारियों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने दोनों अभियानों को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का संकल्प लेते हुए संगठन के निर्देशों को पूरी निष्ठा के साथ धरातल पर उतारने का विश्वास व्यक्त किया।

बैठक में प्रमुख रूप से आशीष तिवारीए संतोष राठौरएअनमोल सिंह कोमल जायसवालएअर्चित गौड़एजय प्रकाश साहूएअंकित जायसवालए शरद सिंहएआदि उपस्थित रहे।

कानपुर महानगर कांग्रेस का वोटर जागरूकता कैंप. फॉर्म.6 के माध्यम से नाम पुनः जुड़वाने की दी जानकारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा पटकापुर में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत पटकापुर में एक विशेष वोटर जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में और वार्ड अध्यक्ष संजय दीक्षित के संयोजन में आयोजित इस कैंप में सैकड़ों की संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।
कैंप के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण ;ैप्त्द्ध अभियान के अंतर्गत जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से छूट गए थे या हट गए थेए उन्हें फॉर्म.6 के माध्यम से अपना नाम पुनः मतदाता सूची में जुड़वाने की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पात्र नागरिकों को आवेदन भरने और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने में भी सहायता प्रदान की।इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदाता होता है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपने नाम की जांच करने तथा आवश्यकता पड़ने पर समय रहते फॉर्म.6 के माध्यम से अपना नाम पुनः जुड़वाने की अपील की। पवन गुप्ताएसंजय दीक्षितएमो इस्लामएकाज़ी शमीएकमलाकांत तिवारीएशांतनु दीक्षितएएहतिशाम अली आदि थे।

कमलारानी के राजनीतिक जीवन को भुलाया नहीं जा सकता-डॉ. दिनेश शर्मा

-पूर्व डिप्टी सीएम ने घाटमपुर में आयोजित पूर्व कैबिनेट मंत्री की पुण्य तिथि पर हुई श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए विपक्षी दलों के बहकावे से दूर रहने को कहा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

घाटमपुर। कस्बे के मूसानगर रोड़ पर कैप्टन सुखवासी सिंह स्मारक जनता महाविद्यालय में पूर्व सांसद व कैबिनेट मंत्री रहीं कमलारानी वरुण की पुण्य तिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने स्वव कमलन रानी वरुण को श्रद्धांजलि देने के साथ बीते पलों को याद किया। उन्हें याद कर भावुक हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पार्षद से लेकर सांसद व कैबिनेट मंत्री की लंबी यात्रा में उन्होंने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा। वह भाजपा के लिए आखिरी पलों तक न सिर्फ़ जीएं बल्कि और भाजपा के ही झंडे में लिपट कर इस दुनिया से गईं। उन्होंने उनकी बेटी व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण से कमल रानी के सपनों को साकार करने को कहा। उन्होंने अपने संबोधन में कांग्रेस व सपा तथा बसपा आदि को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि संसद के बाहर एक सांसद साधु के वेश में बैठे थे। अब राम से बाबर की तुलना करने वाले राम को बचाने का ढोंग कर रहे हैं। उन्होंने सनातन का विरोध करने के लिए विपक्ष को भी आड़े हाथों लिया। साथ ही कहा इनके बहकावे में न आएं। बल्कि अगड़ेए पिछड़े व आदिवासी के चक्कर में न पड़कर सब एक होकर 2027 के चुनाव में भाजपा को जिताएं।
श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्लाएसांसद अशोक रावतए बिल्हौर विधायक राहुल बच्चाए क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहूए प्रकाश पालए ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवानए पालिकाध्यक्ष पति हाफिज अब्दुल अहदएजिला महामंत्री वेद व्रत सचानए जिला मंत्री अंजली शुक्लाए मीडिया प्रभारी राहुल राजावतए पूर्व जिला मंत्रि सीमा मिश्राए पूर्व जिला महामंत्री कमलेश त्रिवेदीए वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सचानए प्रधान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष व भाजपा नेता चंद्रभान सिंह परिहार व शेरभान सिंहएसभासद विवेक शुक्लाए सभासद रोहित एडीए सभासद तकी हैदरएअमोल चौहान ने भी पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल रानी के साथ बिताए क्षणों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा का सफल संचालन भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र द्विवेदी ने किया।

भ्मकपदह चीनी मिल चालू करने को रहतीं थीं चिन्तित- राकेश सचान

घाटमपुर।पूर्व सांसद व कैबिनेट मंत्री रहीं कमलारानी वरुण की पुण्य तिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि आज लगता है उनकी बेटी व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने पूरी भाजपा को आमंत्रित किया है। उन्हों आगे कहा कि कमल रानी राजनीति में एक ऐसा चेहरा था जो पार्षद से सीधे न सिर्फ सांसद बनी बल्कि क्षेत्र का चहुमुखी विकास किया।चीनी मिल कैसे चालू हो उन्हें सदैव चिंता रहती थी। कोविड में हुए उनके निधन के बाद राजनीति में सक्रिय हुई उनकी बेटी स्वप्निल वरुण से उन्होंने कमलारानी के सपनों को साकार करने को कहा। वहीं श्रद्धांजलि सभा की आयोजक व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने लोगों से भावुक होते हुए कहा कि उनकी मां को लोग बहनए बेटी व मां का दर्जा देते थे। अब आपकी बहनए बेटी आप सभी के बीच अपने ननिहाल आई है। उम्मीद में मुझे भी वही प्यार सभी से मिलेगा।

कमलारानी की जन नेता के रूप थी पहचान-अरुण पाठक

घाटमपुर।पूर्व सांसद व कैबिनेट मंत्री रहीं कमलारानी वरुण की पुण्य तिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भावुक हुए स्नातक विधायक अरुण पाठक ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कमलारानी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम उन्हे कभी नहीं भूल सकते। उनकी जन नेता के रूप में पहचान थी।उन्होंने श्रद्धांजलि सभा की आयोजक व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण से मां के सपनों को साकार करने को कहा। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की।

मुख्यमंत्री के दिल में हैं कमजोर तबके के लोगों का दर्द-सरोज कुरील

घाटमपुर।पूर्व सांसद व कैबिनेट मंत्री रहीं कमलारानी वरुण की पुण्य तिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंची विधायक सरोज कुरील ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कमलारानी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि घाटमपुर की सरजमीं पर आज भी उनकी यादें ताजा हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कमजोर तबके के लोगों का दर्द बखूबी समझते हैं। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धांजलि सभा में आए लोग इस बात के गवाह हैं

छावनी विधानसभा में समाजवादी पार्टी की अहम बैठक संपन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर द्वारा छावनी विधानसभा क्षेत्र में बीण्एलण्एण् की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने की। बैठक में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारीए बीण्एलण्एण्ए छावनी विधानसभा के कार्यकर्ता एवं पीडीए टीम के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक योग्य मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ना तथा मतदाता जागरूकता अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि प्रत्येक बीण्एलण्एण् अपने बूथ क्षेत्र का घर.घर भ्रमण कर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्रत्येक युवक.युवती का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित करे। प्रत्येक गलीए मोहल्ले और वार्ड में मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर मतदान के महत्व की जानकारी दी जाए तथा जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में नहीं हैए उनका आवेदन भरवाकर सूची में शामिल कराया जाए। अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि प्रत्येक बीण्एलण्एण् अपने बूथ की मतदाता सूची का नियमित सत्यापन करे तथा कटे हुए नाम जुड़वानेए स्थानांतरण और नामए पता सहित अन्य त्रुटियों का समय रहते संशोधन कराया जाए। पीडीए टीम के सदस्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ें और मतदान के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं। अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि प्रत्येक बीण्एलण्एण् अपने बूथ का नियमित फीडबैक तैयार कर नए मतदाताओं और छूटे हुए नामों की जानकारी संगठन को उपलब्ध कराए। मजबूत बूथ संगठनए शुद्ध मतदाता सूची और जागरूक मतदाता ही चुनावी सफलता की सबसे मजबूत नींव हैं। बैठक में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूदएवरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टूएमुमताज मंसूरीएआसिफ शाहएलारेब खानएइस्लाम अंसारीएशोएब खानएआजम खानएआकिबएसाकिब खानएरेहान बरकातीएमुहाफिज खानएसत्यनारायण गहरवारएइशरत इराकीएरजत मिश्राएदीपक खोटेएशादाब आलमएअरशद दद्दाएजफरुल हसनएमहेश कनौजियाएसिंपल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।।

शहर को मिली राहत मंधना को मिली सजा

रेलवे क्रॉसिंग खत्म करने की योजना में मंधना की अनदेखी

स्वतंत्र भारत ब्युरो बिठूर। अनवरगंज से मंधना तक रेलवे ट्रैक के एलीवेटेड होने के साथ शहर की लगभग सभी रेलवे क्रॉसिंग इतिहास बनने जा रही हैं लेकिन विडंबना देखिए कि पूरे प्रोजेक्ट में सबसे बड़ी अनदेखी मंधना की हो रही है। जहां पूरे शहर को जाम से राहत मिलने की उम्मीद है वहीं मंधना के हजारों लोगों के हिस्से में पहले से भी बड़ा ट्रैफिक संकट आने वाला है। जानकारी के अनुसार भविष्य में बड़ी संख्या में ट्रेनों का संचालन मंधना स्टेशन तक ही किए जाने की योजना है। ऐसे में रेलवे फाटक पहले से कहीं अधिक समय तक बंद रहेगा। इसका सीधा असर मंधना टिकरा मार्ग और मंधना पचोर मार्ग पर पड़ेगा जिनसे प्रतिदिन दर्जनों गांवों के हजारों लोग आवागमन करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अभी समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले समय में मंधना की पहचान भी घंटों लगने वाले जाम से होगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पूरे शहर की रेलवे क्रॉसिंग समाप्त करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं तब मंधना को इस योजना से बाहर क्यों रखा गया घ् क्या ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जाम धूल और घंटों की परेशानी झेलने के लिए छोड़ दिया गया है घ् पिछले कई महीनों से सैकड़ों ग्रामीण जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं। कई बार मांग उठी कि मंधना रेलवे क्रॉसिंग पर भी ओवरब्रिज या अंडरपास बनाया जाए लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। धरातल पर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ट्रेनों की संख्या बढ़ी और रेलवे फाटक यथावत रहा तो स्कूल जाने वाले बच्चों किसानों मरीजों और रोजाना शहर आने जाने वाले कर्मचारियों का जीवन बुरी तरह प्रभावित होगा। एंबुलेंस तक जाम में फंस सकती है जिसकी कीमत किसी की जान देकर चुकानी पड़ सकती है। लोगों का आरोप है कि विकास की योजनाएं शहर तक सीमित हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्र केवल वादों और आश्वासनों का बोझ ढो रहे हैं। अब ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मंधना रेलवे क्रॉसिंग के स्थायी समाधान की घोषणा नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ग्रामीणों का सवाल है जब शहर की हर रेलवे क्रॉसिंग खत्म हो सकती है तो आखिर मंधना की जनता से यह भेदभाव क्यों क्या विकास का अधिकार केवल शहर तक ही सीमित है ँ

अजय पांडे स्थानीय निवासीशहर की हर रेलवे क्रॉसिंग खत्म की जा रही है लेकिन मंधना को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। अगर यहां ओवरब्रिज या अंडरपास नहीं बना तो आने वाले समय में खेती किसानी से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक सब प्रभावित होगी।

कपिल अवस्थी निवासी मंधनाहम कई बार सांसदए विधायकए रेलवे अधिकारियों और प्रशासन को ज्ञापन दे चुके हैं। हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। आखिर जनता कब तक इंतजार करे ँ

हरिओम पांडे वरिष्ठ समाजसेवी
आज शहर जिन समस्याओं से जूझ रहा है वही हाल कुछ वर्षों बाद मंधना का होने वाला है। सरकार और रेलवे को अभी से स्थायी समाधान करना चाहिए वरना यह समस्या विकराल रूप ले लेगी ।

मृदुल द्विवेदी ऋषि ग्राम प्रधान बहलोलपुर रेलवे फाटक बंद होने पर घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार बीमार मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी परेशानी होती है। अगर ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी तो हालात और भयावह हो जाएंगे।

मोनू हार्डवेयर मंधना जाम का सबसे ज्यादा असर व्यापार पर पड़ता है। ग्राहक बाजार तक नहीं पहुंच पाते। अगर रेलवे फाटक पर दबाव और बढ़ा तो मंधना का कारोबार भी प्रभावित होगा।

पियुष मिश्रा युवा समाजसेवी जब पूरे शहर को जाम से मुक्ति दिलाई जा रही है तो मंधना के लोगों के साथ दोहरा व्यवहार क्यों घ् विकास योजनाओं में ग्रामीणों को भी बराबर का अधिकार मिलना चाहिए।

राहुल गांधी पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने सांसद साक्षी महाराज को घेरा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष दिनेश शुक्ला ने उन्नाव सांसद साक्षी महाराज द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और गांधी परिवार का इतिहास देश की एकता और अखंडता के लिए त्याग और बलिदान का रहा है। उनके अनुसार राहुल गांधी को किसी से देशभक्ति का प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है।

दिनेश शुक्ला ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और इंदिरा गांधी ने देश की एकता व अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में केंद्र सरकार सत्ता बनाए रखने के लिए दूसरे दलों के नेताओं को अपने साथ जोड़ने का काम कर रही है। उनका कहना था कि कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के लिए देश सर्वोपरि है, न कि सत्ता का पद। पूर्व शहर अध्यक्ष ने सांसद साक्षी महाराज पर जनपद की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि सांसद जनपद में कम समय बिताते हैं और स्थानीय मुद्दों के बजाय विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। दिनेश शुक्ला ने यह भी कहा कि राहुल गांधी लगातार जनहित और देशहित से जुड़े मुद्दों को संसद में उठा रहे हैं तथा केंद्र सरकार से जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से भाजपा के नेता उन पर लगातार व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे हैं।

चार अगस्त को अकीदत के साथ मनाया जाएगा चेहल्लुम

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। कर्बला के शहीद हजरत अब्बास की शहादत की याद में मनाया जाने वाला चेहल्लुम चार अगस्त, मंगलवार को जिले भर में अकीदत व एहतराम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मजलिसें, जुलूस और नजर-नियाज के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अंजुमन हैदरिया अब्बासिया, न्योतनी के मीडिया प्रभारी मृत्युंजय हैदर रिजवी ने बताया कि कर्बला की जंग में इंसानियत, न्याय और सत्य की रक्षा के लिए शहीद हुए हजरत अब्बास की याद में हर वर्ष चेहल्लुम मनाया जाता है। इस वर्ष चार अगस्त को उन्नाव शहर सहित न्योतनी, मोहान, माखी, उगू, सफीपुर, आसीवन, नवाबगंज, हिलौली और औरास क्षेत्र के विभिन्न गांवों में धार्मिक आयोजन होंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्थानों पर मजलिसों में उलेमा कर्बला के शहीदों के बलिदान और उनके बताए रास्ते पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद अकीदतमंदों की ओर से जुलूस निकाले जाएंगे तथा नजर-नियाज का आयोजन किया जाएगा। चेहल्लुम के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। अंजुमन के पदाधिकारियों ने सभी अकीदतमंदों से कार्यक्रमों में अनुशासन बनाए रखते हुए शिरकत करने की अपील की है। वहीं आयोजन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं।

करंट प्रवाहित तार की चपेट में आया मासूम झुलसा, सीएचसी में भर्ती

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) नवाबगंज उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के भगवन्तपुर गांव में खेत के चारों ओर लगाए गए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से नौ वर्षीय बालक गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नवाबगंज में भर्ती कराया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

भगवन्तपुर गांव निवासी भागीरथ का नौ वर्षीय पुत्र सनी रविवार दोपहर गांव के बाहर स्थित एक खेत में अमरूद तोड़ने गया था। खेत की फसल को छुट्टा मवेशियों से बचाने के लिए चारों ओर सोलर सिस्टम से जुड़े करंट प्रवाहित तार लगाए गए थे। इसी दौरान बालक का हाथ तार से छू गया और वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया।

बच्चे की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां सोनी और चाचा सर्वेश मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह उसे करंट प्रवाहित तार से अलग किया और तत्काल सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे भर्ती कर लिया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की हालत अब खतरे से बाहर है और उपचार जारी है। घटना के बाद गांव में खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे करंट प्रवाहित तारों को लेकर लोगों में चिंता व्याप्त है। ग्रामीणों ने ऐसे मामलों में सावधानी बरतने और सुरक्षा मानकों का पालन कराने की मांग की है।

खेत में काम कर रही महिला को जहरीले कीड़े ने काटा, हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) नवाबगंज उन्नाव। अजगैन क्षेत्र के टिकवामऊ गांव में खेत में काम कर रही एक महिला को जहरीले कीड़े ने काट लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नवाबगंज ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। टिकवामऊ गांव निवासी अनीता (25) पत्नी स्वर्गीय चंदन रविवार दोपहर खेत में कृषि कार्य कर रही थीं। इसी दौरान किसी जहरीले कीड़े ने उन्हें काट लिया। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य समझा, लेकिन थोड़ी ही देर में उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजनों को जानकारी मिलने पर उन्हें तत्काल सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत में अपेक्षित सुधार न होने पर बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि अनीता खेत में काम कर रही थीं, तभी जहरीले कीड़े के काटने से उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। चिकित्सकों के अनुसार महिला का उपचार जारी है। सरकारी सेवा में वकालत करने के आरोपों की होगी जांच, बीएसए ने गठित की दो सदस्यीय समिति

खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा अनुदेशक पर सेवा नियमों के उल्लंघन का आरोप, रिपोर्ट के बाद होगी विभागीय कार्रवाई

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। सरकारी सेवा के दौरान अधिवक्ता के रूप में सक्रिय रहकर वकालत करने के आरोपों में एक खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा अनुदेशक के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने दो सदस्यीय जांच समिति गठित कर मामले की बिंदुवार जांच के आदेश दिए हैं। मामला विकासखंड बिछिया स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय दुआ में तैनात खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा अनुदेशक अमित द्विवेदी से जुड़ा है। लखनऊ निवासी भूपेंद्र सिंह पुत्र नरेश ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को भेजी शिकायत में आरोप लगाया है कि अमित द्विवेदी उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हैं और सरकारी सेवा में रहते हुए उन्नाव की विभिन्न अदालतों में नियमित रूप से वकालत कर रहे हैं। सेवा नियमों के उल्लंघन का लगाया आरोप शिकायतकर्ता का कहना है कि सरकारी कर्मचारी रहते हुए किसी अन्य पेशे में सक्रिय रहना सेवा नियमों और बार काउंसिल के प्रावधानों के विपरीत है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस संबंध में पहले भी विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रार्थना पत्र में सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि सरकारी सेवा के दौरान किसी अन्य व्यवसाय या पेशे में संलग्न नहीं रहा जा सकता।

दो सदस्यीय समिति करेगी जांच

मामले को गंभीर मानते हुए महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देश पर बीएसए शैलेश कुमार पांडेय ने खंड शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) और खंड शिक्षा अधिकारी (हसनगंज) की दो सदस्यीय समिति गठित की है। समिति शिकायत में लगाए गए आरोपों की अभिलेखों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर बिंदुवार जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। रिपोर्ट के बाद होगा निर्णय बीएसए शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर कराई जा रही है। समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उसे उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो विभागीय नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच पूरी होने तक विभाग ने मामले पर कोई अंतिम टिप्पणी करने से इनकार किया है।

नहर किनारे मिला मजदूर का शव, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) नवाबगंज उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के कुसुम्भी गांव के पास रविवार शाम नहर किनारे एक मजदूर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

एक के जन्म की खुशी, दूसरे की मौत का गम
अस्पताल जा रहे दूसरे पुत्र की मौत, पिता गंभीर

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। बेहटा मुजावर क्षेत्र के एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द छोड़ गया। जिस घर में नवजात के जन्म की खुशी में किलकारियां गूंज रही थीं, उसी घर में कुछ ही देर बाद चार वर्षीय मासूम की मौत से मातम छा गया। पत्नी के प्रसव के बाद नवजात बेटे को देखने अस्पताल जा रहे पिता की बाइक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चार वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता और उनका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम तमोरिया बुजुर्ग निवासी निर्मल शुक्ला की पत्नी वंदना ने रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पुत्र को जन्म दिया। बेटे के जन्म की सूचना मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल बन गया। निर्मल अपने चार वर्षीय बेटे शाश्वत और चचेरे भाई राधेश्याम के साथ बाइक से पत्नी और नवजात को देखने अस्पताल के लिए रवाना हुए।

अभी वे नगर के संडीला मार्ग स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति के निकट पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही शाश्वत सड़क पर जा गिरा और पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गया। मासूम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में निर्मल और राधेश्याम गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो चुका था। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फरार चालक की तलाश की जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। सबसे मार्मिक पहलू यह है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मां वंदना को अब तक अपने चार वर्षीय बेटे शाश्वत की मौत की जानकारी नहीं दी गई है। परिजन नवजात के जन्म की खुशी और बड़े बेटे की असमय मौत के गम के बीच टूट चुके हैं। एक ओर घर में नवजीवन की किलकारी गूंज रही है, तो दूसरी ओर मासूम की असमय विदाई ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया।

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ निकली भव्य कलश यात्रा, आज से गूंजेगी शिव महापुराण कथा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। श्री शिव महापुराण कथा के शुभारंभ से पूर्व रविवार को बड़े हनुमान मंदिर से निकली विशाल मंगल कलश यात्रा ने पूरे शहर को शिवमय कर दिया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच सैकड़ों श्रद्धालु कलश लेकर गोकुल बाबा धाम पहुंचे। यात्रा में भक्ति, आस्था और सनातन संस्कृति की भव्य छटा देखने को मिली।

कथा अध्यक्ष संजय नीलम त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित कलश यात्रा का शुभारंभ बड़े हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुआ। यात्रा में लोकविख्यात शैवाचार्य प्रशांत प्रभु महाराज विशेष रथ पर विराजमान रहे। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। भगवान शिव के भजनों और जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। मुख्य यजमान श्रीमती वंदना सत्येंद्र सिंह एवं श्रीमती संतोष हरिप्रसाद साहू सहित कथा यजमानों ने कलश यात्रा में सहभागिता निभाई। गोकुल बाबा धाम पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना, वेदी पूजन और व्यास पूजन संपन्न हुआ। कथा के संपर्क प्रमुख डॉ. मनीष सिंह सेंगर ने श्रद्धालुओं को शिव महापुराण कथा एवं यज्ञ के महत्व की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सोमवार से प्रतिदिन शाम चार बजे से रात आठ बजे तक शिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। कलश यात्रा का आकर्षण बनारस से आए दस सदस्यीय डमरू दल का मनमोहक प्रस्तुतीकरण रहा। डमरू की गूंज और शिवभक्ति के गीतों पर श्रद्धालु पूरे मार्ग में उत्साह के साथ झूमते रहे।

यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानु मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह, विमल द्विवेदी, अजय त्रिवेदी, रामप्रकाश चैरसिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम में रंजना मिश्रा, अजय अवस्थी, मनीष सिंह चंदेल, आलोक सिंह चैहान, अनुराग सिंह, राकेश सिंह चंदेल, रमाकांत बाजपेई, सुशील चंद्र शुक्ला, प्रमोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

आईटीआई में दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ, विकसित भारत के निर्माण का लिया संकल्प

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के श्मेरा युवा भारत (माई भारत)श् के तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में श्नशा मुक्त युवा-विकसित भारतश् कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने की शपथ दिलाई गई और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प कराया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी श्नशा मुक्त युवा- विकसित भारत संकल्प अभियानश् का प्रसारण भी देखा गया। वक्ताओं ने बताया कि यह 100 सप्ताह का राष्ट्रीय अभियान है, जिसके तहत देशभर में 10 हजार स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवाओं को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया जा रहा है।

जिला युवा अधिकारी संजीव सिंह ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के श्नशा मुक्त भारतश् के संकल्प को साकार करने के लिए माई भारत के स्वयंसेवक गांव-गांव और विद्यालयों तक जागरूकता अभियान चलाएंगे। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने की भी अपील की।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की प्रभारी रचना त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इससे दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल और समाज सेवा जैसे सकारात्मक कार्यों में लगाएं, जिससे स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने भाग लेकर नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में जुटी भाजपा, कार्यकर्ताओं को 50 घरों तक पहुंचने का लक्ष्य

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी ने 10 से 15 अगस्त तक चलने वाले श्हर घर तिरंगाश् अभियान को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी की अध्यक्षता में अभियान टोली की बैठक हुई, जिसमें जिला एवं मंडल स्तर पर कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि अभियान के दौरान समाज के सभी वर्गों को जोड़ा जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, बलिदानियों और पूर्व सैनिकों के परिवारों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्यकर्ता को कम से कम 50 घरों तक पहुंचकर लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान के प्रचार-प्रसार में सोशल मीडिया का भी व्यापक उपयोग किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 5 अगस्त को जिला स्तरीय कार्यशाला तथा 6 अगस्त को सभी मंडलों में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें जिला पदाधिकारी शामिल होकर मंडल स्तर पर टोली गठन और जिम्मेदारियों का निर्धारण करेंगे। कार्यक्रम संयोजकों ने बताया कि 10 से 12 अगस्त तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में मंडलों और वार्डों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छता अभियान चलाकर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। 13 अगस्त को जिला मुख्यालय पर भव्य तिरंगा यात्रा निकलेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मौन जुलूस और संगोष्ठियों का आयोजन होगा। वहीं 13 से 15 अगस्त तक घर-घर, दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।बैठक में जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन, रजनीश वर्मा, मनीष जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुशवाहा, कार्यक्रम संयोजक नवीन सिंह, सह संयोजक जितेंद्र प्रताप सिंह पटेल सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नर सेवा नारायण सेवा समिति ने किया संगठन विस्तार

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। सामाजिक एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय नर सेवा नारायण सेवा समिति ने संगठन का विस्तार करते हुए नई जिम्मेदारियों की घोषणा की है। संस्था के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष विमल द्विवेदी ने राकेश राजपूत को उन्नाव का जिलाध्यक्ष तथा अजय त्रिवेदी को जिला प्रभारी नियुक्त किया। संगठन की बैठक में दोनों पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विमल द्विवेदी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज सेवा के कार्यों को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ जनहित के कार्यों को और गति देंगे। इस दौरान आगामी 13 अगस्त को प्रस्तावित ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। यात्रा को भव्य, अनुशासित और सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कराने का आह्वान किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना, राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश देना है।

इस अवसर पर ए.के. दीक्षित, धर्मेंद्र शुक्ला, सर्वेश शुक्ला, अंकुर त्रिपाठी, शिवम शुक्ला सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

नगर पालिका से चोरी की मोटरें बरामद, चार कबाड़ चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली पुलिस ने नगर पालिका परिसर से चोरी किए गए सामान की बिक्री की तैयारी कर रहे चार कबाड़ चोरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चार कटी हुई मोटरें, चार स्टार्टर, एक गियर बॉक्स समेत अन्य सामान बरामद किया है। पूछताछ में आरोपितों ने नगर पालिका परिसर से चोरी करने और चोरी का माल कानपुर के कबाड़ियों को बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने सभी आरोपितों को न्यायालय भेज दिया। कस्बा चैकी प्रभारी न्यूटन सिंह को शनिवार शाम सूचना मिली कि लखनऊ रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास याकूब अली सिद्दीकी के प्लॉट में चार युवक चोरी की मोटरों को बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चारों को घेराबंदी कर दबोच लिया।तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से चार बाडी कटी मोटरें, चार स्टार्टर, एक गियर बॉक्स तथा अन्य सामान बरामद किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुलजार उर्फ छोटू उर्फ तालिब निवासी तालिब सराय (उन्नाव), इश्तियाक उर्फ कल्लू निवासी जामिन सराय (सफीपुर), रफी अहमद निवासी जेर खिड़की (उन्नाव) तथा विक्की सोनी निवासी डाकतार कॉलोनी (शुक्लागंज) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे रात के समय विभिन्न स्थानों से मोटरें व अन्य सामान चोरी करते थे। चोरी के बाद विक्की सोनी के माध्यम से माल कानपुर के कबाड़ियों को बेच दिया जाता था। आरोपितों ने यह भी स्वीकार किया कि बरामद सामान नगर पालिका बांगरमऊ परिसर से चोरी किया गया था। कोतवाली पुलिस ने बरामदगी के आधार पर चारों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर रविवार को न्यायालय भेज दिया।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के आयोजन में शिक्षकों व साहित्यकारों का हुआ सम्मान, कवियों ने रचनाओं से बांधा समां

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, उन्नाव के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सिविल लाइंस स्थित गणेश मंडपम गेस्ट हाउस में आदर्श शिक्षक सम्मान समारोह एवं विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों एवं साहित्यकारों को सम्मानित किया गया, जबकि कवियों ने अपनी रचनाओं से गुरु महिमा, राष्ट्रभक्ति, प्रकृति, सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं को स्वर दिया।

मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। उन्होंने उन्नाव की समृद्ध साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए साहित्यकारों से समाज में सकारात्मक चेतना का संचार करने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष विजय त्रिपाठी ने कहा कि उन्नाव साहित्य की उर्वर भूमि है और यहां की साहित्यिक परंपरा पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत रही है। उन्होंने परिषद की नवगठित जिला कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए साहित्य के माध्यम से सामाजिक मूल्यों के संरक्षण पर बल दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ कवि एवं शिक्षक शिवबालक राम सरोज द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। जिला महामंत्री कमलेश कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह व्यक्ति के आचरण में दिखाई दे और साहित्य तभी सफल है, जब वह मानवता, संवेदना और नैतिक मूल्यों को मजबूत करे। प्रांतीय महामंत्री डॉ. बलजीत श्रीवास्तव ने भी साहित्य संवर्धन पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर स्मिता गुप्ता, डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, प्रवीण कुमार, अनिल वर्मा, डॉ. शशि रंजना अग्निहोत्री, शैलेन्द्र त्रिवेदी, शिवबालक राम सरोज, अनिरुद्ध सौरभ, डॉ. श्रीकेश पांडेय, आदित्य दीक्षित, डॉ. अमित अवस्थी एवं डॉ. प्रिंस विश्वकर्मा सहित कई शिक्षकों को आदर्श शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। वहीं उमाशंकर यादव, सरस आजाद, राहुल वर्मा और मोहित वर्मा सहित अनेक साहित्यकारों को साहित्य सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के बाद आयोजित विराट कवि सम्मेलन में प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। सरस आजाद ने सामाजिक सौहार्द, अनिल वर्मा ने पर्यावरण संरक्षण, डॉ. श्रीकेश पांडेय ने मानवीय संवेदनाओं, शैलेन्द्र त्रिवेदी ने जीवन मूल्यों, डॉ. शशि रंजना ने प्रेम और सृजन, उमाशंकर यादव श्निशंकश् ने राष्ट्रभक्ति तथा राहुल वर्मा ने समकालीन सामाजिक परिस्थितियों पर आधारित ओजपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं की खूब सराहना बटोरी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. विनय तिवारी ने की तथा संचालन अनिरुद्ध सौरभ ने किया। इस दौरान दिवाकर द्विवेदी, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. के.के. मिश्र, अखिलेश ओमर, धर्मेंद्र शर्मा, बबलू सेंगर, राजा बाबू अग्निहोत्री, डॉ. मनीष सेंगर, अजय श्रीवास्तव, ऊदल फौजी, आभा माथुर, संजीव कुमार निगम, अशोक गुप्ता, दीपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार, शिक्षाविद एवं साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

फिर आतंक

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं नई बात नहीं हैं। इनके उन्मूलन के लिए सेना एवं अन्य सुरक्षा बल लगातार सघन अभियान चलाते रहते हैं। परिणामस्वरूप कई दिनों तक शांति भी बनी रहती है। लेकिन इसी शांति के बीच फिर हत्या की वारदात फिर पुराने दिनों जैसे हालात पैदा कर देती है। इसका ताजा उदाहरण शनिवार को कुलगाम में हुई दुखद घटना है जिसमें आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर दो मजदूरों की हत्या कर दी। कुछ ही दिनों पहले अनंतनाग के लाल चौक क्षेत्र में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर आतंकवादियों ने फायरिंग कर दी जिसमें एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। इन घटनाओं से साफ है कि राज्य में आतंकवादियों की सक्रियता अभी भी बनी हुई है। उनको केवल मौके का इंतजार रहता है। ये सही है कि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा प्रबंध बेहद कड़े कर दिए गए थे जिनका असर यह रहा कि लंबे समय तक कोई वारदात होने का मौका नहीं आया। लेकिन अब यह भी साफ है कि इस अतंराल का इस्तेमाल आतंकियों ने नए सिरे से अपनी तैयारियां करने में किया। सुरक्षा इंतजामों में अपने लिए मौके तलाशे और मौका मिलते ही घटना को अंजाम दे दिया। इस मामले में अब यह बात उभर कर सामने आई है कि आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने और कई स्तरों पर सख्ती बरते जाने के बाद आतंकी अब घात लगाकर छोटे हमले करने लगे हैं। यह सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर राज्य में डर का माहौल बनाए रखने की कोशिश है। यह आतंकियों की नई रणनीति है। इसका सामना करने के लिए जरूरी है कि सुरक्षाबल नए तौर-तरीकों को अपनाएं। इसके लिए उन्हें राज्य में अपनी मौजूदगी को और विस्तार देना होगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी आतंकी हमले का मौके पर ही करारा जवाब दिया जाए। एक बात यह भी है कि आतंकी लंबा समय बीतने के बाद अपने पुराने हथकंडे अपनाते हैं। इनका विस्तृत अध्ययन कर इन्हें रोकने के लिए सख्त और सतर्क कदम उठाए जाने जरूरी हैं। इसके अलावा सीमापार स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफ न केवल देश के भीतर मोर्चाबंदी आवश्यक है बल्कि स्थानीय स्तर पर कुछ बहके लोगों, खासकर युवाओं को उनकी मदद करने के रास्ते से हटाकर सही राह पर लाने की जरूरत है। ये तथ्य कई बार साबित हो चुका है कि आतंकियों के आका पाकिस्तान का केवल एक ही मकसद कश्मीर को अशांत बनाए रखना है।

तकनीक का फायदा

ठगी, जालसाजी और फर्जीवाड़े के लिए तकनीक के इस्तेमाल की घटनाएं सामने जरूर आ रही हैं लेकिन इससे इसके फायदे कम नहीं हो जाते। भारत जैसे विशाल देश में व्यवस्था को सुचारु बनाने में इसका अपना महत्व है। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की रिपोर्ट से पता चला है कि उत्तर प्रदेश में करीब अड़तीस लाख अपात्र लोग गलत तरीके से राशन ले रहे हैं। इस गोलमाल की जानकारी विभागीय ऐप के जरिए आधार कार्ड लिंक की पड़ताल में सामने आई है। यह सफलता तकनीक की मदद से ही संभव हो पाई। नतीजा यह है कि अब प्रदेश सरकार ऐसे अपात्र राशन कार्डधारकों की छानबीन में जुटी है ताकि उनके राशन कार्ड निरस्त किए जा सकें। यह विभागीय ऐप राशन कार्डधारकों की एक क्लिक में पहचान कर ले रहा है। आधार के बैंक खाते या पैन कार्ड से लिंक होने के कारण विभिन्न सेवाओं के ऑनलाइन होने से ऐसे अपात्रों की पहचान आसान हो गई है। यही नहीं, छोटी-मोटी गलतियों को भी ऐप आसानी से पकड़ ले रहा है। तकनीक के इसी लाभ के कारण जब प्रदेश सरकार की ओर से केंद्र द्वारा चिन्हित सभी करीब सत्तावन हजार अपात्र राशन कार्डों का भौतिक सत्यापन कराया गया तो पोर्टल पर करीब अड़तीस लाख लाभार्थियों को अपात्र अंकित किया गया। इनमें करीब साढ़े पैंतीस लाख लाभार्थियों का डाटा ही निरस्त कर दिया गया। स्पष्ट है कि इतनी बड़ी संख्या में अपात्र लोग सरकार की कल्याण योजना का अनुचित ढंग से लाभ उठा रहे थे जबकि इससे अन्य जरूरतमंदों को फायदा मिल सकता था। ये योजना का खुला दुरुपयोग तथा शासन की नेक मंशा का गलत ढंग से फायदा उठाने का मामला था। यह खुलासा एक चेतावनी भरी घंटी की तरह है। कल्याण योजनाओं के संचालन से जुड़े अन्य विभागों को भी इससे सबक लेकर अपने कार्यक्रमों की एहतियातन जांच करानी चाहिए ताकि उनमें कोई गड़बड़ी-अनियमितता हो रही हो तो वह सामने आ सके और पात्र लोग ही लाभान्वित हों। तकनीक का प्रयोग होने से दूध का दूध पानी का पानी तो होगा ही, सरकार की छवि भी निखरेगी।

काँव-काँव

♦♦♦

सनातन के अपमान का आरोप राहुल, पप्पू और अवधेश पर वाराणसी में एफआईआर
चोरी का विरोध सनातन का सम्मान है!

तिरंगे के सहारे बूथ साधेगी भाजपा
लेकिन डंडों के सहारे यूथ नहीं सध पाएगा!

बेटियों ने दिखाया दुनिया को मुक्कों का दम
प्रधानमंत्री वीडियो संदेश से बेटियों को बधाई देने में देर नहीं करेंगे!

ट्रंप ने फिर बड़े हमले का आदेश दिया
भारत में नीला ड्रम और दुनिया में ट्रंप की दहशत कम नहीं हो रही!

गोवंश ने मासूम को जमीन पर पटका, लोगों ने बचाया
गोवंश को भी बचाना है और मासूम को भी!

जिंदा विधवा, मृत रिकार्ड... तहसील में तकरार
तकरार जिन्दा रहने का सुबूत है!

♦♦♦

बंद करो राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र

दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों नीट पेपर लीक मामले के ख़िलाफ़ 36 दिनों तक चला छात्र आंदोलन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हुआ। इस आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने से पहले ही सरकार

–तनवीर जाफ़री

ने आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्वीकार करते हुये यह साबित कर दिया कि यदि छात्र व युवा संगठित हों और उनकी मांगें भी जायज़ हों तो बहुमत वाली सरकार को भी झुकाया जा सकता है और 'हमारी सरकार में इस्तीफ़े नहीं होते' जैसे सत्ता के अहंकारी मिथक को तोड़ा जा सकता है। परन्तु इस आंदोलन के दौरान और आंदोलन समाप्त होने के बाद भी मीडिया से लेकर सत्ता समर्थक नेताओं व तथाकथित सेलेब्रिटीज़ द्वारा आंदोलनकारी युवाओं के प्रति अत्यंत अभद्र व आपत्तिजनक भाषाओं का इस्तेमाल किया जाता रहा। निश्चित रूप से लगभग नेतृत्वविहीन से समझे जाने वाले इस आंदोलन में कुछ छात्र छात्राएं ऐसे भी थे जिन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से कई ऐसी अभद्र बातें कीं जिन्हें शिक्षित छात्रों की भाषा क़तई नहीं कहा जा सकता। कुछ युवाओं द्वारा तो प्रधानमंत्री मोदी व उनकी दिवंगत माताजी के विरुद्ध आपत्तिजनक व अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। हालांकि नरेंद्र मोदी ने एक वीडिओ जारी कर उन्हें मुआफ़ भी कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'कभी-कभी ग़ल्ती से दांतों के बीच जीभ आ जाती है और खून निकल आता है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते क्योंकि दांत और जीभ दोनों हमारे अपने हैं।' परन्तु यह भी सच है कि गिनती के ऐसे युवाओं की गाली गलौज वाली भाषा के आधार पर पूरे आंदोलन,उसके विचारों व उसकी आत्मा का गला भी नहीं घोंटा जा सकता। उनके बहाने समस्त आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित नहीं किया जा सकता। परन्तु ऐसा ही किया जा रहा है।

भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रानावत जिन्होंने स्वयं अपने एक साक्षात्कार में अपने ही अतीत को लेकर कुछ ऐसे रहस्योद्घाटन किये थे जिन्हें सुनकर किसी भी व्यक्ति का सिर शर्म से झुक जाये,वही कंगना, छात्र आंदोलन में शामिल युवाओं के ख़िलाफ़ पहले तो अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर और बाद में संसद परिसर में मीडिया के सामने बेहद आपत्तिजनक बयान देती हैं? वे आंदोलनकारी छात्रों को 'गटर जनरेशन' और 'गटर छाप' 'गंदगी' और 'बदसूरत' कहकर संबोधित करती हैं। वे कहती हैं कि जंतर-मंतर आंदोलन के वायरल वीडियो को देखकर उन्हें 'उबकाई' आती है। वे इस पूरे प्रदर्शन को 'कचरा तथा भद्देपन का प्रदर्शन' बताती हैं। वे कहती हैं कि प्रदर्शन करने वाले युवाओं को नीट का फ़ुल फ़ॉर्म भी नहीं पता होगा। गोया कंगना युवाओं की वैध नाराज़गी को समझने के बजाय चंद बेहूदगी दिखाने वाले छात्रों को सम्बोधित करने के बजाये उन्हीं की आड़ में पूरे आंदोलन व आंदोलनकारी युवाओं का तिरस्कार कर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करती हैं।

आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित करने उन्हें धमकाने व नीचा दिखाने की ऐसी ही कोशिश टी. जी. मोहनदास नामक एक ऐसे व्यक्ति द्वारा की गयी जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ा केरल का एक प्रमुख दक्षिणपंथी राजनीतिक विश्लेषक, हिंदुत्व विचारक और भारतीय जनता पार्टी का राज्य बौद्धिक सेल का पूर्व प्रमुख है। इस व्यक्ति ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ अपने यूट्यूब चैनल 'पत्रिका' पर एक अत्यंत आपत्तिजनक,विवादित और हिंसक बयान दिया था। इस ने अपने वीडियो में प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाते हुए कहा कि ÷अगर मैं ज़िम्मेदार (अधिकार) में होता, तो जंतर-मंतर के चार वर्ग किलोमीटर के इलाक़े में कर्फ़्यू लगा देता। मैं लोगों से तीन बार वहां से हटने के लिए कहता और इसके बाद सीधे गोली चलवा देता। कुछ लोग भाग जाते, कुछ मर जाते, कुछ बच जाते और चार घंटे के भीतर स्थिति शांत हो जाती। इसी तरह उसने प्रदर्शन में शामिल छात्राओं व महिलाओं के ख़िलाफ़ भी बेहद शर्मनाक टिप्पणी करते हुए कहा कि ÷प्रदर्शनकारियों में ऐसी महिलाएं शामिल हैं जिन्हें बलात्कार पसंद है÷ उसने वामपंथी महिलाओं को निशाना बनाकर कई अभद्र बातें कहीं। उसने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस बल प्रयोग और उन्हें पीटने का भी समर्थन किया। देश भर में भारी राजनीतिक और सामाजिक आक्रोश देखने के बाद केरल की तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस ने उसके ख़िलाफ़ भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 (दंगा भड़काने का इरादा) और 353(1)(b) (सार्वजनिक शांति भंग करना), आईटी एक्ट और केरल पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। उधर विवाद बढ़ने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आधिकारिक तौर पर उसके बयानों से यह कहकर दूरी बना ली कि 'यह मोहनदास के 'निजी विचार' हैं और संगठन इनकी कड़ी निंदा करता है'। विवादों से बचने के लिये भले ही संघ ऐसे व्यक्ति से दूरी क्यों न बनाये को चीनी एजेंट बताने की कोशिश की गयी। यह वही जाना पहचाना पैटर्न था जोकि विवादित कृषि क़ानूनों के विरुद्ध हुये किसान आंदोलन के समय भी सत्ता पक्ष व उसके समर्थकों की ओर से देखा गया था। परन्तु जिस तरह किसान आंदोलन को ख़ालिस्तान समर्थक आंदोलन प्रचारित करने के बावजूद सरकार को किसानों के सामने घुटने टेकते हुये तीनों विवादित कृषि क़ानूनों वापस लेने पड़े थे ठीक उसी तरह युवाओं ने भी पिछले दिनों शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र लेने के बाद ही अपना आंदोलन समाप्त किया। गोया यहाँ भी सरकार को आंदोलन के सामने घुटने टेकने पड़े। सवाल उन सत्ता समर्थक मीडिया,नेताओं व चाटुकारों से है कि क्या स्वयं को मज़बूत बताने वाली सरकार ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा लेकर एक बार फिर पाकिस्तानी,चीनी व राष्ट्रविरोधी मंसूबों पर चलने वाले छात्र आंदोलन के सामने समर्पण कर दिया ? संघ विचारक जिन्हें गोली मारने व बलात्कार का पात्र मानते हों, सांसद कंगना रानौत जिन्हें गटर, बदबूदार, उबकाई भरा, बदसूरत और न जाने क्या क्या बताती हो, क्या सरकार ने ऐसे लोगों के सामने घुटने टेक दिये? और क्या यह सरकार किसान

परन्तु इसतरह के ज़हरीले विचार कहाँ से आये कहाँ पनपे और किन संस्कारों में फले फूले इस बात से संघ अपने को नहीं बचा सकता।

इसी तरह गोदी मीडिया के कई चैनल्स सत्ता के कई प्रवक्ता व सत्ता समर्थक लोगों द्वारा आंदोलन पर वामपंथी,पकिस्तान समर्थक,चीन द्वारा फ़ंडिंग प्राप्त यहाँ तक कि भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक तक आंदोलन के समय भी खालिस्तानी इरादों के सामने इसी तरह नतमस्तक हो गयी थी ? सत्ता से जुड़े लोगों,समर्थकों और सत्ता की चाटुकारिता को ही देशभक्ति समझने वालों को राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र बांटना बंद कर देना चाहिये अन्यथा जब जब सरकार आंदोलनकारियों के सामने नतमस्तक होगी तब तब यह सवाल भी पूछे जाते रहेंगे।

।। यथार्थ गीता ।।

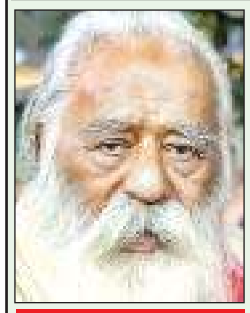

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ पञ्चदशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

यहाँ कहते हैं-मैं भी वेदवित् हूँ। उन वेदविदों में अपनी भी गणना करते हैं। अतः श्रीकृष्ण भी यहाँ वेदवित् पुरुषोत्तम हैं, जिसे पाने का अधिकार मानवमात्र को है।

अन्त में उन्होंने बताया कि लोक में दो प्रकार के पुरुष हैं। भूतादिकों के सम्पूर्ण शरीर क्षर हैं। मन की कूटस्थ अवस्था में यही पुरुष अक्षर है; किन्तु है द्वन्द्वात्मक और इससे भी परे जो परमात्मा, परमेश्वर, अव्यक्त और अविनाशी कहा जाता है, वह वस्तुतः अन्य ही है। यह क्षर और अक्षर से परेवाली अवस्था है, यही परमस्थिति है। इससे संगत करते हुए कहते हैं कि मैं भी क्षर-अक्षर से परे वही हूँ, इसलिये लोग मुझे पुरुषोत्तम कहते हैं। इस प्रकार उत्तम पुरुष को जो जानते हैं वे ज्ञानी भक्तजन सदैव, सब ओर से मुझे ही भजते हैं। उनकी जानकारी में अन्तर नहीं है। अर्जुन ! यह अत्यन्त गोपनीय रहस्य मैंने तेरे प्रति कहा। प्राप्तिवाले महापुरुष सबके सामने नहीं कहते; किन्तु अधिकारी से दुराव भी नहीं रखते। अगर दुराव करेंगे तो वह पायेगा कैसे? इस अध्याय में आत्मा की तीन स्थितियों का चित्रण क्षर, अक्षर और अति उत्तम पुरुष के रूप में स्पष्ट किया गया, जैसा इससे पहले किसी अन्य अध्याय में नहीं है। अतः- तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसम्वादे 'पुरुषोत्तमयोगो' नाम पञ्चदशोऽध्यायः ।।15।। इस प्रकार श्रीमद्भगवद् गीतारूपी उपनिषद् एवं ब्रह्मविद्या तथा योगशास्त्र विषयक श्रीकृष्ण और अर्जुन के सम्वाद में 'पुरुषोत्तम योग' नामक पन्द्रहवाँ अध्याय पूर्ण होता है। इति श्रीमत्परमहंसपरमानन्दस्य शिष्य स्वामीअड़गड़ानन्दकृते श्रीमद्भगवद्गीतायाः 'यथार्थ गीता' भाष्ये 'पुरुषोत्तमयोगो' नाम पञ्चदशोऽध्यायः ।।15।।

इस प्रकार श्रीमत् परमहंस परमानन्दजी के शिष्य स्वामी अड़गड़ानन्दकृत 'श्रीमद्भगवद्गीता' के भाष्य 'यथार्थ गीता' में 'पुरुषोत्तम योग' नामक पन्द्रहवाँ अध्याय पूर्ण होता है।

।। हरिः ॐ तत्सत् ।।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

धन्या द्विजमयी नौका विपरीता भवार्णवे।
तरन्त्यधोगताः सर्वे उपरिष्ठाः पतन्त्यधः।

इस संसार में ब्राह्मणरूपी नौका-अर्थात् ब्राह्मणों के सहारे अपने उद्धार की कामना करने वालों-की बड़ी विचित्र स्थिति है। इस संसार में नीचे गये हुए (ब्राह्मणों के सामने विनम्र)तो तर जाते हैं, परन्तु जो ऊपर बैठे रहते हैं (गर्वित रहते हैं), उनका कभी उद्धार नहीं होता।

♦♦♦

कोविड का लौटता साया : आपकी इम्युनिटी ही आपका असली बचाव

विभिन्न क्षेत्रों में कोविड-19 के मामले पुनः सामने आ रहे हैं। ऐसे समय में एक चिकित्सा विशेषज्ञ बता रही हैं कि हमारी रक्षा प्रणाली कैसे कार्य करती है, स्वास्थ्य से जुड़े भ्रमों का निवारण करती है, और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए प्रभावी

डॉ. के. सुधा राव

उपाय प्रस्तुत करती है। हैदराबाद, केरल और उत्तर प्रदेश में कोविड-19 के मामले दोबारा सामने आने का समाचार पढ़ते ही मेरा मन महामारी के उन विकट दिनों में लौट गया, और वे दृश्य किसी चलचित्र की भांति सामने घूमने लगे। उस समय जो एक शब्द मेरे भीतर गहराई से गूंजा, वह था, 'रोग प्रतिरोधक क्षमता' (इम्यूनिटी)। मैंने इस बात पर विचार किया कि व्यक्तिगत और सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता कैसे विकसित होती है, इस आशा के साथ कि वैसा संकट फिर कभी न आए। लगभग प्रत्येक व्यक्ति ने अपने किसी पारिवारिक सदस्य, मित्र या प्रियजन को खोया है, और वह पीड़ा आज भी बनी हुई है। आज भी अनेक लोग हृदय और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करने वाली कोविड-उत्तर (पोस्ट-कोविड) जटिलताओं से जूझ रहे हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता क्या है?

रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर की वह जन्मजात एवं अर्जित योग्यता है, जिसके द्वारा वह विषाणु (वायरस), जीवाणु (बैक्टीरिया) और अन्य बाह्य सूक्ष्मजीवों सहित हानिकारक रोगजनकों का विरोध करता है और स्वयं की रक्षा करता है। इसे मुख्य रूप से तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है - पहला, जन्मजात प्रतिरोधक क्षमता (इननेट इम्यूनिटी)- यह वह प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली है जिसके साथ हम जन्म लेते हैं। यह त्वचा, आंसू और पेट के अम्ल (एसिड) जैसे शारीरिक और रासायनिक अवरोधों के माध्यम से सुरक्षा की पहली पंक्ति के रूप में कार्य करती है। यह बाह्य आक्रमणकारियों को रोकने के लिए तुरंत कार्य करती है, यद्यपि इसका दायरा सामान्य होता है। दूसरा अर्जित / सक्रिय प्रतिरोधक क्षमता (एडॉप्टिव / एक्टिव इम्यूनिटी)- यह वह विशेष सुरक्षा प्रणाली है जिसे हमारा शरीर समय के साथ विकसित करता है। जब शरीर किसी रोगजनक या टीके के संपर्क में आता है, तो प्रतिरक्षा प्रणाली उन जीवों को लक्षित करने के लिए विशेष प्रतिरक्षी (एंटीबॉडी) का निर्माण करती है, जिससे भविष्य में संपर्क होने पर तीव्र और अधिक प्रभावी प्रतिक्रिया मिलती है। सक्रिय प्रतिरोधक क्षमता दीर्घकालिक और प्रायः जीवनभर रहने वाली होती है। तीसरा, निष्क्रिय प्रतिरोधक क्षमता (पैसिव इम्यूनिटी)- यह बाहरी स्रोत से प्राप्त अल्पकालिक सुरक्षा है। उदाहरण के लिए, नवजात शिशु को गर्भनाल और स्तनपान के माध्यम से माता से एंटीबॉडी प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त, तत्काल सुरक्षा के लिए एंटीबॉडी युक्त रक्त उत्पादों (जैसे इम्युनोग्लोबुलिन) के माध्यम से भी निष्क्रिय प्रतिरोधक क्षमता दी जा सकती है। यद्यपि यह तुरंत कार्य करती है, परंतु इसकी सुरक्षा केवल कुछ सप्ताहों से महीनों तक ही रहती है।

हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली अंगों, ऊतकों और विशेष कोशिकाओं के एक जटिल और परस्पर जुड़े नेटवर्क पर निर्भर करती है जो निरंतर मिलकर कार्य करते हैं-

लसीका ग्रंथियां और लसीका वाहिकाएं (लिम्फ नोड्स)- लसीका द्रव को छानती हैं और बाहरी आक्रमणकारियों को फंसाती हैं।

अस्थि मज्जा (बोन मैरो)- रक्त कोशिकाओं, विशेष रूप से श्वेत रक्त कोशिकाओं के उत्पादन का प्राथमिक स्थान।

थाइमस और प्लीहा (स्पलीन)- प्रतिरक्षा कोशिकाओं के परिपक्व होने और रक्त को छानने के लिए आवश्यक अंग।

टॉन्सिल, एडेनोइड्स, पेयर्ज़ पैच और अपेंडिक्स- शरीर में प्रवेश के मार्गों की रक्षा करने वाले मुख्य श्लेष्मा (म्यूकोसल) प्रहरी।

श्वेत रक्त कोशिकाएं (डब्ल्यू.बी.सी.) -पहली पंक्ति के कोशिकीय सैनिक जो रोगजनकों की पहचान करते हैं और उन्हें नष्ट करते हैं। इन अंगों का स्वास्थ्य बनाए रखना प्रतिरोधक क्षमता के स्तर को ऊंचा रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन अंगों को प्रभावित करने वाली कोई भी अंतर्निहित बीमारी या पुरानी स्थिति शरीर की रक्षा क्षमता को सीधे तौर पर कमजोर करती है।

प्रतिरक्षा प्रणाली की खराबी के 16 चेतावनी संकेत

प्रतिरक्षा प्रणाली के असंतुलन के शुरुआती संकेतों पहचानकर समय पर चिकित्सीय परामर्श और उपचार लिया जा सकता है-

1. एलर्जी संबंधी स्थितियां- दमा (अस्थमा), एक्जिमा, या त्वचा की बार-बार होने वाली अत्यधिक संवेदनशीलता। 2.ऑटोइम्यून विकार- संधिवात (रूमेटाइड अर्थराइटिस), टाइप 1 मधुमेह, सीलिएक रोग, मल्टीपल स्केलेरोसिस, या सोरायसिस। 3. रेनाउड रोग / ठंडे हाथ-पैर- सीमित परिधीय रक्त प्रवाह के कारण हाथों या पैरों का अत्यधिक ठंडा होना। 4. निरंतर पाचन संबंधी समस्याएं- दीर्घकालिक अतिसार (दस्त), कब्ज, या आंत के सूक्ष्मजीवों का असंतुलन। 5. शुष्क आंखें और पुरानी थकान- शुष्क श्लेष्मा झिल्ली के साथ अकारण अत्यधिक थकान। 6. बार-बार हल्का बुखार होना- बार-बार हल्का बुखार या अकारण सिरदर्द होना। 7. त्वचा पर चकत्ते और धूप के प्रति संवेदनशीलता- त्वचा पर अकारण दाने या धूप के प्रति असामान्य संवेदनशीलता। 8. जोड़ों में लगातार दर्द -बिना किसी चोट के मांसपेशियों में दर्द और जोड़ों में सूजन। 9. त्वचा का रंग उड़ना / बालों का झड़ना- एलोपेसिया (चकत्ते में बाल झड़ना) या विटिलिगो (त्वचा पर सफेद दाग)। 10. बार-बार संक्रमण होना- बार-बार सर्दी-जुकाम होना, साइनस का संक्रमण, या घावों का धीरे-धीरे भरना। 11. तंत्रिका संवेदनाएं- हाथों और पैरों में लगातार झुनझुनी या सुन्नता महसूस होना। 12. निगलने में कठिनाई (डिस्फेजिया)- भोजन या तरल पदार्थ निगलते समय दर्द या कठिनाई होना। 13. वजन में अकारण बदलाव- आहार में बदलाव किए बिना तेजी से वजन घटना या बढ़ना। 14. पीलिया (जॉन्डिस)- यकृत (लिवर) या लाल रक्त कोशिकाओं की समस्याओं के कारण आंखों या त्वचा का पीला पड़ना। 15. उच्च सूजन दर (इन्फ्लेमेशन)- रक्त जांच में उच्च सूजन संकेतक (सी.आर.पी./ ई.एस.आर.)। 16. अंगों की कार्यक्षमता में कमी-लसीका, प्लीहा या श्लेष्मा ऊतकों की कार्यप्रणाली का कमजोर पढ़ना।

रोग प्रतिरोधक क्षमता से जुड़े 6 सामान्य भ्रम- प्रतिरोधक क्षमता के विषय में भ्रामक जानकारी गलत स्वास्थ्य विकल्पों और सुरक्षा के झूठे अहसास की ओर ले जा सकती है। चिकित्सा दृष्टिकोण से मुख्य भ्रमों की सत्यता इस प्रकार है- भ्रम 1- पूरक आहार (सप्लीमेंट्स) लेने से तुरंत रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

सत्य- पोषक पूरक आहार पोषण की कमी को पूरा करते हैं, परंतु वे कोई जादुई गोली नहीं हैं। ताजे फल, सब्जियों और साबुत अनाज से युक्त संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद कहीं अधिक प्रभावी हैं।

प्रेरक प्रसंग

मातृ-भक्ति

भारतीय जन-समुदाय चाणक्य के नाम को भलीभांति जानते हैं। वह बड़े कठोर राजनीतिज्ञ थे। लोकनीति के आचार्य थे। उनकी मां की इच्छा थी कि वह संसार के बहुत बड़े आदमी बनें और इसके लिए वह उन्हें नसीहत देती रहती थी।

एक दिन चाणक्य के घर कोई ज्योतिषी आय। चाणक्य कहीं बाहर गये थे। मां ने ज्योतिषी को अपने पुत्र की जन्मपत्री दिखाई और उनके भविष्य के बारे में पूछा। ज्योतिषी ने जन्मपत्री देखकर कहा, मां, तेरे पुत्र के ग्रह बड़े ही प्रबल हैं। आजतक ऐसी जन्मपत्री मेरे देखने में नहीं आई। तेरा बेटा एक दिन चक्रवर्ती सम्राट बनेगा। यदि मेरी बात का विश्वास न हो तो देख लेना, उसके सामने के दांत पर नागराज का निशान है।

ज्योतिषी की यह भविष्यवाणी सुनकर मां अवाक रह गई। वह अपने बेटे को बेहद प्यार करती थी और हर घड़ी अपने पास रखना चाहती थी, चक्रवर्ती सम्राट होने पर तो वह उससे बिछुड़ जायगा! राजकाज में इतना लीन हो जायगा कि उसे मेरा ध्यान ही नहीं रहेगा! अपनी बात कहकर ज्योतिषी तो चला गया, पर मां सोच में पड़ गई। हाय, आगे क्या होगा ?

थोड़ी देर में चाणक्य लौटे तो मां को उदास पाया। बोले, मां क्या बात है ?

मां ने उन्हें सारी बात बता दी और अंत में अवरुद्ध कण्ठ से कहा, मैं जानती हूं, तू चकवर्ती सम्राट बनकर मुझे भूल जायगा। बेटा, मेरे लिए तेरे पास समय ही कहां रहेगा ?

चाणक्य विचलित हो गये। बोले, मां, ऐसा नहीं होगा। पर तुम कैसे कहती हो कि मैं चक्रवर्ती सम्राट बनूंगा। मां ने कहा, देख, तेरे सामने के दांत पर नाग का चिन्ह है।

चाणक्य ने आइने में देखा तो मां की बात सही थी। इसके बाद उन्होंने जो किया, उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। एकान्त में जाकर पत्थर से उस दांत को निकाल दिया। फिर मां के सामने उसे रखते हुए बोले, यह ले मां, तेरे सामने मेरे लिए चक्रवर्ती सम्राट के पद का कोई मूल्य नहीं है।

आपका पत्र मिला

लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला

अवसरहीनता से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसी', 'विकसित भारत', या 'विश्व गुरु' जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। एक मंत्री को इस्तीफा देने पर मजबूर करने की कॉकरोच आंदोलन की सफलता से जनमत के एक हिस्से में 'लोकतंत्र के जिंदा होने' का बना अहसास यही बताता है कि हालिया वर्षों में 'लोकतंत्र की स्थिति' लेकर इस दायरे में कितनी मायूसी छायी रही है। यह भावना जवाबदेही तय करने वाली संस्थाओं के पंगु होने और लोकतांत्रिक अधिकारों के सिकुड़ते जाने की धारणा से पैदा हुई है। कॉकरोच आंदोलन दरअसल, इन सबसे ही गहराती हताशा एवं बढ़ते आक्रोश की सामूहिक अभिव्यक्ति का जरिया बना। इस दौरान दिखी खासकर युवा वर्ग की उत्साही भागीदारी एवं जोश भरी प्रतिक्रियाओं ने कुछ ठोस संकेत दिए। मसलन, यह कि हवाई कथानकों के जरिए जमीनी नाकामियों को छिपाने में सत्ता पक्ष को मिली कामयाबियों का दौर अब ठहर चुका है। अवसरहीनता और अंधकारमय भविष्य से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसी', 'विकसित भारत', या 'विश्व गुरु' जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह नरेंद्र मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। इस अर्थ में कहा जा सकता है कि नैरेटिव कंट्रोल की मोदी की क्षमता पहली बार चूकती नज़र आई। मध्य एवं उच्च मध्यम वर्ग से आए पढ़े-लिखे एवं नई संचार तकनीक के इस्तेमाल में माहिर नौजवानों ने जो किताबों में पढ़ा और सरकारी प्रचार-तंत्र से सुना, उसका परीक्षण वे हकीकत के बरक्स कर रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला है। लेकिन हमें सचेत रहना चाहिए कि अक्सर स्वतःस्फूर्त, असंगठित, एवं नेतृत्व-विहीन आंदोलन ऐसा अवसर पैदा करने के बाद बिखराव का शिकार हो जाते हैं।

एक नागरिक
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

कैसे हुई नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की स्थापना?

सनातन धर्म में सावन के महीने को बेहद खास माना जाता है। इस पूरे महीने में विधिपूर्वक से शिव परिवार की पूजा-अर्चना की जाती है और महादेव का अभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सावन में जलाभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से मनचाही मुराद पूरी होती है। इसके अलावा शिव मंदिरों को बेहद सुंदर तरीके से सजाया जाता है। साथ ही भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि देश में भगवान शिव को समर्पित एक ऐसा भी मंदिर है, जहां महादेव के दर्शन करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। आइए, इस मंदिर के बारे में जानते हैं-

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की कथा - पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में दारूका नाम की एक राक्षस कन्या थी। उसने तपस्या के द्वारा माता पार्वती को प्रसन्न वरदान प्राप्त किया था।

दारुका ने कहा कि मैं वन नहीं जा सकती हूं। वहां पर कई तरह की दैवीय औषधियां हैं। सत्कर्म के लिए हम राक्षसों को उस वन में जाने की अनुमति दें। माता पार्वती ने यह वरदान दे दिया। इसके बाद दारूका ने वन में बहुत उत्पात मचाया और वन को देवी-देवताओं से छीन लिया। साथ ही सुप्रिया को बंदी बना लिया। वह शिवभक्त थीं।

ऐसी स्थिति में सुप्रिया ने भगवान शिव की तपस्या शुरू की और प्रभु से खुद के बचाव के लिए वरदान मांगा। महादेव उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर प्रकट हुए और उनके साथ ही चार दरवाजों का एक बेहद सुंदर

मंदिर प्रकट हुआ। मंदिर के बीच में ज्योतिर्लिंग प्रकाशित हुआ। सुप्रिया ने सच्चे मन से महादेव की पूजा-अर्चना की और शिव जी वरदान में राक्षसों का नाश मांग लिया। इसके अलावा महादेव से इसी जगह पर स्थित होने के लिए कहा। शिव जी ने इस बात को स्वीकार कर उसी स्थल पर विराजमान हो गए। इसी तरह यह ज्योतिर्लिंग स्वरूप भगवान शिव 'नागेश्वर' कहलाए।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग क्यों प्रसिद्ध है - गुजरात के द्वारका धाम से 17 किलोमीटर बाहरी क्षेत्र की ओर यह मंदिर स्थित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नागेश्वर मंदिर में भगवान शिव और माता पार्वती नाग-नागिन के रूप में प्रकट हुए थे। इसलिए इसे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग कौन से नंबर पर आता है? देशभर में शिव जी के बारह ज्योतिर्लिंग हैं। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का दसवां स्थान है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग क्यों प्रसिद्ध है - गुजरात के द्वारका धाम से 17 किलोमीटर बाहरी क्षेत्र की ओर यह मंदिर स्थित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नागेश्वर मंदिर में भगवान शिव और माता पार्वती नाग-नागिन के रूप में प्रकट हुए थे। इसलिए इसे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर दर्शन टाइम -नागेश्वर मंदिर से सुबह 06 बजकर 30 मिनट से लेकर दोपहर में 12 बजकर 30 मिनट तक खुला रहता है। वहीं, शाम को 05 बजे से लेकर रात 09 बजकर 30 मिनट तक खुला रहता है। भक्त इस दौरान नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग कैसे पहुंचे

अगर आप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग जाना चाहते हैं, तो मंदिर के सबसे पास द्वारका रेलवे स्टेशन है। यहां से मंदिर 18 किलोमीटर दूर है। इसके अलावा सड़क के बस या टैक्सी के दवारा भी जा सकते हैं।

पत्नी-पति के साथ न करें ऐसा बर्ताव प्यार और रिश्ता दोनों खो सकती हैं आप

पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास, प्रेम और सम्मान पर टिका होता है। लेकिन कभी-कभी अनजाने में की गई गलतियां रिश्ते में दूरियां पैदा कर सकती हैं। अगर पत्नी कुछ खास बातों का ध्यान नहीं रखती हैं, तो इससे न केवल पति का प्यार कम हो सकता है, बल्कि रिश्ता भी कमजोर पड़ सकता है। एक अच्छा रिश्ता तभी टिकता है जब दोनों एक-दूसरे को समझें और सम्मान दें। छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधार लिया जाए, तो रिश्ते को मजबूत बनाया जा सकता है।

पति का अपमान करना

किसी भी रिश्ते में सम्मान बहुत जरूरी होता है। अगर पत्नी बार-बार पति का अपमान करती है, उसकी बातों को नजरअंदाज करती है या उसे दूसरों के सामने नीचा दिखाती है, तो इससे पति को बुरा लग सकता है और वह धीरे-धीरे दूरी बनाने लग सकता है।

दूसरों से तुलना करना

अगर पत्नी अपने पति की दूसरों से तुलना करने लगती है, तो यह उसके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा सकता है। हर इंसान अलग होता है और उसकी अपनी खूबियां होती हैं। तुलना करने से रिश्ते में कड़वाहट आ सकती है और पति को लग सकता है कि वह अपनी पत्नी की नजरों में कमतर है।

हर बात पर लड़ाई झगड़ा करना

रिश्ते में कभी-कभी नोकझोंक होना आम बात है, लेकिन अगर छोटी-छोटी बातों पर बार-बार झगड़ा होता है, तो इससे पति को घर में सुकून महसूस नहीं होगा। लगातार झगड़े से प्यार कम होने लगता है और रिश्ते में दरार आ सकती है।

पति की भावनाओं की अनदेखी

कई बार पत्नियां अपनी बातों और जरूरतों पर ज्यादा ध्यान देती हैं, लेकिन पति की भावनाओं और जरूरतों को नजरअंदाज कर देती हैं। अगर पत्नी अपने पति की परेशानियों को नहीं समझेगी और उसकी बातों को अहमियत नहीं देगी, तो इससे पति को अकेलापन महसूस हो सकता है।

ससुराल वालों की आलोचना

पति अपने माता-पिता और परिवार से भावनात्मक रूप से जुड़ा होता है। अगर पत्नी बार-बार उसके परिवार की बेजा आलोचना करती है या उन्हें अपमानित करती है, तो इससे पति को दुख पहुंच सकता है। इससे न केवल रिश्ते में तनाव बढ़ेगा, बल्कि पति को यह भी लग सकता है कि उसकी पत्नी उसकी भावनाओं की कद्र नहीं करती।

क्या बारिश के मौसम में लगानी चाहिए सनस्क्रीन?

सनस्क्रीन लगाना गर्मियों की स्किन केयर रूटीन का सबसे खास हिस्सा होता है। क्योंकि सनस्क्रीन ही वह चीज है, जो आपकी स्किन को तेज धूप और यूवी-रेडिएशन के डैमेज से सुरक्षित रखने का काम करती है। गर्मियों में बिना सनस्क्रीन लगाए घर से बाहर निकलने से मना किया जाता है। लेकिन, बरसात के मौसम में जब लोग बार-बार बारिश में भीग जाते हैं ऐसे में स्किन पर मेकअप और अन्य स्किन केयर प्रॉडक्ट्स का टिक पाना मुश्किल हो पाता है। गर्मी के मौसम में सनस्क्रीन लगाना कितना जरूरी है ये तो हम जानते ही हैं, लेकिन सर्दी और बरसात के सीजन में सनस्क्रीन की अहमियत को लेकर थोड़े कंफ्यूज हो जाते हैं। ये कम लोगों को ही पता है कि जितना गर्मियों में सनस्क्रीन जरूरी है, बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लगाना उतना ही आपकी स्किन को प्रोटेक्ट करने का काम करता हैं। आइए जानते हैं, **क्या बारिश के मौसम में लगानी चाहिए सनस्क्रीन?**

स्किन एक्सपर्ट्स के मुताबिक

स्किन एक्सपर्ट्स के मुताबिक यूवी किरणें मौसम की परवाह किए बिना हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मानसून के मौसम में भी, यूवी किरणें बादलों से गुजर सकती हैं और नुकसान पहुंचा सकती हैं। त्वचा विशेषज्ञ बताते हैं कि सूरज की किरणें, जिनमें हानिकारक यूवी और इंफ्रारेड रेज़ होती हैं, समय से पहले बुढ़ापा, टैनिंग, झाइयां, लेंटिगिन्स और सनबर्न जैसी स्किन से जुड़ी की कई समस्याओं का कारण बन सकती हैं। बादल हमें यूवी किरणों से नहीं रोक पाते, यही वजह है कि मानसून के मौसम में भी अपनी स्किन को प्रोटेक्ट करने के लिए सनस्क्रीन लगाना जरूरी है।

बारिश के मौसम में ऐसे करें सनस्क्रीन का इस्तेमाल

बाहर जाते समय अपने बैग में सनस्क्रीन जरूर कैरी करें। हर 3 घंटे बाद फिर से सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। बरसात के मौसम में हाई एसपीएफ सनस्क्रीन की जरूरत नहीं होती। बरसात के मौसम में जेल बेस्ड सनस्क्रीन चूज़ करें। जेल बेस्ड सनस्क्रीन बारिश के मौसम में होने वाली चिपचिपाहट से आपको बचाती है।

सबसे ज्यादा बाघ किस देश में हैं, भारत में कहां-कहां हैं टाइगर रिजर्व

बाघों की संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके संरक्षण के प्रयासों को मजबूत करना है। बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है, साथ ही जंगलों के पारिस्थितिक संतुलन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि जंगलों में बाघ सुरक्षित हैं, तो इसका अर्थ है कि वहां का पूरा इकोसिस्टम स्वस्थ और संतुलित है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में सफलता हासिल की है। सरकार की प्रोजेक्ट टाइगर जैसी पहल, आधुनिक मॉनिटरिंग तकनीक, एंटी-पोचिंग अभियान और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के कारण देश में बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। यही वजह है कि आज दुनिया के अधिकांश जंगली बाघ भारत में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों के टाइगर रिजर्व न केवल संरक्षण के केंद्र हैं, बल्कि वन्यजीव पर्यटन के लिए भी बेहद लोकप्रिय हैं। अगर आप जानना चाहते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा बाघ किस देश में हैं, भारत में कितने टाइगर रिजर्व हैं, किन राज्यों में बाघों की संख्या सबसे अधिक है और कौन-कौन से टाइगर रिजर्व पर्यटकों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा बाघ किस देश में हैं- आज दुनिया में सबसे ज्यादा जंगली बाघ भारत में पाए जाते हैं। भारत में वैश्विक जंगली बाघों की आबादी का लगभग 75त्न हिस्सा है। भारत के बाद रूस, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों में भी बाघ पाए जाते हैं, लेकिन उनकी संख्या भारत की तुलना में काफी कम है। भारत में बाघ संरक्षण के लिए 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर शुरू किया गया था। इसके बाद संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, वैज्ञानिक निगरानी और अवैध शिकार पर सख्ती से बाघों की संख्या में लगातार सुधार देखने को मिला।

भारत में कितने टाइगर रिजर्व हैं?

भारत में वर्तमान में 58 टाइगर रिजर्व हैं, जो देश के विभिन्न राज्यों में फैले हुए हैं। ये रिजर्व बाघों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा, प्रजनन और संरक्षण के लिए बनाए गए हैं। इनका प्रबंधन राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (हृञ्जष्ट) और संबंधित राज्य सरकारें मिलकर करती हैं।

भारत के प्रमुख टाइगर रिजर्व

भारत के कुछ सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय टाइगर रिजर्व हैं, **जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व, उत्तराखंड-** भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व, राजस्थान - बाघों की आसान साइटिंग के लिए प्रसिद्ध।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, मध्य प्रदेश - उच्च टाइगर डेंसिटी के लिए जाना जाता है।

कान्हा टाइगर रिजर्व, मध्य प्रदेश - समृद्ध जैव विविधता और सफारी के लिए लोकप्रिय।

पेंच टाइगर रिजर्व, मध्य प्रदेश/महाराष्ट्र - द जंगल बुक से जुड़ा क्षेत्र।

ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र, - वन्यजीव फोटोग्राफी का पसंदीदा स्थान।

नागरहोल टाइगर रिजर्व, कर्नाटक - दक्षिण भारत के प्रमुख टाइगर आवासों में से एक।

बांदीपुर टाइगर रिजर्व, कर्नाटक - नीलगिरि बायोस्फीयर का महत्वपूर्ण हिस्सा।

काजीरंगा टाइगर रिजर्व, असम - एक सींग वाले गैंडे के साथ बाघों के लिए भी प्रसिद्ध।

सुंदरबन टाइगर रिजर्व, पश्चिम बंगाल - दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन और रॉयल बंगाल टाइगर का घर।

किस राज्य में सबसे ज्यादा बाघ हैं?

हाल के राष्ट्रीय बाघ आकलन के अनुसार मध्य प्रदेश में सबसे अधिक बाघ दर्ज किए गए हैं।

इसके बाद कर्नाटक, उत्तराखंड और महाराष्ट्र जैसे राज्य भी बाघों की बड़ी आबादी वाले राज्यों में शामिल हैं। इन राज्यों में फैले संरक्षित जंगल और टाइगर रिजर्व संरक्षण की सफलता का उदाहरण माने जाते हैं।

पर्यटक कब करें टाइगर रिजर्व की यात्रा?

अधिकांश टाइगर रिजर्व अक्टूबर से जून के बीच पर्यटकों के लिए खुले रहते हैं। मार्च से मई के दौरान पानी के स्रोतों के पास बाघ दिखने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक रहती है। यात्रा से पहले संबंधित टाइगर रिजर्व की आधिकारिक वेबसाइट पर सफारी की उपलब्धता और नियमों की जानकारी जरूर जांच लें।

हरे रंग की साड़ी पहनते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

हर साल श्रावण के महीने का इंतजार लोग सच्चे मन और श्रद्धा से करते हैं। इस माह का आरंभ होते ही भगवान शिव की भक्ति में हर कोई जुट जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्रावण माह में अगर सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा की जाए तो हर मनोकामना पूरी होती है। इसी के चलते महिलाएं भगवान शिव की पूजा-अर्चना करती हैं। ऐसी मान्यता है कि हरा रंग भगवान शिव को अति प्रिय है, इसी वजह से महिलाएं हरे रंग की साड़ी पहनकर सावन में पूजा करती हैं। अगर आप भी सावन में हरे रंग की साड़ी पहनना चाहती हैं तो कुछ बातों का ख्याल अवश्य रखें। कुछ सिंपल सी बातों का ध्यान रखकर आप अपने सादगी भरे साड़ी लुक से लोगों का भी दिल जीत सकती हैं।

ज्वेलरी देगी खूबसूरत लुक

हरा रंग अपने में ही आपको खूबसूरत लुक दे सकता है। ऐसे में इसके साथ आपको ज्यादा हैवी ज्वेलरी कैरी करने की जरूरत नहीं है। आप हल्के ईयररिंग्स और गले में हल्का सा चोकर पहनकर भी अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। अपने साड़ी लुक को पूरा करने के लिए उंगलियों में अंगूठी जरूर पहनें।

ब्लाउज हो खास- हरे रंग की साड़ी का ब्लाउज बनवाते वक्त बस इस बात का ख्याल रखें कि आपको इसे पूजा में पहनना है। इसलिए आपका ये साड़ी लुक सादगी भरा होना चाहिए। ग्लैमरस लुक कैरी करके पार्टी में तो जाना अच्छा लगता है, लेकिन पूजा में ये आपको ही असहज कर सकता है। ऐसे में खूबसूरत सा ब्लाउज अपने लिए तैयार करें, ताकि आपका लुक प्यारा दिखे।

हेयर स्टाइल और मेकअप का रखें ध्यान- बारिश का मौसम है, ऐसे में खुले बाल आपको परेशान कर सकते हैं। इसलिए चाहें तो ऐसा जूड़ा बनाकर आप बालों में गजरा लगा सकती हैं। ये गजरा लुक आपको खूबसूरत दिखाएगा। इसके साथ ही मेकअप करते वक्त भी मौसम का खास ध्यान रखें। पसीने से कहीं आपका मेकअप खराब न हो जाए। ऐसे में हल्का मेकअप ही करें।

हरी चूड़ियां हैं जरूरी

जिस तरह से हरे रंग की साड़ी पहनना सावन में शुभ होता है, ठीक उसी तरह से अपने लुक को खूबसूरत सी हरे रंग की चूड़ियों और कड़े से पूरा करें। ये ही आपके लुक को पूरा करेगा। हरी चूड़ियां अगर कांच की होंगी, तो ज्यादा बेहतर रहेगा।

चेहरे पर बेसन लगाने से होता है कई नुकसान

बेसन को कई अन्य चीजों के साथ मिक्स करके चेहरे या स्किन लगाने से स्किन निखरती है, पर क्या आप जानते हैं कि बेसन लगाने से आपके चेहरे को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बेसन के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी पहले त्वचा पर पैच टेस्ट करने के बाद ही बेसन का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आप त्वचा पर होने वाली परेशानियों से बच सकते हैं। **ड्राई स्किन वाले रखें ध्यान :** सर्वे में ऐसा देखा गया है कि बेसन के इस्तेमाल से चेहरा स्किन को रूखा और बेजान बना सकता है। ऐसे में अगर आपकी स्किन पहले से ही ड्राई है तो बेसन के इस्तेमाल से दूर करें। इसके ज्यादा इस्तेमाल से त्वचा की नमी भी खत्म होती है। ऐसे में रोजाना इसके इस्तेमाल से दूर रहें। **एलर्जी का रखें ध्यान :** अगर आपकी त्वचा पर किसी तरह की एलर्जी है तो कोशिश करें कि पहले पैच टेस्ट कर लें। अगर आपको इससे कोई परेशानी नहीं हो रही है, तो आप इसका आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं। **हो सकते हैं मुंहासे :** अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो बेसन के इस्तेमाल के आपके चेहरे पर मुंहासे हो सकते हैं। ऐसे में इसके इस्तेमाल से पहले अपनी त्वचा का टाइप जरूर पता करें। **छिल सकती है त्वचा :** अगर आप रोजाना बेसन का इस्तेमाल करेंगे तो हो सकता है कि आपकी त्वचा छिल जाए। इसलिए बेसन का ज्यादा इस्तेमाल करने से दूर रहें। **त्वचा में आ सकती है सूजन :** अगर आप पहले से ही मुंहासों की समस्या से जूझ रही हैं तो बेसन से दूर रहें। इसके इस्तेमाल से हो सकता है कि त्वचा में सूजन आ जाए।

पीएच लेवल को करता है असंतुलित : बेसन में एसिड की मात्रा काफी ज्यादा पाई जाती है। ऐसे में इसके ज्यादा इस्तेमाल से आपके चेहरे पर जलन की परेशानी सामने आ सकती है।

कामकाज का तरीका बना रहा लोगों को अकेला

जिंदगी की भागदौड़ से वक्त निकालकर सभी दोस्तों ने हामी भर दी सिवाय एक को छोड़कर। कारण पूछने पर उसने बताया कि काम का इतना ज्यादा प्रेशर है कि टाइम मैनेज कर पाना मुश्किल है और दूसरा नाइट शिफ्ट भी है। दोनों वजहें वाजिब थीं, लेकिन फिर भी हमने लगभग हर कोशिश की, उसे प्लान में शामिल करने की, लेकिन मामला सेट नहीं हो पाया। वहीं एक दूसरी दोस्त को हमने तीज सेलिब्रेशन के लिए सोसाइटी में इन्वाइट किया, तो उसने भी बिना एक मिनट देरी किए साफ ना कह दिया ऑफिस के वर्कलोड के बारे में बताकर। दोनों दोस्तों के ना आने की ये वजहें बहाना नहीं, बल्कि सच्चाई है। जिससे आजकल ज्यादातर वर्किंग प्रोफेशनल्स जूझ रहे हैं। कामकाज का ऐसा तरीका प्रोफेशनल लाइफ में भले ही उन्हें तरक्की दिला दे, लेकिन पर्सनल लाइफ में ऐसे लोग अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं।

कामकाज का तरीका बना रहा लोगों को अकेला

कभी न पूरे होने वाले टारगेट्स और बेवक्त की शिफ्ट्स ने वर्किंग प्रोफेशनल्स के पर्सनल लाइफ की बैंड बजा रखी है। टारगेट्स पूरा करने के चक्कर में अपनी शिफ्ट से कई-कई घंटे ऑफिस में रूकना पड़ता है और अगर कहीं नाइट शिफ्ट है, तो दिन का समय नींद पूरी करने में निकल जाता है। न समय से खाना-पीना हो पाता है, न ही किसी तरह की एक्टिविटी और सोशल लाइफ तो लगभग खत्म ही हो जाती है। इस वजह से लोगों में अकेलापन बढ़ रहा है। अकेलेपन के फायदे व नुकसान दिन में कुछ देर का अकेलापन जरूरी होता है, जिसे मी टाइम भी कहा जाता है। जो बॉडी और माइंड रिचार्ज करने का काम करता है, लेकिन लगातार बने रहने वाला अकेलापन व्यक्ति को तनाव और डिप्रेशन की ओर धकेलने लगता है। पर्सनल लाइफ तो वैसे ही खत्म हो चुकी होती है, धीरे-धीरे प्रोफेशनल लाइफ पर भी इसका असर पड़ने लगता है। प्रोडक्टिविटी गिरने लगती है। काम में बोरियत का एहसास होने लगता है और जब अपना 100त्न देने के बाद भी प्रमोशन नहीं मिलता, तो झुंझलाहट भी बढ़ने लगती है।

कैसे दूर करें अकेलेपन की समस्या?

अपनी क्षमता जितना ही काम करें। ऑफिस में खुद को साबित करने के चक्कर में हर काम के लिए हां न कहें।शिफ्ट पूरी करने के बाद खुद को वक्त दें। अपनी पसंदीदा चीजों के लिए वक्त निकालें। दोस्तों से मिलना नहीं हो पा रहा, तो फोन या वीडियो कॉल पर बात करें। वीकेंड वाले दिन घर पर सोकर या टीवी देखकर बिताने के बजाय सोशल गैदरिंग करें। इन सारी एक्टिविटीज से अकेलेपन से निपटना आसान हो जाता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ
सोमवार, 3 अगस्त 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य दक्षिण अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते वर्षा ऋतौ श्रावण मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, पंचमी तिथौ सोम वासरे 22/55/ उत्तर भाद्रपद नक्षत्रे 22/01/ सुकर्मा योग 21/14/ कौलव करणे 11/09/ मीन राशिगत चन्द्रमा घं. मि. पर।

व्रत एवं त्यौहार- पंचक। नागपंचमी व्रत। (मरुस्थल व बंगाल में)। श्रावण सोमवार व्रत।

मेष : उत्तरदायित्व कुछ खर्चीले साबित होंगे। विशेष प्रयत्नों से ही लाभ होगा। संतान के कारण परिवार में अशांति रहेगी और किसी से शत्रुता हो सकती है। किसी की सूचना से हर्ष होगा।

वृष : भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक कष्ट की पूर्ति के लिए लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी हैं। अचानक लाभ संभव है। व्यापार व्यवसाय के परिवर्तन से लाभ होगा।

मिथुन : आलस्य तथा प्रमाद से दूर रहें। दूसरों को आरोपित करना उचित नहीं होगा। निवास व्यवस्था का परिवर्तन संभावित है। यौन सुख में कमी होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई बड़ा टारगेट मिलेगा। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई करने के तरीके को चेंज करेंगे जिससे उनको बेहतर परिणाम मिलेंगे।

सिंह : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी बढ़िया कंपनी से जॉब का बड़ा ऑफर आयेगा। आपके गृहस्थ जीवन में खुशियां भरी रहेंगी।

कन्या : संबंधित अधिकारी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में किसी धार्मिक उत्सव के कारण प्रसन्नता रहेगी। नेत्र पीड़ा से पीड़ित होंगे।

तुला :आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। कार्यों को पूरा करने में आ रही अड़चनें आज समाप्त होंगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी।

वृश्चिक : राजकीय सम्मान लेने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहें। राज्य अधिकारी वर्ग से हानि होगी। यात्रा का योग है।

धनु : किसी सूचना से प्रसन्नता व भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक व्यय की पूर्ति के लिए स्हा लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी होंगे।

मकर : बुद्धि और धन का दुरुपयोग नहीं करें। आलस और लक्ष्य निर्धारण में त्रुटि के कारण नवीन योजनाओं में स्वल्प लाभ ही मिल सकता है।

कुंभ : कुछ संक्षिप्त यात्राएं भी होंगी। प्रातःकाल से ही शुभ समाचार मिलेंगे और विशिष्ट जन की प्रतीक्षा भी खत्म होगी। नए काम के प्रसंग बनेंगे।

मीन : ज्ञान विज्ञान की वृद्धि होगी तथा कुछ बौद्धिक चिंतन पैदा होंगे। परिश्रम से ही महान कार्य सिद्ध होंगे। किसी से बहस या तकरार ना करें।

इलाज के लिए पैसे मांगने पर विवाहिता से मारपीट कर निकाला घर से

स्वतंत्र भारत ब्यूरोकोंच(जालौन)। तहसील क्षेत्र के ग्राम परैथा निवासिनी रोशनी पत्नी अनिल ने अपने पति ससुर और बड़ी बहन पर मारपीट उत्पीड़न तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए दिन रविवार को उपजिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

जाटव महासभा की प्रांतीय सदस्य की माताजी का निधन, शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

उरई : शोक सभा में मौजूद महासभा के पदाधिकारी ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कोच,(जालौन)। जाटव समाज विकास महासभा उत्तर प्रदेश की प्रांतीय सदस्य एवं कोच कस्बे की वरिष्ठ समाज सेविका रेखा जाटव की पूज्य माताजी का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इस दुखद घटना पर शोक सभा का आयोजन सिंह वाहिनी श्मशान घाट, कोच में किया गया। जिसमें महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामशरण जाटव की गरिमामय उपस्थिति रही।शोक सभा के दौरान महासभा अध्यक्ष ने एक प्रस्ताव पारित कर तथागत से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को धैर्य धारण करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर सभी उपस्थित बंधुओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत माताजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसनेही जाटव, माता प्रसाद अनुरागी, मुन्नालाल सालोनिया कोच, राजेश जाटव मीडिया प्रभारी, उदयवीर जाटव, जुगल किशोर जुगराजपुर, पूर्व प्रधान परशुराम बारिया, अरविंद जाटव स्वास्थ्य विभाग, संजय कुमार जाटव, पर्वत सिंह जाटव, प्रमोद कुमार पुत्र, प्रदीप कुमार पुत्र सहित परिवार के सभी सदस्य एवं जाटव महासभा के सम्मानित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नशे से दूरी ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है-सीडीओ

-नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

उरई : नशा मुक्ति को लेकर शपथ दिलाते सीडीओ ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो उरई(जालौन)। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान मेंनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का आयोजन किया गया। विकास भवन उरई स्थित लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद के नौ विकास खण्डों से आए मंगल दल, पीआरडी जवानों एवं युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रधानमंत्री जी के संदेश के उपरांत युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर नशे के विरुद्ध जनजागरूकता रैली भी निकाली गई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि युवा यदि नशे से दूर रहेंगे तो स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य तेजी से साकार होगा। उन्होंने युवाओं से समाज में नशा मुक्ति का संदेश घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने कहा कि स्वस्थ, जागरूक और अनुशासित युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है तथा नशे से दूरी ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। जिला विकास अधिकारी निशान्त पाण्डेय, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी एवं जिला क्रीड़ाधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने भी युवाओं से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपयुक्त, श्रम एवं रोजगार-जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी रामेन्द्र सिंह कुशवाह ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रतिनिधियों एवं युवा मंगल दल के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने की अपील की।

प्राचीन बाबा भैरवनाथ मंदिर से सोने की आंख चोरी, श्रद्धालुओं में रोष

बाबा भैरवनाथ की प्रतिमा से सोने की आंख चोरी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो रामपुरा (जालौन)। बीहड़ क्षेत्र में स्थित प्राचीन एवं आस्था के प्रमुख केंद्र बाबा भैरवनाथ मंदिर में चोरी की घटना से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। अज्ञात चोरों ने मंदिर में स्थापित बाबा भैरवनाथ की प्रतिमा से सोने की आंखें चोरी कर लीं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच गए और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्राचीन धार्मिक स्थलों पर लगातार हो रही घटनाएं चिंता का विषय हैं। अभी दो दिन पूर्व ही ग्राम टीहर में एक सिद्ध प्रतिमा को अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से लोगों में असुरक्षा और आक्रोश का माहौल है।श्रद्धालुओं का कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए तथा मंदिरों में चोरी और मूर्ति क्षति जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले अराजक तत्वों की शीघ्र पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए, ताकि लोगों की धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

नारी शक्ति मिशनके तहत स्कूली बच्चों को किया जागरूक,

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, उरई(जालौन)। नगर के कोंच रोड स्थित काशीराम कॉलोनी कंपोजिट विद्यालय में आज नारी शक्ति मिशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस, शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू सिंह और उपनिरीक्षक सुधा पाल ने स्कूली बच्चों, अभिभावकों एवं समाजसेवियों को नारी शक्ति मिशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस विभाग की किरण दुवे ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 फेज-2 नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित अभियान है। जिसके तहत महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा व सम्मान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।इस अवसर पर इंस्पेक्टर पप्पू सिंह, उपनिरीक्षक सुधा पाल, किरण दुवे, पुलिस कांस्टेबल रचना यादव, पुलिस कांस्टेबल तनु शर्मा, ग्रीन गैंग अध्यक्ष सुमन गोस्वामी, प्रधानाध्यापक अमित विश्नोई तथा शिक्षक देवेंद्र दुवे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नारी सशक्तिकरण एवं सुरक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया।

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर पालिका टीम द्वारा चलाया विशेष सफाई अभियान

उरई : सफाई अभियान चलाते पालिका कर्मी ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कोंच (जालौन)। नगर में दिन शनिवार की देर रात नगर पालिका परिषद द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया अभियान की शुरुआत नगर पालिका परिसर से हुई जो रामगंज सराफा बाजार होते हुए घंटाघर तक संचालित किया गया इस दौरान मुख्य मार्गों नालियों और सार्वजनिक स्थानों की व्यापक सफाई कराई गई ताकि नगरवासियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।
सफाई अभियान का उद्देश्य नगर में बढ़ रहे संचारी रोगों की रोकथाम के साथ-साथ सावन माह में मंदिरों और बाजारों में बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना रहा पालिका कर्मचारियों ने सड़क किनारे जमा कूड़ा-कचरा हटाया और नालियों की भी सफाई की इस दौरान सफाई नायक
सुनील विक्की ने बताया कि अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से सफाई कराई जा रही है जिससे लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।वहीं ईओ मोनिका उमराव ने बताया कि बरसात के मौसम में संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है साथ ही सावन के पवित्र माह में मंदिरों और बाजारों में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है उन्होंने नगरवासियों से भी अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें और कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें।अभियान के दौरान पालिका कर्मचारी सनी शंकर, शिवा अभय मीनू जितेंद्र सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस ने दस जुआरियों को पकड़ा

जालौन। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पमां के पास पमा पुल के नजदीक शनिवार की देर शाम कुछ जुआरी जुए का फड़ सजाए हुए थे। जहां मोमबत्ती की रोशनी में रुपये लगाकर हार जीत का खेल खेला जा रहा था। इसी जानकारी छिरिया मलकपुरा चैकी प्रभारी आलोक पाल को हुई तो वह टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरीराजा निवासी पल्लू खान व जान मोहम्मद, लौना निवासी रामजी, रेंढ़र थाना क्षेत्र के ग्राम सुलखना निवासी ब्रजेंद्र सिंह, क्योलारी निवासी संतोष कुमार, मंगल सिंह, जयशंकर व इरफान खान, कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तीतरा निवासी हर्ष सिंह व देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मालफंड़ पर 8280 रुपये व जामा तालाशी में 300 रुपये आरोपियों के पास से बरामद किए। इसके अलावा मौके से दो ताश की गड्डी, तीन मोमबत्ती, माचिस आदि भी बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए सभी जुआरियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पांच केंद्रों पर लगे मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में 133 मरीजों का उपचार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कालपी (जालौन)।रविवार को क्षेत्र के पांच स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में कुल 133 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें उपचार एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने बदलते मौसम और गर्मी के बीच लोगों को सतर्क रहने तथा स्वास्थ्य संबंधी लक्षण नजर आने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। नगर के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा में आयोजित मेले में चिकित्साधिकारी डा. अमित पोरवाल के नेतृत्व में 46 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 31 पुरुष और 15 महिलाएं शामिल रहीं। इस दौरान छह लोगों की मधुमेह जांच की गई, जबकि बुखार और त्वचा रोग से संबंधित पांच-पांच मरीजों की जांच कर उपचार दिया गया।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा में डा. शेख शहरयार की देखरेख में 22 मरीजों का इलाज किया गया। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बावई में 26, चुरखी में 28 तथा नियामतपुर में 19 मरीजों का परीक्षण कर दवाएं वितरित की गईं।आरोग्य मेलों में मरीजों को निशुल्क दवाओं के साथ परिवार कल्याण कार्यक्रम की जानकारी भी दी गई। चिकित्सा अधीक्षक डा. दिनेश गुप्ता ने बताया कि गर्मी और मौसम में हो रहे बदलाव के कारण लोग पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं, संतुलित आहार लें तथा अस्वस्थ महसूस होने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जांच अवश्य कराएं।

रोमांच की पराकाष्ठा, अंडर-14 क्रिकेट मुकाबला बराबरी पर छूटा

0छह विकेट लेकर कार्तिक गुप्ता बने प्लेयर ऑफ द मैच

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कालपी (जालौन)। वेदव्यास इंद्र क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में रविवार को एमएसवी इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित अंडर-14 जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिता का मुकाबला रोमांच की चरम सीमा तक पहुंच गया। वेदव्यास स्पीड ब्रेकर और वेदव्यास बाउंड्री बैरियर के बीच खेला गया मैच निर्धारित 25-25 ओवर के बाद बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों ने 141-141 रन बनाए, जिससे विजेता का फैसला नहीं हो सका।
प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी परवेज कुरैशी एडवोकेट ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने की है। मुकाबले में बाउंड्री बैरियर की ओर से दिव्यास यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि स्पीड ब्रेकर की ओर से निकेत ने 27 रन बनाकर टीम को संभाला। गेंदबाजी में कार्तिक गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह विकेट चटकाए और टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।इस अवसर पर बसपा नेता उजैफ दीवान, राजेश गौतम, अकादमी के नवीन तिवारी, कोच कमल सैनी, खेल प्रेमी, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

लापता बच्ची को एट बस स्टैंड से पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को किया सुपुर्द

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कोंच(जालौन)। कोतवाली क्षेत्र से लापता हुई 9 वर्षीय मासूम बच्ची को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर दिन रविवार सुबह 8 बजे परिजनों के सुपुर्द कर दिया बच्ची दिन शुक्रवार देर शाम सिंहवाहिनी मंदिर क्षेत्र स्थित अपने घर से बिना किसी को बताए निकल गई थी जिसके बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला इसके बाद कोतवाली में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गयी और मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल बच्ची की तलाश शुरू की पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों बस स्टैंड और अन्य संभावित स्थानों पर खोजबीन की इसी दौरान एट बस स्टैंड से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया पूछताछ में बच्ची ने बताया कि एक भीख मांगने वाला बाबा उसे अपने साथ ले गया था हालांकि पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची किन परिस्थितियों में उसके साथ गई थी। बच्ची के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की वहीं अपर पुलिस अधीक्षक डा. ईशान सोनी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया था जिसके परिणामस्वरूप बच्ची को सुरक्षित बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया वहीं बच्ची के पिता ख्यालीराम ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय रहते उनकी बेटी को सुरक्षित वापस लाकर पुलिस ने परिवार को बड़ी राहत दी है।

कांग्रेस की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न, संगठन मजबूत करने पर जोर

उरई : मासिक बैठक करते कांग्रेसी ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो उरई(जालौन)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के आवाहन पर जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आज रविवार को शहीद भवन कांग्रेस कार्यालय, रामनगर उरई में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। संचालन शहर अध्यक्ष राजकुमार वर्मा ने किया।
कांग्रेस कमेटी की नियमित मासिक बैठक के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह सेंगर ने सभी ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपना-अपना बूथ मजबूत करना प्रथम प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही ब्लॉक स्तर पर प्रदेश के नेताओं की समीक्षा बैठकें होंगी, अतः सभी कार्यकर्ता अभी से पूरी तैयारी में जुट जाएं और अपने-अपने ब्लॉक में बैठक की तिथि की जानकारी आज ही लेकर जाएं। बैठक में डा. रेहान सिद्दीकी, राजीव नारायण मिश्रा, डा. सरिता वर्मा, पूर्व अध्यक्ष कोच कमल दोहरे, शशि चैहान, रामकिशोर पुरोहित, ललिया लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी, बृजभूषण सिंह, नजीर अहमद सिद्दीकी, एडवोकेट रामजी दीक्षित, हाजी मोहम्मद आला, अजय बर, चंद्रशेखर वर्मा, मनोज कुमार दीक्षित, पुरुषोत्तम त्रिपाठी, जनार्दन रिंकू वर्मा, ओम नारायण शर्मा, देशराज वर्मा, प्रकाश यज्ञिक, कासिम मंसूरी, दीपक परिहार, सुधीर द्विवेदी, अग्रवाल रामकिशोर, कमल दोहरी, हिरदेश वर्मा, राजेश प्रजापति, संतोष सिंह चैहान, राघवेंद्र सिंह, नफीस पठान, मेराज खान, बाबू खान मंसूरी, अनिल पटेरिया, भगवान दीन निषाद, निसार अहमद, हरि शरण वर्मा, देवेंद्र सिंह तोमर, एडवोकेट अनिल पटेरिया, कोच भगवान दिन निषाद, नगर अध्यक्ष रामपुर मंजूलता, एडवोकेट डॉ. हेमंत रिछारिया, आदित्य कुमार मिश्रा, प्रवीण यादव, अवधेश, ताहिर, अभिलाष, सुभाष सिंह, रानी राजवंशी, शकुंतला तिवारी, महिला जिला अध्यक्ष नमो नारायण तिवारी, फूल सिंह राठौर, विष्णु राठौर, भगवत शरण शांडिल्य, रामकुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सभी वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आपसी समन्वय पर बल दिया तथा विश्वास जताया कि सही रणनीति व मेहनत से पार्टी की विजय सुनिश्चित है। बैठक का संचालन शहर अध्यक्ष राजकुमार वर्मा ने किया।

युवा पीढ़ी नशा से मुक्त रहकर एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य के प्रति सजग व सचेत रहे-डॉ प्रतिमा सिंह

तालबेहट। नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन राजकीय महाविद्यालय में संयोजक हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ प्रतिमा सिंह के नेतृत्व में छात्र छात्राओं ने स्मार्ट क्लास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल प्रेरणीय उद्बोधन को लाईव प्रसारण लिंक के माध्यम से सुना। तत्पश्चात उपस्थित छात्रों ने आयोजित नशा मुक्ति विषय पर भाषण प्रतियोगिता में भाग लेकर क्रमशः संजय रजक, वंश प्रजापति ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान अभिराज अहिरवार एवं सुमित रजक ने सयुंक्त रूप से प्राप्त किया। प्राचार्य गजेन्द्र नाथ ने वर्चुअल जुड़कर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए युवाओं को हर तरह के मादक द्रव्यों से दूर रहने का आह्वाहन किया। इस अवसर पर मंजुल पुरोहित, सोनू, जमुना इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा व सभी ने नशा से दूर रहने की ऑनलाइन शपथ ली।

धीरज कुमार बने बेसिक हैल्थ एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष

ललितपुर। उत्तर प्रदेश बेसिक हैल्थ वर्कर एसोसियेशन का अधिवेशन मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष धनंजय तिवारी एवं कोषाध्यक्ष जयनारायन सेन, जिला जालौन के जिलाध्यक्ष सूर्यांश एवं रवि वर्मा उपस्थित रहे। सर्वप्रथम हरीश तिवारी एवं ममता तिवारी द्वारा मेहमानों का स्वागत किया गया व निर्वतमान अध्यक्ष सीताराम निरंजन द्वारा संघ के कार्यों पर प्रकाश डाला गया। प्रांतीय अध्यक्ष धनंजय तिवारी द्वारा संघ के अथक प्रयासों से सभी को 2800 ग्रेड पे मिलने की बधाई दी गई एवं स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के प्रमोशन के लिये संघर्षपूर्ण लड़ाई लड़ने का वादा किया गया व धीरज कुमार द्वारा पद नाम परिवर्तन ई.एच.आर.एम.एस पोर्टल संबंधी परेशानी, प्रतिकर अवकाश संबंधित समस्याओं से अवगत कराया गया। तत्पश्चात प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशन में चुनाव सम्पन्न हुये, जिसमें जिलाध्यक्ष धीरज कुमार, मण्डल अध्यक्ष सीताराम निरंजन, जिला मंत्री प्रियम श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष ध्रुप कुमार गुप्ता, ऑडीटर शिवम दुबे निर्विरोध निर्वाचित हुये व हरीश तिवारी द्वारा सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अधिवेशन में डी.डी.सेन, ध्रुप कुमार गुप्ता, पियम श्रीवास्तव, सुरेश कुमार साहू, ममता तिवारी, आरती, क्रान्ति, ज्यौति, सुनीता सहित बेसिक हैल्थ वर्कर पुरुष एवं महिलायें उपस्थित रहीं व अंत में धीरज कुमार द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

6 एवं 7 अगस्त को 'भारतीय ज्ञान परंपरा में महर्षि वेदव्यास का योगदान' विषय पर होगा देश के विद्वानों का समागम

ललितपुर। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश शास्त्री की अध्यक्षता में प्रशासनिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में युवा पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराने हेतु 'भारतीय ज्ञान परंपरा में महर्षि वेदव्यास का योगदान' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कराने का निर्णय लिया गया। बैठक की जानकारी प्रदान करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश शास्त्री ने अवगत कराया कि वर्तमान में युवा पीढ़ी भारतीय ज्ञान परम्परा को विस्मृत करती जा रही है, ऐसे समय में युवा पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परम्परा एवं उसमें निहित आचार-विचार, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन नेहरू महाविद्यालय के संस्कृत सभागार में किया जायेगा व उन्होंने बताया कि 6 अगस्त को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति प्रोफेसर शिव शंकर मिश्र के राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ करेंगे, इसमें 'भारतीय ज्ञान परंपरा में महर्षि वेदव्यास का योगदान' विषय पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वान आचार्य प्रतिभाग करते हुए अपने विचार एवं शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे व 7 अगस्त को अखिल भारतीय साहित्य परिषद, उत्तर प्रदेश के महामंत्री डॉ. महेश पाण्डेय 'बजरंग' समापन समारोह में मुख्य वक्ता होंगे एवं देश के विभिन्न प्रदेशों के विद्वान प्रतिभाग कर उक्त विषय पर विचार रखेंगे। बैठक में प्रोफेसर. आशा साहू, अनिल सूर्यवंशी, हिमांश धर द्विवेदी, जितेन्द्र कुमार, डॉ. हरीश चंद्र दीक्षित, डॉ. सुधाकर उपाध्याय, डॉ. दीपक पाठक, डॉ. सूबेदार यादव, डॉ. अरिमर्दन सिंह, डॉ. रामकुमार रिछारिया, डॉ. शैलेन्द्र सिंह चैहान, डॉ. अनूप दीक्षित, डॉ. प्रीति सिरौठिया, डॉ. अमित सोनी, फहीम बख्श, विवेक पाराशर, अंकित चैबे आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन हिमांश धर द्विवेदी ने किया तथा अंत में डॉ. सुधाकर उपाध्याय ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

सत्तपाल मालिक ने हमेशा किसानो की आवाज बुलंद की : नीलांशू

-भाजपा सरकार पर राष्ट्रीय सचिव ने साधा निशाना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव नीलाशू चतुर्वेदी पूर्व विधायक मुख्य अतिथि व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित की अध्यक्षता में स्टेशन रोड कार्यालय में कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ महत्पूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव नीलाशू चतुर्वेदी पूर्व विधायक कांग्रेसजनों को अपने संबोधन में कहा कि पूर्व राज्यपाल व किसान नेता सत्तपाल मालिक जिन्होंने सदैव जीवन पर्यंत किसानो की आवाज बुलंद की जिनकी प्रथम पुण्यतिथि उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत में राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा मनाए जाने का निर्णय लिया गया जनपद से अधिक से अधिक कांग्रेसजन पहुँचकर किसान नेता को श्रद्धासुमन अर्पित करें आगे उन्होंने प्रदेश व देश में काबिज भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि छात्रों की आवाज को पैलेट गन व लाठियों के बलबूते दबाया गया हिन्दू आस्था पर करोड़ों की दान चोरी कर भाजपा ने प्रत्येक जिले में अपने कार्यालय निर्माण कार्य कराया गया महिला उत्पीड़न मुस्लिम पिछड़ी जातियों का शोषण चरम पर है संगठन सृजन के तहत पूरे प्रदेश में बूथ स्तर पर हमारा संगठन 2027 विधानसभा चुनाव के लिए तैयार है प्रदेश के भाजपा सरकार से आजिज जनमानस 2027 में कांग्रेस की सरकार बनाने जा रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने सभी कॉग्रेस पदाधिकारियों से आह्वान किया कि किसान नेता सत्तपाल मलिक की पुण्यतिथि 5 अगस्त को जनपद बागपत में मनाई जाएगी अधिक से अधिक संख्या में किसानों के साथ पहुंचे व महोबा जिलाध्यक्ष संतोष धुरिया जी ने भी कहा कि महोबा से भी काफी संख्या में कांग्रेस जन बागपत जायेंगे।इस अवसर पर प्रमुख रूप से शहर अध्यक्ष अफ़साना शाहएएआईसीसी प्रद्युम्न दुबे जी रमेश चन्द कोरी पीसीसी पवन देवी कोरी गजेन्द्र पटेल युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदित्य सिंहए कार्यालय प्रभारी शिवबली सिंहएसेवादल अध्यक्ष कैलाश बाजपेई जिला उपाध्यक्षध्संगठन प्रभारी संकटा प्रसाद त्रिपाठीएबल्देव प्रसाद वर्माए मोहम्मद इदरीसए संजय द्विवेदी दनादन जीए सूरज बाजपेई जिला महासचिवध्मीडिया प्रभारी सत्य प्रकाश द्विवेदीए अमित तिवारीए शोयब रिजवीएसचिव कालीचरण साहू बाबूराम यादवए रामकुमार सिंहए हेमंत वर्माए बी लाल भाईए के पी सेनए अशोक वर्धनए जिला प्रवक्ता राजेश पप्पूए धीरू पांडेयए आरिफ निजामीएराजबहादुर गुप्ताए रमेश साहूए अंबिका खेंगरएसत्यम वर्माए शिवांशएकुलदीपए शब्बीर सौदागरए छेदी लालएइस्लामए गांधी सहित तमाम कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिव गांव में आरोग्य मेले का आयोजन

बबेरुध्बांदा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिव गांव में आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें 29 मरीजों को देखा गया सबसे ज्यादा बुखार जुखाम पेट दर्द के मरीज पाए गए । प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिव गांव में आरोग्य मेले का आयोजन हर रविवार को किया जाता है जिसमें डाक्टर डा सुनील कुमार के द्वारा मरीजों को देखकर उपचार किया जाता है जिसमें मेले में 29 मरीजों का पंजीयन किए गए जिसमें सबसे ज्यादा बुखार मरीज आए और बुखार जुखाम खांसी पेट दर्द सहित अन्य मरीज देखे गए। इस दौरान एनएम अंजना गौतम फर्मासिष्ट सीताराम वार्ड मुकेश सहित कर्मचारी मौजूद रहे। अधीक्षक डा ऋषिकेश ने बताया रयान पखरौली अहार मझीवा ए सिमौनी भभुवा सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो मे आरोग्य मेला का आयोजन किया गया जिसमे 240 मरीज देखे गये।

बड़े भाई की पिटाई से आहत प्रेमी युगल ने खाया सल्फास, दोनों की मौत

. शादी दूसरी जगह करने से भी नाराज थी युवती

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कमासिन, बांदा। कमासिन थाना क्षेत्र के ग्राम जगऊ टोला निवासी एक युवक का प्रेम प्रसंग चित्रकूट जनपद के पहाड़ी थाना अंतर्गत ग्राम बरेठी के अंश रघुवंशीपुर की 20 वर्षीया युवती से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था । युवती के स्वजनों को ऐसी भनक लगने पर युवती की शादी किसी दूसरी जगह तय कर दी थी जिससे दोनों परेशान हो उठे थे। शुक्रवार को जब युवती के पिताए मां और बड़ा भाई पहाड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कुचारम रिश्तेदारी में निमंत्रण में चले गए थे और घर में युवती अकेले थी जिसने फोन के जरिए अपने प्रेमी को गांव बुला लिया प्रेमी बाइक लेकर वहां पहुंच गया और अपनी प्रेमिका को बैठा कर पहले पहाड़ी फिर चित्रकूट चले गए शनिवार को सुबह युवक अपनी प्रेमिका को लेकर अपने गांव जग ऊटोला शादी कराने के इरादे से ले आना लेकिन युवक का बड़ा भाई दोनों को देखते ही भला बुरा कहने लगा युवक ने अपने भाई से बताया कि मैं इसी के साथ शादी करूंगा फिर से बड़ा भाई आग बबूला हो गया और दोनों की पिटाई कर दी तथा घर से बाहर कर दिया इससे आहत होकर युवक बाइक से प्रेमिका को साथ लेकरकमासिन आया किसी दुकान से सल्फास की डिब्बी खरीदा और वापस गांव के समीप स्थित धार्मिक स्थल सिंह वाहिनी देवी मंदिर पहुंच गए तथा देवी के सामने दोनों ने साथ.साथ रहने की कसम खाई और शाम को किसी समय दोनों ने सल्फास खा लिया रात करीब 10 बजे दोनों को अचेतावस्था में प्रत्यक्ष दर्शियों ने देखा तो 112 पीवीआर को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को स्थानीय सीएचसी ले आए जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

वहीं युवती दो भाइयों और एक बहन से सबसे छोटी थी बड़ा भाई पूनामें रहता है सूचना पर गांव आ रहा है बड़े भाई ने पूछने पर बताया है कि युवक जब मेरी छोटी बहन को लेकर गांव जग ऊटोलापहुंचा था सब बड़े भाई ने दोनों के साथ मारपीट किया था तथा घर से निकाल दिया था इसी से क्षुब्द होकर दोनों ने आत्मघाती कदम उठाया है आज रविवार को रात तक घर पहुंच जाऊंगा तथा कल सोमवार को कमासिन थाने में मुकदमा दर्ज कराऊंगा।

खबर एक नज़र

कांवरियों कर जत्था बाबा बैजनाथ धाम रवाना

बबेरुध्बांदा। सावन के पवित्र महीने पर कस्बे के कावड़ कांवरिया का जत्था रवाना घर के लोगो ने तिलक कर के बाबा बैजनाथ धाम के लिए विदाई की गई विगत वर्षो की तरह इस वर्ष भी कस्बे के कावड़ियों का जत्था बनाकर कस्बे पर माँ मढी दाई मे दर्शन कर रवाना हुआ। श्रीकृष्ण गुप्ता ने तिलक लगाकर विदाई कीइस दौरान अशोक संत प्रकाश अतुल अतीश लोग उपस्थित रहे।

जिन बच्चों को स्कूल जाना चाहिए वह बच्चे कूड़ा करकट में अपना भविष्य खोजते हैं

स्वतंत्र भारत संवाददाता अतर्रा बांदा। छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों को जब स्कूल जाना चाहिए तब वह कूड़े के ढेर में एवं रोड़ो में कबाड़ बिनते देखे जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा परिषदीय स्कूलों में भोजन से लेकर पढ़ाई किताबें एवं कपड़े की व्यवस्था प्रत्येक बच्चे के लिए जो स्कूल जाते हैं प्रदेश सरकार द्वारा किया जाता है। मगर कुछ माता.पिता ऐसे हैं जो स्कूल भेजने के बजाय बच्चों को मुट्ठी भर पैसे के लिए कबाड़ मैं अपनी जिंदगी खपा देना चाहते हैं । ऐसे बच्चे स्कूल का मुंह नहीं देख पाते तथा उनके माता.पिता भी स्कूल जाने के लिए प्रेरित नहीं करते हैं। शारदा नमक बच्चा उम्र लगभग 10 वर्ष निवासी अतर्रा से जब पूछा गया की स्कूल क्यों नहीं जाते हो कबाड़ बिनते घूमते हो तो कहा की बाबू कहता है पैसा कमाओ कबाड़ में काफी पैसा है स्कूल नहीं जाना। बच्चों को शुरू से तालीम जो भी माता.पिता जैसी देता है उसी के हिसाब से वह ढल जाते हैं बच्चे मिट्टी के बर्तन के तरह होते हैं।

जनशिकायतों के निस्तारण में बांदा पुलिस को मिला शत् प्रतिशत अंक

. प्रदेश में बांदा पुलिस का आया प्रथम स्थान

बांदा। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक बांदाध् नोडल अधिकारी आईजीआरएस श्री शिवराज के निकट पर्यवेक्षण में आनलाइन शिकायत पोर्टल समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली से प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण में जनपद बांदा पुलिस को प्रदेश रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है । आनलाइन जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का मुख्यमंत्री कार्यालय से मूल्यांकन में प्रदेश के 75 जिलों में जनपद बांदा को शत प्रतिशत कार्यवाही के लिये प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । बांदा पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टलए जनसुनवाईए समाधान दिवस आदि पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्वक निस्तारण किया गया । इस परिणाम के लिए पुलिस अधीक्षक बांदा ने आईजीआरएस से जुड़े सभी कर्मियों को बधाई दी ।

घरेलू विवाद के बाद महिला ने फंदा लगाकर खुदकुशी की

अतर्राध्बांदा। घरेलू विवाद के बाद महिला ने सूने घर के कमरे में फंदा लगा खुदकुशी कर ली। कुछ देर बाद घर आये पुत्र ने मां को फंदे में लटकता देख चीख पुकार मचाई। मौके पर पहुंचे स्वजन ने महिला को फंदे से नीचे उताराए लेकिन तब तक महिला की मौत हो गई।

कस्बा के मुहल्ला राजनगर निवासिनि 42 वर्षीय गोमती का शनिवार की दोपहर पति से घरेलू विवाद हो गया था। झगड़े के बाद पति बाजार चला गया। जिसके बाद देर शाम गोमती ने घर की छत में लगे लोहे के छल्ले में साड़ी का फंदा बना गले मे डाल खुदकुशी कर लिया। देर शाम पुत्र सत्यम घर आया। तब मां को साड़ी के फंदे पर लटका देख चीख पुकार मचाई। मौके पर आए स्वजन ने महिला को फंदे से नीचे उताराएलेकिन तब तक गोमती की मौत हो गई। पति मिथलेश ने बताया कि वह पेंटिंग का कार्य कर जीवन यापन करता है। बीते शनिवार की शाम से दोनों पुत्र और मै घर से बाहर थे। जब घर वापस आये। तब घटना की जानकारी हुई। घटना से पुत्र सत्यम व शिवम सहित स्वजन बेहाल है। थाना प्रभारी राकेश तिवारी का कहना है कि प्रथम दृष्टया फंदा लगाकर आत्महत्या करना प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के स्पष्ट कारण की जानकारी होगी।

मवई बुजुर्ग के किसानों की 300 बीघा जमीन रास्ता बंद होने से बाधित

. ग्रामवासियों ने विधायक प्रकाश द्विवेदी को सौंपा ज्ञापन

. एक किलोमीटर पक्का मार्ग बनवाने की मांग

बांदा। जनपद के ग्राम मवई बुजुर्ग के किसानों ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कारण खेतों तक रास्ता बंद होने की समस्या को लेकर सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा। किसानों का आरोप है कि उनकी निजी भूमिधारी जमीन के एक तरफ बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का फ्लाईओवर है। वहीं दूसरी तरफ बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने उस जमीन को अपनी बताकर आम रास्ते में बाउंड्री दीवार बना दी है।ग्रामवासियों ने बताया कि दीवार बनने से गांव के किसान अपनी लगभग 300 बीघा जमीन तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे कृषि कार्य और आवागमन दोनों बाधित हो रहे हैं। किसानों को अपनी फसल बोने और काटने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने विधायक से मांग की है कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के दूसरी तरफ चाहितारा मोड़ से चिल्ला रोड तक 1 किलोमीटर का पक्का रास्ता बनवाया जाएए ताकि उन्हें अपने खेतों तक आने.जाने में कोई परेशानी न हो। ग्रामवासियों संतोष कुमार सविताए रामजी त्रिवेदीए रामबरण यादवए विनय कुमारए श्रीरामष् सहित अन्य ने विधायक से सहानुभूतिपूर्वक विचार कर समस्या का अविलंब निस्तारण कराने और आवश्यक दिशा.निर्देश देने की मांग की है। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी बांदा के द्वारा ग्रामीणो को आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही हम मौके पर जाकर हम इस समस्या का निस्तारण करवाने का काम जरूर करेंगे। इस मौके पर संतोष कुमार सविताएरामजी त्रिवेदीए श्रीरामएशरवनए सुमित सिंहए राकेश सिंहए दयाराम यादवए छत्रपाल सविताएदेवीदीन यादवएपंचा सविताएसुखनंदीए रामदासए ओमप्रकाशएमोलवाएजगदीशए लाखन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

क्या वास्तव में पूर्व जिला अधिकारी के कार्यकाल में ऐसा कुछ हुआ है क्या

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, अतर्रा बांदा। पूर्व जिलाधिकारी अनुराग पटेल के कार्यकाल से आपदा विभाग के कुछ आउटसोर्सिंग ;ठेकाद्ध कर्मचारियों के पास आज तक सरकारी आवास विकास के सरकारी बंगले होने की बात सामने आ रही है। जबकि इसकी पुष्टि स्वतंत्र भारत नहीं करता है। फेसबुक मैं यह खबर चल रही थी उसके आधार पर समाचार जनहित को देखते हुए प्रकाशित किया जा रहा है। आप सभी को ज्ञात हो की

सवाल यह है कि किस नियमए किस शासनादेश और किस वैधानिक प्रावधान के तहत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को सरकारी आवास आवंटित किया गयाघ् जब विभाग के नियमित कर्मचारी आज भी किराए के मकानों में रहने को मजबूर हैंए तब ठेका कर्मचारियों को सरकारी बंगले किस आधार पर दिए गए। यदि यह आवंटन नियमों के अनुरूप हैए तो संबंधित शासनादेशए आदेश एवं अभिलेख सार्वजनिक किए जाएँ। यदि नियमों के विपरीत आवंटन हुआ हैए तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जो भी अधिकारी या कर्मचारी जिम्मेदार पाए जाएँए उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ऊर्जावान जिलाधिकारी बांदा अमित आसेरी से इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर सच्चाई जनता के सामने रखें। सरकारी संपत्ति पर पहला अधिकार नियम और पात्रता का होना चाहिएए न कि मनमानी का। सवाल उठाना कोई अपराध नहींए बल्कि जवाबदेही तय करना लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है ।

घरेलु विवाद के चलते नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

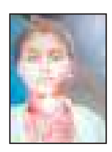

बबेरू, बांदा। पारिवारिक कलह के चलते नवविवाहिता ने पहले दो मासूम बच्चों के हांथ पैर बांध दिया फिर फांसी के फंदे से लटकर कर आत्म हत्या कर ली । उधर मायके पक्ष के लोगों ने मार पीट कर हत्या करने का आरोप लगाया हैं।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तराया निवासी श्रीपाल प्रजापति के पुत्र शारदा की शादी ओरन निवासी रामाधार उर्फ जोकर की 20 वर्षीय पुत्री गीता के साथ 7 जुलाई को की थी । शनिवार को सुसर श्रीपालए पत्नी उर्मिलाएपुत्र शारदाए और बड़ी बहू रजनी के साथ धान के पेड़ लगाने के लिए खेत चले गए । घर बड़ी बहू की बेटी अंजली और पुत्र जूस को गीता के सहारे छोड़ गए । शाम करीब 4 बजे गीता जब फांसी के फंदे लटक रही थी दोनों बच्चों आवाज देकर ऐसा न करने को कहा इसके बाद गीता ने फंदे से उतर कर दोनों बच्चों के हांथ पैर बांध दिया फिर गले में साड़ी का फंदा डाल कर पंखे के हुक में लटक गई। किसी तरह से अंजली ने बंधे हुए फंदे को दांत के सहारे खोलकर छत में जाकर पड़ोसियों को जानकारी दी तो श्रीपाल के बड़े भाई का पुत्र भोला ने फोन कर परिजनों को जानकारी दी खेतों आकर मेन दरवाजा तोड़ कर अंदर गए और उसे फांसी के फंदे से नीचे उतरा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी । मृतक के ससुर श्रीपाल ने मृतक के माता पिता सहित पुलिस को उक्त घटना की जानकारी दी । मृतक की मां और पिता ने आरोप लगाया कि 7 जुलाई को दान दहेज देकर शादी की लेकिन दहेज को लेकर अक्सर मार पीट हत्या कर फांसी के फंदे में लटका दिया हैं । घटना की सूचना पर तहसीलदार मनोहर सिंह मौके पर पहुंचकर मौका महीना कर पंचनामा भरा है साथ यह भी बताया कि किसी पक्ष नहीं आरोप प्रत्यारोप नहीं लगाया है उधर चौकी इंचार्ज अरविंद सिंह का कहना है कि प्रथम दृश्य फांसी लगाकर आत्महत्या का मामला है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण पता चलेगा किसी भी पक्ष से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

मित्रता दिवस पर बाँदा रोटी बैंक ने निभाई दोस्ती की मिसाल

. 450 से अधिक जरूरतमंद ग्रामीणों को वितरित किए कपड़े व उपयोगी सामग्री

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। मित्रता दिवस के पावन अवसर पर बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी ने मानवताए सेवा और मित्रता का अनुपम संदेश देते हुए ग्राम महोखर में एक वृहद सेवा अभियान आयोजित किया। इस दौरान लगभग 450 जरूरतमंद ग्रामीणोंए महिलाओं और बच्चों को कपड़ेए किताबेंए स्कूल बैगए पर्सए जूते.चप्पल सहित दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री वितरित की गई। रोटी बैंक सोसाइटी हर रविवार विगत 08 वर्षो से जरूरतममंदों की मदद करती चली आ रही है। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सच्ची मित्रता केवल रिश्तों तक सीमित नहीं होतीए बल्कि जरूरत के समय किसी का हाथ थामना ही मित्रता का सबसे सुंदर रूप है।

कार्यक्रम का आयोजन बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख सादी जमा एवं सह संरक्षक चन्द्रमौली भारद्वाज के संरक्षण मेंए उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम की अध्यक्षता तथा महामंत्री मोहम्मद अज़हर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। ग्राम प्रधान श्रीमती अर्चना सिंह के निर्देशन एवं समाजसेवी राहुल सिंह के सहयोग से ग्राम महोखरए चौकी महोखरए थाना कोतवाली देहातए ब्लाक बड़ोखरए जनपद बाँदा में यह सेवा अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। बाँदा शहर के जागरूक एवं सामाजिक सरोकार रखने वाले नागरिकों द्वारा दान स्वरूप उपलब्ध कराए गए वस्त्र एवं अन्य उपयोगी सामग्री जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाई गई। वितरण के साथ.साथ संगठन मंत्री सुनील सक्सेना ने ग्रामीणों को वृक्षारोपणए स्वास्थ्यए स्वच्छताए यातायात नियमों तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया। कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी के अध्यक्ष रिज़वान अली ने सभी दानदाताओंए सहयोगियों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मित्रता दिवस का वास्तविक अर्थ समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के साथ खड़े होकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना है। कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने बाँदा रोटी बैंक की पूरी टीम को दुआओं और आशीर्वाद से नवाज़ा। इस अवसर पर अध्यक्ष रिज़वान अलीए उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीमए संगठन मंत्री सुनील सक्सेनाए महामंत्री मोहम्मद अज़हरए कार्यालय प्रभारी मोहम्मद शमीमए उपशाखा प्रमुख अलीमुद्दीनए सदस्य नसीर खानए शहाना खानए सचिन साहूए समाजसेवी राहुल सिंह सहित संस्था के अनेक पदाधिकारीए सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मित्रता दिवस पर बाँदा रोटी बैंक का यह सेवा अभियान एक बार फिर साबित कर गया कि सच्ची दोस्ती वही हैए जो जरूरतमंदों के जीवन में उम्मीदए सम्मान और मुस्कान लेकर आए।

सत्यपाल मलिक की पुण्यतिथि कार्यक्रम को लेकर हुई कौंग्रेस की बैठक

चित्रकूट- अखिल भारतीय कौंग्रेस समिति के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक नीलांशु चतुर्वेदी के आवास पर कौंग्रेस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान नेता स्व सत्यपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि पर पांच अगस्त को बागपत में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों और उसमें जनपद से अधिकाधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए नीलांशु चतुर्वेदी ने कहा कि सत्यपाल मलिक किसानों के हितों के लिए लगातार संघर्षरत रहे। उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में चित्रकूट से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। कौंग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में बागपत पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम की तैयारियों में जुटें और संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में जिला उपाध्यक्ष शिव गुलाम वर्मा, जिला सेवादल अध्यक्ष चुनवाद प्रसाद एडवोकेट, पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष रवींद्र सिंह पटेल, जिला सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ कौंग्रेसी नेता श्रवण कुमार शुक्ला, नरवेश सचान, कल्याण सिंह पटेल, भाऊराम कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

कुर्मासन के अभ्यास से मिलती है तनाव और चिंता से राहत- रमेश

चित्रकूट- जिला मुख्यालय के कुबेरगंज निवासी योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने योग सत्र में साधकों को कुर्मासन (कछुआ आसन) का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग के कारण लोगों में तनाव, चिंता और शारीरिक समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में नियमित योगाभ्यास शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

योगाचार्य ने बताया कि कुर्मासन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन तंत्र को मजबूत करने तथा कूल्हों और पैरों की मांसपेशियों में लचीलापन बढ़ाने में सहायक माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और तनाव व चिंता कम करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि इस आसन को करने के लिए पहले दंडासन में बैठकर पैरों को कंधों से अधिक चैड़ा फैलाएं। इसके बाद दोनों हाथों को घुटनों के नीचे से बाहर निकालते हुए शरीर को धीरे-धीरे आगे की ओर झुकाएं और पैरों को सीधा रखने का प्रयास करें। सामान्य गति से श्वास लेते हुए 30 सेकंड से एक मिनट तक अपनी क्षमता के अनुसार इस स्थिति में रहें। फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लौट आएं। सलाह दी कि इस आसन का अभ्यास बिना जल्दबाजी के करना चाहिए। पीठ दर्द, सर्वाइकल या गंभीर रीढ़ संबंधी समस्या से पीड़ित लोग चिकित्सकीय सलाह के बिना इसका अभ्यास न करें।

कामदगिरि स्वच्छता समिति व नगर पालिका की टीम ने परिक्रमा मार्ग हुआ श्रमदान

चित्रकूट। 'स्वच्छता ही सेवा- स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत रविवार को भरत मिलाप मंदिर के समीप कामतानाथ परिक्रमा मार्ग पर व्यापक महासफाई अभियान चलाया गया। नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम कर्वी एवं कामदगिरि स्वच्छता समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभियान में बड़ी संख्या में स्वच्छता कर्मियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

अभियान का शुभारंभ भरत मिलाप मंदिर से हुआ। इस दौरान कामतानाथ परिक्रमा मार्ग, मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों से कूड़ा-करकट, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री एकत्र कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कराया गया। साथ ही पूरे परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राकेश केशरवानी ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के लिए जनसहभागिता आवश्यक है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता अभियानों में सक्रिय सहयोग देने और चित्रकूट को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक (स्वच्छ भारत मिशन) शिवा कुमार ने नागरिकों से गीले, सूखे और घरेलू खतरनाक कचरे को अलग-अलग कर नगर पालिका को देने तथा डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। अभियान के दौरान श्रद्धालुओं को निर्धारित स्थान पर कूड़ा डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने और परिक्रमा मार्ग पर बंदरों को भोजन न देने के लिए भी जागरूक किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए निर्धारित स्थानों पर ही कूड़ा डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। साथ ही श्रद्धालुओं से परिक्रमा मार्ग पर बंदरों को भोजन न देने का अनुरोध किया गया, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो तथा परिक्रमा मार्ग पर सुचारु आवागमन बना रहे। सफाई अभियान में कामदगिरि स्वच्छता समिति के राजेंद्र त्रिपाठी, कृष्णा शुक्ला, रसूल खान, जितेंद्र केशरवानी, अखिलेश केशरवानी, जानकी प्रसाद, विनोद, वीरेंद्र, राजेश, रवि, रामशिया, राकेश, मोनू आदि ने श्रमदान किया।

फतेहपुर समाचार

युवक को जहरीले कीड़े ने काटा

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के खुरमाबाद गांव में रविवार सुबह खेत में काम कर रहे 22 वर्षीय युवक शक्ति पटेल पुत्र कृष्णपाल पटेल को किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने तत्काल 108 सरकारी एम्बुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार जारी है।

सीवरेज के काम की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल- 293 करोड़ की परियोजना पर उठे सवाल, अफसरों की चुप्पी से आक्रोश

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। फतेहपुर नगरपालिका परिषद के 14 वार्डों में अमृत योजना-2 के तहत शहर को जलभराव से मुक्ति दिलाने और नगरीय विकास को गति देने के उद्देश्य से शुरू की गई 293 करोड़ की सीवरेज परियोजना अपनी गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में है। कार्यदाई संस्था द्वारा कराए जा रहे मानकविहीन और गैर-जिम्मेदाराना कार्यों की लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों ने इस ओर से आंखें मूंद रखी हैं। अफसरों के इस रहस्यमयी मौन से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है और क्षेत्र में यह चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं कि कहीं यह अनदेखी किसी बड़े कमीशन के खेल का परिणाम तो नहीं है।

अमृत योजना-2 के तहत बीते जून माह में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के भूमि पूजन के बाद गाजियाबाद की ईएमएस लिमिटेड द्वारा प्रथम चरण के कार्यों की शुरुआत की गई थी। इसके तहत नगरपालिका के 10 वार्डों- आबूनगर, अस्ती, आवास विकास, अमरजई, सिविल लाइन, खेलदार, महाजरी, मुराइन टोला, चैधराना और सैयदबाड़ा में पूर्ण रूप से तथा 04 वार्डों- रामगंज, शादीपुर, रेडैया और बाकरगंज में आंशिक रूप से सीवर लाइन बिछाने का कार्य निर्धारित किया गया है। हालांकि, काम की शुरुआत से ही इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और कार्य करने के तरीके पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

परियोजना में बरती जा रही सबसे बड़ी तकनीकी लापरवाही बिछाए जा रहे पाइपों के आकार को लेकर सामने आ रही है। संबंधित वार्डों की गलियों में सीवरेज के लिए जो पाइप डाले जा रहे हैं, वे 10 इंच के मानक से भी पतले हैं। इस स्थिति ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है; लोगों का मानना है कि जब यह सीवर लाइन पूरी तरह चालू होगी, तो ये पतले पाइप आए दिन जाम होंगे, जो भविष्य में एक बड़े जलभराव और गंदगी के संकट का कारण बनेंगे।

इसके अतिरिक्त, सीवर लाइन डालने के बाद सड़कों और गलियों से निकले मलबे को उठाना मुनासिब नहीं समझा जा रहा है। आवास विकास कॉलोनी सहित कई इलाकों की गलियों में बिखरी मिट्टी और मलबे के कारण मामूली बरसात में ही दलदल की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। हाल ही में जिलाधिकारी आवास के समीप स्थित फूलबाग कॉलोनी में कराए जा रहे कार्यों में भी भारी अनियमितताएं देखी गई हैं। वहां कार्य पूर्ण होने के बाद भी सड़कों को दुरुस्त नहीं किया गया, जबकि खुदाई के दौरान टूटी पेयजल पाइपलाइनों को गृहस्वामियों के बार-बार कहने के बावजूद ठीक नहीं कराया गया है।

जिस प्रकार से कार्यदाई संस्था बिना किसी डर के मनमानी कर रही है और जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं, उससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि संस्था को किसी उच्च स्तर का संरक्षण प्राप्त है। वहीं, इस पूरे मामले पर जल निगम (नगरीय) के अधिशाषी अभियंता संजय कुमार का कहना है कि कार्य की निगरानी की जा रही है और जहां भी कमियों की शिकायतें मिलेंगी, उन्हें शीघ्र दुरुस्त कराया जाएगा।

साढ़े सात लाख रुपयों के फेर में शराब पिलाकर की थी दोस्त की हत्या

- मास्टरमाइंड समेत पाँच गिरफ्तार

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। सदर कोतवाली नगर क्षेत्र के बकंधा ईंट भट्ठे के पास मिले रामप्रकाश गुप्ता उर्फ लक्ष्मी हत्याकांड का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड समेत पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जाँच में यह बात सामने आई कि मृतक के 7.50 लाख रुपये हड़पने के बाद जब उसने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की, तो आरोपियों ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। आरोपी मृतक को शराब पिलाकर सुनसान स्थान पर ले गए और अवैध तमंचे से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि घटना में शामिल एक आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि 29 जुलाई की सुबह बकंधा ईंट भट्ठे के पास एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर पहुँची पुलिस ने उसकी पहचान राधानगर निवासी रामप्रकाश गुप्ता पुत्र रामसजीवन गुप्ता के रूप में की थी। 30 जुलाई को मृतक के पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जाँच शुरू की। विवेचना में पता चला कि मृतक का अपने पिता से पारिवारिक विवाद था और नवंबर 2024 में राधानगर स्थित मकान 75 लाख रुपये में बेचा गया था। इसमें से 37.50 लाख पिता को तथा 27.50 लाख मृतक को मिले थे, जबकि 10 लाख रुपये उसकी पुत्री के नाम एफडी कराए गए थे। इसी दौरान आरोपी अनिल कुमार ने मृतक के साथ संयुक्त बैंक खाता खुलवाकर उसके पैसों पर कब्ज़ा जमा लिया और उसकी नशे की लत का फायदा उठाकर उसे अपने घर रख लिया।

जाँच में स्पष्ट हुआ कि मृतक की रकम से करीब 2.50 लाख रुपये की बुलेट मोटरसाइकिल खरीदी गई और लगभग 5 लाख रुपये आरोपी अनिल ने अपने रिश्तेदार अक्षय उर्फ कृष्ण कुमार को निवेश के नाम पर दे दिए। जब रामप्रकाश ने अपने पैसे वापस माँगे, तो हत्या की पटकथा रची गई। घटना वाली रात आरोपी श्यामा ने उसे घर से नीचे बुलाया, जिसके बाद शिवा और ईशू उसे मोटरसाइकिल से बंदा-भैरमपुर मार्ग स्थित सुनसान इलाके में ले गए और शराब पिलाने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी। शनिवार को बंदा ईंट भट्ठे के पास से पुलिस ने शिवा लोधी, ईशू लोधी, अनिल कुमार, मीना और श्यामा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्ज़े से दो अवैध तमंचे, कारतूस, घटना में प्रयुक्त अपाचे व बुलेट मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन तथा 1310 रुपये नकद बरामद हुए हैं। मुख्य आरोपी अनिल और उसकी पत्नी मीना के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं।

बहु-बेटी सम्मेलन में दिया गया अधिकार, आत्मरक्षा व साइबर सुरक्षा का संदेश

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने और सुरक्षित समाज के निर्माण के उद्देश्य से रविवार को नगर पंचायत खागा के कमलाखेड़ा व दयालपुर मोहल्ले में पुलिस विभाग की ओर से बहु-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा के गुर, साइबर अपराधों से बचाव तथा विधिक अधिकारों पर अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महिला पुलिस कर्मियों ने कहा कि महिलाएं किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा को चुपचाप सहन न करें। उन्होंने घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न से जुड़े कानूनों की जानकारी देते हुए संकट की स्थिति में महिला हेल्पलाइन 1090 पर तुरंत सूचना देने का परामर्श दिया। इस दौरान उपनिरीक्षक डीएस सरोज, आशीष उपाध्याय और सोनू यादव ने पुरुषों को कानून व्यवस्था व सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया।

व्यापारियों के हितों की लड़ाई को मिलेगा और बल, उत्तम उद्योग व्यापार मंडल का जिला संगठन मजबूत

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। उत्तम उद्योग व्यापार मंडल, उत्तर प्रदेश की जिला कमेटी की बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष मनोज साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान व्यापारियों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा संगठन को त्रिस्तरीय ढाँचे पर मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला कमेटी का विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी ने व्यापारियों से संगठित होकर अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संगठन की धार तेज करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष मनोज साहू ने संगठन विस्तार की घोषणा करते हुए रज्जन साहू को जिला उपाध्यक्ष, समीर मिश्रा को जिला मंत्री, अभय गुप्ता एवं दीपक जायसवाल को संगठन मंत्री तथा प्रदीप साहू एवं हसन को सक्रिय सदस्य मनोनीत किया। जिला उपाध्यक्ष सलामत अली, संरक्षक श्रवण कुमार दीक्षित, उपाध्यक्ष प्रेमदत्त उमराव, प्रशांत सिंह चैहान, सौरभ गुप्ता, संजय सिंह, शिव प्रसाद, अहमद, भंवर सिंह आदि पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री जय किशन ने कहा कि संगठन सदैव व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। वहीं जिला उपाध्यक्ष अनिल महाजन ने स्पष्ट किया कि संगठन का मूल उद्देश्य प्रत्येक छोटे-बड़े व्यापारी को अपने साथ जोड़ना है ताकि किसी भी व्यापारी को अपनी समस्याओं का अकेले सामना न करना पड़े। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव,

गुमशुदा 121 मोबाइल लौटाकर पुलिस ने जीता लोगों का दिल

- 20 लाख के फोन असली मालिकों को सौंपे

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जिले की पुलिस ने गुमशुदा व खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 121 मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को वापस लौटा दिए। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई गई है। रविवार को पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने ये फोन उनके स्वामियों को सुपुर्द किए। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की नियमित निगरानी की जाती है। जैसे ही कोई गुमशुदा मोबाइल दोबारा सक्रिय होता है, तकनीकी टीम तत्काल कार्रवाई कर उसे ट्रेस कर लेती है। साइबर टीम, जनपदीय सीसीटीएनएस टीम तथा थाना स्तर की पुलिस टीमों के आपसी समन्वय से दूसरे जनपदों और राज्यों से भी ये फोन बरामद किए गए हैं।

शैलेन्द्र साहित्य सरोवर की 448वीं काव्य गोष्ठी में बही भाव और भक्ति की अविरल धारा

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। मुराइन टोला स्थित ऐतिहासिक हनुमान मंदिर परिसर में शैलेन्द्र साहित्य सरोवर के बैनर तले 448वीं साप्ताहिक रविवासरीय सरस काव्य गोष्ठी का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार के. पी. सिंह कछवाह ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ने किया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर के पुजारी विजय कुमार शुक्ल की उपस्थिति रही।

गोष्ठी का शुभारंभ माँ शारदा के चरणों में के.पी. सिंह कछवाह की वंदना से हुआ। उन्होंने सरस्वती मां, आइए, हम पथ रहे निहार। मां, विद्या का दान दो, रहे राष्ट्र से प्यार।। पंक्तियों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। तत्पश्चात उन्होंने मानवता एवं समाज कल्याण का संदेश देते हुए कहा कि अंगदान सा है नहीं, कोई पुण्य महान। औरों को जीवन मिले, हो जग में यश गान।।

काव्यधारा को विस्तार देते हुए डॉ. सत्य नारायण मिश्र ने समसामयिक रचना प्रस्तुत करते हुए पढ़ा- जन-जन के मानस में बैठे, मोदी-योगी। उनका काम दिखाई पड़ता, जन उपयोगी।। वहीं कवि प्रदीप कुमार गौड़ ने देवाधिदेव महादेव की महिमा का बखान करते हुए अपनी पंक्तियाँ रखीं कुं वेद पुराण शास्त्र सब कहते, हर हरते हर पाप। जग ने जिसको नहीं दिया, शिव, उसके दाता आप।।

रचनाकारों की श्रृंखला में श्रृंगार और अनुभूति के सुंदर रंग भरते हुए डॉ. शिव सागर साहू ने अपनी पंक्तियाँ निवेदित कीं- करती है संकेत जब, ओठों की मुस्कान। खिल उठते हैं दो हृदय, करते नयन बखान।। कार्यक्रम के आयोजक व संचालक शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ने शिव आराधना में मुक्तक पढ़ते हुए कहा कि महादेव जैसा नहीं, दूजा देव महान। जो औरों को दे अमृत, खुद कर ले विषपान।। इसके साथ ही उन्होंने क्रांति और जन-जागरण का अलख जगाते हुए आगे पढ़ा- बुझने वाले से महान है, दीपक जलने वाला। उठा क्रांति का शंख फूंकता, जो जागृति की ज्वाला।।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि पुजारी विजय कुमार शुक्ल ने सभी रचनाकारों को आशीर्वचन प्रदान किया। अंत में आयोजक मंडल द्वारा गोष्ठी में पधारे सभी प्रबुद्ध साहित्य अनुरागियों एवं श्रोताओं का हृदय से आभार प्रकट किया गया।

सावन के प्रथम सोमवार पर आज मंदिरों व शिवालों में गूंजेगा हर-हर महादेव

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। श्रावण मास का पहला सोमवार आज पूरे जिले में अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। भोर से ही शिवालों में घंटा-घड़ियाल की गूंज के साथ बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजने लगे हैं। सावन के प्रथम सोमवार को लेकर भक्तों की संभावित भारी भीड़ के दृष्टिगत रविवार शाम तक जिले भर के मंदिरों और प्रमुख शिव धामों में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गईं।

शहर के प्रसिद्ध तांबेश्वर मंदिर सहित जिले के सभी सिद्धपीठों एवं शिवालों में तड़के से ही भगवान शिव का दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और गंगाजल से जलाभिषेक व रुद्राभिषेक शुरू हो गया है। शिव पुराण के अनुसार श्रावण मास में भगवान आशुतोष की विधि-विधान से पूजा, नियमित अभिषेक और बेलपत्र अर्पित करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ऐसे करें भोलेनाथ का पूजन- सावन सोमवार व्रत एवं पूजन की शुरुआत महादेव के अभिषेक से होती है। अभिषेक के उपरांत बेलपत्र, शमीपत्र, दूर्वा, कुशा, कमल, मंदार, भांग, धतूरा और श्रीफल चढ़ाकर भगवान शिव को प्रसन्न किया जाता है।

खाद डंप, सचिव गायब- समिति पर ताला, कालाबाजारी से किसान परेशान

विजयीपुर (फतेहपुर)। विजयीपुर साधन सहकारी समिति में पिछले डेढ़ महीने से पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद खाद वितरण ठप है। किसानों का आरोप है कि खाद आने पर हुए हंगामे के बाद सचिव समिति छोड़कर चले गए और तब से ताला लटका है। इस वजह से अंजना भैरव, एकडला, गुरवापुर, कूड़ा, अमनी व विजयीपुर समेत कई गांवों के सैकड़ों किसानों को निजी दुकानों से महंगी खाद खरीदनी पड़ रही है। वहीं टपकती छत से गोदाम में रखी खाद के खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है।

सरकारी रेट दरकिनार, खुलेआम कालाबाजारी- किसानों का कहना है कि 266 रुपये वाली यूरिया 500 रुपये और 1350 रुपये वाली डीएपी 1800 रुपये में बेची जा रही है। साथ ही दुकानदार जबरन जिंक और सल्फर खरीदने का दबाव बना रहे हैं। किसानों ने प्रशासन से तत्काल समिति खुलवाकर पारदर्शी वितरण कराने, कालाबाजारी रोकने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। समाधान न होने पर किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

महिला पीजी कॉलेज में छात्राओं को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। भारत सरकार के नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के अंतर्गत रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही विकसित भारत के लिए नशा मुक्त भारत विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण भी सामूहिक रूप से देखा व सुना गया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि नशा न केवल एक व्यक्ति को अपितु पूरे परिवार और समाज को दीमक की तरह खोखला कर देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार यादव के संरक्षण तथा नशा मुक्ति प्रकोष्ठ के प्रभारी आनंद नाथ के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार एवं बृजेश कुमार पाल आदि विशेष सहयोग रहा।

सर्वोदय इंटर कॉलेज में शिवलाल सिंह को दी भावभीनी विदाई

चैंडगरा (फतेहपुर)। सर्वोदय इंटर कॉलेज, गोपालगंज के परिचारक शिवलाल सिंह के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार द्वारा एक भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया। वक्ताओं ने उनकी वर्षों की निष्ठावान सेवा और उत्कृष्ट व्यवहार की सराहना की।

इस मौके पर पूर्व प्रबंधक राज्यवर्धन सिंह, प्रबंधक शशांक सिंह, प्रधानाचार्य रणविजय सिंह, डॉ. अनूप सिंह, संदीप सिंह चैहान आदि शिक्षकों व कर्मचारियों ने उन्हें माला पहनाकर, अंगवस्त्र तथा श्रीरामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

सेना के अपमान पर पूर्व सैनिकों का फूटा गुस्सा दोषियों पर देशद्रोह की कार्रवाई की मांग

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। पूर्व सैनिक उत्थान एवं लोक कल्याण समिति की मासिक बैठक रविवार को एक कोचिंग सेंटर में मास्टर वारंट ऑफिसर आरके विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने हालिया विरोध-प्रदर्शनों के दौरान सेना के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों और हिंसक घटनाओं पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई।

समिति के अध्यक्ष विद्याभूषण तिवारी ने कहा कि देश की सीमाओं पर अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में सैनिक अपने प्राणों की परवाह किए बिना राष्ट्र की रक्षा करते हैं। ऐसे वीरों के सम्मान को ठेस पहुँचाने वाली किसी भी टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सेना का अपमान पूरे देश का अपमान है और समाज को ऐसे मामलों में अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

बैठक में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने सर्वसम्मति से मांग की कि प्रदर्शन के दौरान हिंसा फैलाने, पुलिसकर्मियों को घायल करने तथा सेना व भारत माता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वालों पर राष्ट्रद्रोह के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान रंजना कक्कड़, जागृति तिवारी, सुनीता यादव, राजेश शुक्ला, प्रेम सागर शुक्ला, चंद्रमणि द्विवेदी, विनोद कुमार मिश्रा, विमलेश त्रिवेदी, जगदेव पाल, रामदीन, चांद मोहम्मद, देवेंद्र कुमार शुक्ला, आरआर अवस्थी, लखनलाल विश्वकर्मा, राम सजीवन, हीरालाल यादव, देवनारायण वाजपेयी, फूल सिंह लोधी आदि पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

खबर एक नज़र

- सूखा और बिजली संकट से फसल पर खतरा

बारिश गायब, बिजली बेदम- खेतों में दरारें, सूख रही धान की फसल

विजयीपुर (फतेहपुर)। विजयीपुर विकासखंड के टेनी, टेसाही, एकौरा, विजयीपुर, रामपुर, इटोलीपुर, सरौली और रारी समेत दर्जनों गांवों में बारिश न होने और अनियमित बिजली आपूर्ति से धान की फसल सूखने लगी है। इस समय फसल को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत है, लेकिन खेतों में दरारें पड़ रही हैं। लागत बढ़ी, मुआवजे की मांग- बिजली की अघोषित कटौती से ट्यूबवेल ठप हैं। कई किसान महंगा डीजल जलाकर पंप से सिंचाई को विवश हैं, जबकि साधनहीन किसानों की फसल बर्बादी की कगार पर है। किसानों ने प्रशासन और ऊर्जा विभाग से नियमित बिजली देने तथा मौसम न सुधरने पर सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है।

आज कुडेश्वर धाम में उमड़ेगी आस्था, सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को खागा क्षेत्र के मझिलगांव स्थित प्रसिद्ध कुंडेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से कांवरियों और भक्तों का आगमन तड़के से ही शुरू हो गया है। पूर्व प्रधान ओमचंद्र मिश्रा व वर्तमान प्रधान मुन्ना सिंह के अनुसार, यह धाम अपनी विशेष धार्मिक मान्यताओं तथा परिसर में पाई जाने वाली दुर्लभ औषधीय वनस्पति श्रुदवंतीष के लिए प्रसिद्ध है। क्षेत्राधिकारी रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि मेले में भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए नौबस्ता रोड से मंदिर तक के मार्ग को वन-वे घोषित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत सुल्तानपुर घोष, हथगाम, खागा और किशनपुर थानों की पुलिस फोर्स को हाईवे, वन-वे मार्ग और मंदिर परिसर में मुस्तैद किया गया है।

घर से रूठकर निकली बालिका को औंग पुलिस ने परिजनों से मिलाया

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना औंग पुलिस की टीम ने तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घर से नाराज होकर निकली एक 12 वर्षीय बालिका को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

रविवार को गश्त के दौरान टीम को बालिका संदिग्ध अवस्था में घूमती मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम नंदिनी पुत्री जितेंद्र बेनवंशी निवासी कांशीराम कॉलोनी, थाना पनकी (कानपुर नगर) बताया। बालिका ने स्वीकार किया कि वह सुबह माँ की डांट से नाराज होकर निकल आई थी। औंग पुलिस ने तत्काल परिजनों से संपर्क कर उन्हें थाने बुलाया और आवश्यक पहचान की पुष्टि के पश्चात बालिका को पिता के सुपुर्द कर दिया।

सावन के सोमवार पर शिव मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। सावन के प्रथम सोमवार को शिवालयों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन ने सख्त सुरक्षा ढांचा लागू किया है। पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र अजय कुमार मिश्र के निर्देशन व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के पर्यवेक्षण में तांबेश्वर मंदिर, राजराजेश्वर मंदिर (जहानाबाद), धवेश्वर मंदिर (ललौली), जागेश्वर व मुक्तेश्वर मंदिर (गाजीपुर) तथा कुंडेश्वर मंदिर (खागा) में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।व्यवस्था के अनुसार, मंदिरों में महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं। महिला श्रद्धालुओं के जलाभिषेक के समय केवल महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहेगी और दर्शन पूर्ण होने के उपरांत ही पुरुषों को गर्भगृह में प्रवेश दिया जाएगा। भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस को भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

समझौते के नाम पर चैकी बुलाकर युवक की पिटाई

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के उमराउली गांव निवासी सत्यप्रकाश पुत्र रामबहादुर (37 वर्ष) ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जयरामनगर चैकी में समझौते के बहाने बुलाकर विपक्षियों के सामने कमरे में बंद कर उसकी बेरहमी से पिटाई की गई और जबरन ज़मीन के कागज़ात पर समझौते पर हस्ताक्षर करा लिए गए। घायल सत्यप्रकाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के अनुसार, उसकी सवा छह बिस्वा ज़मीन राधानगर थाना क्षेत्र के नेवलापुर में स्थित है, जिसे दबंग हड़पना चाहते हैं। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस न्याय दिलाने के बजाय विपक्षी का पक्ष ले रही है। वहीं, मामले का वीडियो बना रहे पीड़ित के साले का मोबाइल भी पुलिस द्वारा छीनकर वीडियो डिलीट किए जाने का आरोप लगाया गया है।

अंतिम संस्कार को जा रहा शव पुलिस ने किया बरामद

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम दयापुर में संदिग्ध परिस्थितियों में 28 वर्षीय अविवाहित युवक धर्मेंद्र सिंह पुत्र रणजीत की मौत हो गई। परिजन जब शव को अंतिम संस्कार के लिए घाट ले जा रहे थे, तभी झारखंड से पहुंचे मृतक के बड़े भाई धीरेंद्र ने हत्या की आशंका जताते हुए घाट पर ही अंतिम संस्कार रुकवाया और पुलिस को सूचना दे दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के भाई ने बताया कि धर्मेंद्र पिछले पांच वर्षों से फाइलेरिया से पीड़ित था और उसका इलाज चल रहा था, परंतु अचानक हुई मृत्यु पर संदेह होने के कारण पुलिस निष्पक्ष जाँच कर रही है।

डिग्री कॉलेज के समीप से युवक का शव बरामद

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के बावनी इमली स्थित रामपाल बिटान डिग्री कॉलेज के पास से रविवार सुबह 40 वर्षीय युवक का शव पुलिस ने राहगीरों की सूचना पर बरामद किया। मृतक की जेब में मिले मोबाइल नंबर के जरिए उसकी पहचान नंदपुर निवासी सुरेंद्र कुशवाहा पुत्र स्वर्गीय जयकरन कुशवाहा के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के भाई धर्मेंद्र ने बताया कि घरेलू व मानसिक तनाव के कारण सुरेंद्र पिछले कुछ समय से अत्यधिक परेशान रहता था, जिसके चलते उसकी मृत्यु होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

महिला के गले से दिन दहाड़े दो बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन छीनकर भागे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो जालौन। कोतवाली रोड पर कोतवाली से करीब 100 मीटर दूर मोबाइल सुधरवाने के लिए गई महिला के गले से दिन दहाड़े दो बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन व उसमें पड़ा लॉकेट छीन लिया। सोने की चेन छीनकर दोनों बदमाश बाइक लेकर मौके से भाग निकले। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार उनकी पहचान कर रही है। पिछले एक सप्ताह में बदमाशों ने लगातार तीसरी घटना को अंजाम दिया है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नया खंडेराव लीला रोड निवासी साधना देवी अपने भतीजे अंकुश के साथ रविवार की दोपहर कोतवाली रोड पर कोतवाली से लगभग 100 मीटर दूर अपना मोबाइल सुधरवाने के लिए आईं थी। मोबाइल दुकान पर डालकर वह भतीजे के साथ वापस घर पर जाने के लिए बाइक पर बैठ गई। इसी दौरान पीछे से बाइक लेकर दो युवक आए जिनमें बाइक चला रहा युवक हैलमेट लगाए था और पीछे बैठा युवक चेहरे पर कपड़ा बांधे हुए था। चलती हुई बाइक पर उन्होंने महिला के गले से चेन व उसमें पड़ा छीन लिया और वहां से भाग निकले। महिला के गले से चेन छीने जाने के बाद भतीजे ने कुछ दूरी तक बाइक सवारों का पीछा किया लेकिन वह वहां से फरार हो गए। जिसके बाद महिला ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चैकी प्रभारी मनीष तिवारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें बाइक सवार युवक महिला की चेन खींचकर भागते हुए दिख रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चेन खींचने वालों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान का प्रयास कर रही है। शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पांचाल घाट पर चला स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान गंगा योद्धाओं ने श्रद्धालुओं को किया जागरूक

गंगा योद्धाओं ने लोगों को गहरे पानी में स्नान करने से भी रोका।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। जिला गंगा समिति ?की ओर से रविवार को पतित पावनी पांचाल घाट गंगा तट पर स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला

पॉलिथीन पर रोक और गहरे पानी में स्नान पर पाबंदी

परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल के निर्देशन में सावन माह को देखते हुए यह विशेष अभियान आयोजित किया गया।
अभियान के दौरान गंगा योद्धाओं ने घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को गंगा की निर्मलता बनाए रखने के लिए जागरूक किया। दुकानदारों को भी पॉलिथीन और प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल ने बताया कि सावन माह में हजारों.लाखों श्रद्धालु गंगा तट पर स्नान और जल भरने आते हैं। गंगा तट पर पूर्ण व्यवस्थाएं बनाए रखने और स्वच्छता के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।
गंगा योद्धाओं द्वारा घाट पर लगातार निगरानी की जा रही है ताकि अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।
भारी मात्रा में कचरा एकत्र
अभियान के दौरान सभी गंगा योद्धाओं ने मिलकर घाट की सफाई की। भारी मात्रा में प्लास्टिक पॉलिथीन और अन्य अपशिष्ट सामग्री एकत्र कर उसका समुचित निस्तारण किया गया। गंगा योद्धाओं ने स्लोगन कार्ड के माध्यम से भी श्रद्धालुओं को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।
कार्यक्रम में गंगा योद्धा सुमित कुमार मीना कटियार राम रहीश दीक्षा भूमि सहित अन्य युवा सक्रिय रूप से शामिल रहे।

बहन परिवार की प्रथम शिक्षिका उनके संस्कारों से अगली पीढ़ी का निर्माण होता है

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ओमनिवास

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मनाया गया सिस्टर दिवस

जटवारा जदीद में सिस्टर दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ.साथ समाज की बहनों ने भाग लिया राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शोभा दीदी ने कहा कि बहन प्रेम त्याग ममता संस्कार और सेवा की प्रतिमूर्ति है आज की नारी यदि आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाये तो परिवार और समाज दोनों में सुख शांति और श्रेष्ठ संस्कारों का वातावरण स्थापित हो सकता है उन्होंने सभी बहनों को शुभकामनाएं देते हुए आत्मसम्मान पवित्रता और ईश्वरीय सेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया।
ब्रह्माकुमारी शर्मिमा बहन ने कहा कि बहन परिवार की प्रथम शिक्षिका होती है उनके संस्कारों से ही आने वाली पीढ़ी का निर्माण होता है आज की भाग दौड़ भरी जीवन शैली में बहनों को स्वयं के लिए भी समय निकालकर प्रतिदिन कुछ समय परमात्मा की याद करना चाहिए इससे मन शांत विचार सकारात्मक और परिवार में प्रेम सहयोग का वातावरण बना रहता है लता बहन अंजली बहन दीपिका बहन संतोष बहन सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। पूनम बहन ने विश्व शाति एवं समाज कल्याण के लिए सामूहिक योग प्रार्थना कराई।

पीएम मोदी के आह्वान पर छात्राओं ने नशा मुक्त समाज की ली शपथ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। नारायण आर्य कन्या पाठशाला महाविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयोजित नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ।
इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्राओं ने एकजुट होकर प्रधानमंत्री जी का सजीव प्रसारण अत्यंत उत्साह के साथ सुना।
प्राचार्या प्रोफेसर डॉण् पारुल मिश्रा के साथ महाविद्यालय परिवार ने नशा मुक्त समाज के निर्माण की शपथ ली। प्राचार्या ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की बुराइयों से बचाकर ही स्वस्थ और सशक्त भारत का निर्माण संभव है।
इस अवसर पर श्रुति गुप्ता डॉण् शिल्पी मिश्राए डॉण् श्वेता सिंह रूपादेवी कुण् शालिनी धुसिया श्रीमती प्रियंका डॉ शाहीन खान कुण् रंजना सिंह डॉण् रंजना चतुर्वेदी प्रज्ञा दीक्षित डॉण् मनीषा पांडे डॉण् अंजू पांडे अरविंद पांडे राजीव सक्सेना दीपांशी सक्सेना कमलेश चंद्र मिश्रा सुखदेव शुक्ला गोपी गुप्ता एवं एनसी कैडेट्स सहित महाविद्यालय की सभी छात्राएं एवं? सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में समाज को नशे जैसी सामाजिक बुराई से मुक्त कराने और एक स्वस्थ सशक्त एवं नशा.मुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

कुत्ते के हमले से 16 भेड़ों की मौत 9 घायल पशुपालक को लाखों का नुकसान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। कम्पिल थाना क्षेत्र के गांव धीमर नगला में रविवार तड़के पालतू कुत्ते के हमले से हड़कंप मच गया। हमले में 16 भेड़ों की मौत हो गई जबकि 9 भेड़ें घायल हो गईं।
पशुपालक दिनेश पाल ने बताया कि बारिश के कारण वह रात करीब 3 बजे घेर से घर चले गए थे। इसी दौरान एक पालतू कुत्ता घेर में घुस गया और सो रही भेड़ों पर हमला कर दिया। सुबह जब वह लौटे तो 16 भेड़ें मृत अवस्था में पड़ी मिलीं और 9 भेड़ें घायल थीं। घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है।
घटना से दिनेश पाल को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि भेड़ पालन ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। एक साथ इतनी भेड़ों के मरने से परिवार पर संकट आ गया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाने में तहरीर देकर की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गांव में इस घटना के बाद पशुपालकों में दहशत है और लोग रात में अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।
वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। अधिकारियों ने घायल भेड़ों के इलाज के निर्देश दिए हैं।

संत रविदास की जन्मस्थली वाराणसी आए कलश को जिले के मंडलों पर रवाना किया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। सांसद मुकेश राजपूत जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यपाल सिंह समेत कार्यकर्ताओं ने संत रविदास की 650वीं जयंती पर आयोजित होने वाले सामाजिक समरसता संकल्प अभियान की शुरुआत की गई संत रविदास की जन्मस्थली वाराणसी से कलश में भरकर लाई गई मिट्टी को नमन करते हुए कलश को अपने सिर पर रखकर यात्रा को रवाना किया यह यात्रा पूरे जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं मंडलों तक पहुंचेगी। श्री राजपूत ने बताया संत रविदास ने जीवन भर समानता सामाजिक समरसता और मानव सेवा का संदेश दिया उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं उनकी 650वीं जन्म जयंती से आयोजित होने वाले कार्यक्रम सामाजिक समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत पूरे जनपद में कलश यात्रा निकाली जाएगी।
जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने बताया संत रविदास ने सामाजिक जीवन में समरसता का संदेश दिया उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। यह कलश यात्रा पूरे जनपद के सभी मंडलों में जाएगी। सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए भाजपा कार्यकर्ता इस पूरे अभियान को सफल बनाने का कार्य करेंगे।
इस कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र कठेरिया पिछड़ा मोर्चा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी राजपूत पूर्व जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता जिला मंत्री शिवमोहन सिंह जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कार्यालय मंत्री संजय सिंह पूर्व जिला महामंत्री संदीप शाक्य जिला मीडिया प्रभारी शिवांग रस्तोगी समेत भाजपा के पद कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्काउट-गाइड कार्यक्रम में बच्चों को दिया प्रशिक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो खैरगढ़ ;फिरोजाबाद। उच्च प्राथमिक विद्यालय बबाइन में शनिवार को जिला स्काउट गाइड कमिश्नर डॉण् विनिता चौधरी के निर्देशन में स्काउट.गाइड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र.छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ ने खेल मैदान की साफ.सफाई की। इसके साथ ही बच्चों को स्काउट.गाइड की विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें विश्राम सावधान पीटी मार्च सहित अनुशासन एवं शारीरिक दक्षता से जुड़ी गतिविधियों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता अनुशासन नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना का विकास करना रहा।

अदालती सूचना

न्यायालय उप जिलाधिकारी छिबरामऊ, जनपद कन्नौज
वाद सं० टी202503400212256
शीशराम बनाम कुन्नी देवी आदि
अन्तर्गत धारा-116उ०प्र०रा०सं०
मौजा कुड़वापुर्व परगना तालग्राम तहसील छिबरामऊ जनपद-कन्नौज
1. सुभाषचन्द्र पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम हरजूपुरवा परगना तालग्राम तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज।
2. संजीव कुमार पुत्र अजय सिंह निवासी ग्राम टिकुरियनपुर्वा परगना तालग्राम तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज।
चूंकि उपनामांकित वादी शीशराम पुत्र अशोक सिंह निवासी ग्राम टिकुरियनपुर्वा परगना तालग्राम तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज के द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में वाद योजित किया गया है। अतएव आप सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हेतु संबंधित के लिये दिनांक 04-08-2026 को 10.00 बजे पूर्वाहन में स्वयं या सम्यक रूपेण अनादिष्ट अपने अधिवक्ता सहित प्रस्तुत कर सकते है, और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय माना जायेगा और विधिक रूपेण आदेश पारित कर दिया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित अमल आज दिनांक 06-07-2026 को जारी की गई।
आज्ञा से, (ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी) उप जिलाधिकारी छिबरामऊ।

सी.आर.- 909/K-CN

अदालती सूचना

न्यायालय उप जिलाधिकारी छिबरामऊ, जनपद कन्नौज
वाद सं० टी202603400203524
शैलेन्द्र नाथ मिश्र बनाम उ०प्र० सरकार
अन्तर्गत धारा-144 उ०प्र०रा०सं०
मौजा- कसावा परगना छिबरामऊ तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज
1. भूपेन्द्र कुमार मिश्र पुत्र स्व० सुरेन्द्र नाथ मिश्र निवासी म०नं०-49 महावीरपुर जरौली फेस-2 कानपुर नगर 2. धर्मेन्द्र कुमार मिश्र पुत्र स्व० सुरेन्द्र नाथ मिश्र निवासी 2/182 एल०डी०ए० लखनऊ।
चूंकि उपनामांकित वादी शैलेन्द्र नाथ मिश्र पुत्र स्व० सुरेन्द्र नाथ मिश्र निवासी ग्राम कसावा परगना व तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज हाल निवासी म०नं०-1394/3 गुन्जन विहार बर्रा कानपुर नगर के द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में वाद योजित किया गया है। अतएव आप सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हेतु संबंधित के लिये दिनांक 07-08-2026 को 10.00 बजे पूर्वाहन में स्वयं या सम्यक रूपेण अनादिष्ट अपने अधिवक्ता सहित प्रस्तुत कर सकते है, और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय माना जायेगा और विधिक रूपेण आदेश पारित कर दिया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित अमल आज दिनांक 27-07-2026 को जारी की गई।
आज्ञा से, ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी उप जिलाधिकारी छिबरामऊ।

सी.आर.- 909/K-CN

नशा मुक्त युवा भारत कार्यक्रम का आयोजन नेहरू कॉलेज में किया गया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
छिबरामऊ कन्नौज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत होने वाले नशा मुक्त युवा भारत कार्यक्रम का आयोजन नेहरू कॉलेज में किया गया।
इस कार्यक्रम में युवाओं को ऑनलाइन माध्यम से दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम से जोड़ा गया। कार्यक्रम में सबसे पहले नाट्य मंचन के माध्यम से युवाओं को नशे से दुष्प्रभावोंए समाधान से अवगत कराया गया। तत्पश्चात देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने युवाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए एक विशेष श्नशा मुक्त युवा भारतश् अभियान का ऐलान किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को मादक पदार्थों के बुरे प्रभावों के बारे में बताना और उन्हें बचाना है।स्कूलोंए कॉलेजों और गांवों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे ताकि लोग नशे के खिलाफ खुलकर बात कर सकें।खेलकूदए योग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए युवाओं का ध्यान नशे से हटाकर सकारात्मक गतिविधियों की ओर मोड़ा जाएगा। समाज के सभी लोगोंए माता.पिता और शिक्षकों से अपील की गई है कि वे मिलकर इस समस्या को जड़ से खत्म करें। सरकार नशे के विरुद्ध इस अभियान को जन जन तक पहुँचाएगी और वे लोग जो देश के युवाओं को नशे की और धकेल रहें हैं उनपर अंकुश लगाकर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेगी। वे युवा जो किसी कारणवश नशे का शिकार हो रहे हैं उन्हें हम अपनी पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने का हर संभव प्रयत्न करें। माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन के उपरांत नशा मुक्ति की शपथ ली गई। शपथ के उपरांत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत कॉलेज परिसर में श्रमदान किया गया। यह संपूर्ण कार्यक्रम प्राचार्य प्रोण् जयवीर सिंह जी दिशा.निर्देशन में संपन्न हुआ। नशा मुक्त परिसर के नोडल अधिकारी प्रोण् उदय पाल सिंह जी ने कार्यक्रम का संयोजन किया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारीए कन्नौज द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि के रूप में विकास कुमार उपस्थित रहे। आपने कार्यक्रम की रूपरेखा का विश्लेषण किया और तत्संबंधी साख्यिकी भी एकत्र की। इस अवसर पर कॉलेज के सम्मानित शिक्षक कर्मचारी बंधु एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सूचना

सूच्य हो कि दयानन्द इण्टर कालेज, बिन्दकी (फतेहपुर) की प्रबन्ध समिति का चुनाव दिनांक 16 अगस्त 2026 (रविवार) को विद्यालय भवन में होना निश्चित हुआ है। अस्तु सोसाइटी की आम सभा के सभी सदस्यों की विद्यालय भवन में प्रातः 9:30 बजे उपस्थिति अनिवार्य है।
— प्रेमधर (अध्यक्ष), दयानन्द इण्टर कालेज, बिन्दकी (फतेहपुर)।

सी.आर.- 909/K

सीएमओ के औचक निरीक्षण में सीएमएस मिले अनुपस्थित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो छिबरामऊ कन्नौज। सौ सैया संयुक्त चिकित्सालय मैं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जनपद कन्नौज ने औचक निरीक्षण किया जिसमें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सौसैया संयुक्त चिकित्सालय अनुपस्थित मिले। मुख्य चिकित्सा अधिकारी संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में आए हुए थे संपूर्ण तहसील समाधान दिवस के बाद 100 सैयद संयुक्त चिकित्सालय में आवश्यक निरीक्षण करने पहुंचे जहां मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अनुपस्थित मिले मरीज के साथ आए तीमारदार ने बताया कि विगत कई दिवस से अपने मरीज के साथ अस्पताल परिसर में है मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रतिदिन ओपीडी बंद होने के लगभग आते हैं थोड़ा रुक कर वापस चले जाते हैं जानकारों की माने तो मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का कन्नौज में प्राइवेट नर्सिंग होम होने के कारण जब वहां से समय मिलता है तब खाना पूरी करने के लिए 100 सैयद संयुक्त चिकित्सालय आ जाते हैं।

आगरा में 16 अगस्त से सवा करोड़ लिंगोपरि पार्थिव पूजन व शिव महापुराण कथा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फिरोजाबाद। माँ पीताम्बरा के उपासक एवं यज्ञाधीश श्री श्री 1008 स्वामी रामदास जी महाराज ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 16 से 26 अगस्त 2026 तक प्रेम जीसीबी तिराहा शास्त्रीपुरम आगरा में सवा करोड़ लिंगोपरि पार्थिव पूजन एवं श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सायं 5 से रात्रि 8 बजे तक पार्थिव पूजन होगा जबकि शिव महापुराण कथा का वाचन आचार्य निशांत मिश्रा ;वृंदावनद्ध करेंगे। स्वामी रामदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित आयोजन में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इसी परिसर में 12 से 22 दिसंबर 2026 तक 2151 कुंडीय महामृत्युंजय माँ पीताम्बरा महायज्ञ का भी आयोजन किया जाएगा।

रास्ता सुचारु रूप से चालू नहीं होगा और फर्जी मुकदमा वापस नहीं होगा तो सभी साथी भूख हड़ताल पर बैठेंगे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो छिबरामऊ कन्नौज। भारतीय किसान यूनियन बलराज का छे दिन धरना प्रदर्शन जारी है आज ग्रामीणो के साथ धरने पर बैठे जहां पर बहबलपुर निवासी सूरदास जो बचपन से नेत्र हीन है जो रास्ते में गिर गए थे। उनका कहना है बचपन से इसी रास्ते से निकलते है बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे है गाय भैंस नहीं निकल पा रहे है यदि रास्ता सुचारू रूप से चालू नहीं होगा और फर्जी मुकदमा वापस नहीं होगा तो सभी साथी भूख हड़ताल पर बैठेंगे।किसान परेशान दलित समाज के लोगों का रास्ता देवांग यादव के द्वारा वर्ष 2013 में 13 फुट का कब्जा कर लिया उसके 13 12 साल तक कोई मुकदमा में कारवाही नहीं की गई उसके बाद याद आई कब्जे की पूरी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किए हुए है आज धरना प्रदर्शन पर सूरदास जिलेदार पाल, मुखिया नागर, सत्यप्रकाश नागर, रामकिशन नागर, बाला नागर, दिलीप नागर, बॉबी जाटव, सत्यवती नागर, बलवीर यादवएदेव कुमार शिवराज सिंह, प्रेमचंद सिंह पृथ्वी राज, मुनेटी नागर, वीरू यादव आसाराम, पप्पू जाटव, भगवददयाल लालबाबू आदि लोग मौजूद रहे।

खड़े कंटेनर में पीछे से दूसरा कंटेनर टकराया, दो घायल

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। लालगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी रीवा राष्ट्रीय मार्ग 135 पर स्थित राजपुर पेट्रोल पंप के पास शनिवार शाम खड़े कंटेनर में पीछे से आ रही तेज रफ्तार दूसरे कंटेनर ने अनियंत्रित होकर टक्कर मार दिया। जिससे कंटेनर में बैठे दो लोग घायल हो गए। मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे लहंगपुर चौकी प्रभारी सुजीत कुमार सेठ ने आगे खड़े कंटेनर को सड़क किनारे करवाया और दूसरे कंटेनर में फंसे दोनों व्यक्तियों को गंभीरावस्था में निकाल कर एंबुलेंस सेवा 1033 से अस्पताल भेजा। पुलिस के अनुसार मध्य प्रदेश की तरफ से आ रही कंटेनर राजपुर पेट्रोल पंप के सामने एकाएक ब्रेक लगाकर खड़ा कर दिया। वहीं पीछे से आ रही तेज रफ्तार दूसरा कंटेनर भी अनियंत्रित होकर खड़ी कंटेनर में टकरा गई। घायलों में पवन पुत्र गुल्ले सिंह निवासी रगोपुरा जिला गुना मध्य प्रदेश व शिवाकांत पुत्र रघुवीर निवासी आदमपुर हरदोई को एंबुलेंस 1033 से अस्पताल भेजा गया।

महिला ने दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सुईया कला गांव निवासी संतरा देवी ने शनिवार की देर शाम थाने में तहरीर देकर गांव निवासी दो लोगो के विरुद्ध गाली गलौज मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है दी गयी तहरीर मे बताया है की 27 जुलाई को पुरानी रंजिस की बात को लेकर गांव निवासी श्यामजीत व बबलू गाली गलौज देते हुए लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया जान से मारने की धमकी दिया है जिस पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घायल महिला को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेज दिया मामले की जांच एसआई घनश्याम सिंह द्वारा किया जा रहा है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की महिला की तहरीर पर दो लोगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल किया जा रहा है।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एपी फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।
सम्पादक : के.के. श्रीवास्तव
फोन : 0512-2332212
0512-2330533
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

ट्रंप ने किया ईरान युद्ध खत्म होने का ऐलान

दावा- पश्चिम एशियाई देशों के बीच लड़ाई खत्म करने पर बनी सहमति, नए हमले भी रोके

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ने चौंकाते हुए ईरान युद्ध खत्म करने का एलान कर दिया है। एपी की रिपोर्ट्स के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पश्चिम एशिया के देशों के बीच ईरान युद्ध खत्म करने पर सहमति बन गई है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अब ईरान पर नए हमले भी नहीं करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार शाम सोशल मीडिया पर दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा (आउटलाइंस) पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति को देखते हुए फिलहाल पांच महीने पुराने इस संघर्ष में नए सैन्य हमलों के आदेश नहीं दिए जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि प्रस्तावित समझौते में हॉर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत और पूरी तरह से खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा। ट्रंप ने लिख, 'मैंने दुनिया के हित और एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए फिलहाल हमला रद्द करने पर सहमति दी है, बशर्ते जल्द समझौता हो सके।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि इस्राइल ने भी अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के साथ ये समझौता पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे युद्ध समाप्त हो सके। इससे पहले शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत के दौरान क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ईरान के खिलाफ अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर चिंता जताई और ट्रंप से लड़ाई आगे नहीं बढ़ाने की अपील की थी। दोनों नेताओं की बातचीत ऐसे समय हुई जब ट्रंप ने सेना को ईरान पर नए हमलों के निर्देश दिए थे। दरअसल सऊदी अरब को आशंका थी कि अगर अमेरिका ईरान के ऊर्जा ढांचे या अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमला करता है, तो तेहरान जवाबी कार्रवाई में सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकता है। इस सप्ताह की शुरुआत में सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के कई लॉजिस्टिक और हथियार ठिकानों पर अमेरिकी कार्रवाई में साथ दिया था। हालांकि, रियाद लगातार अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत से विवाद का समाधान करने पर जोर दे रहा था। इसी क्रम में सऊदी रक्षा मंत्री और क्राउन प्रिंस के भाई खालिद बिन सलमान बुधवार को वॉशिंगटन पहुंचे थे। उन्होंने ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अलग-अलग मुलाकात कर ईरान रणनीति पर चर्चा की।

इस्राइल को ईरानी हमले से बचा पाएगा अमेरिका?

- युद्धपोत कम, मिसाइलें घटीं
- शीर्ष जनरल की पेंटागन को चेतावनी

वाशिंगटन। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका की रक्षा तैयारियों को लेकर बड़ी चिंता सामने आई है। अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच ने पेंटागन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नौसेना के पास अब इतने युद्धपोत और इंटरसेप्टर मिसाइलें नहीं बची हैं कि वह लंबे समय तक ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से इस्राइल की रक्षा करता रहे।

इस्राइल की तुलना में अमेरिका ने खर्ची ज्यादा मिसाइलें: रिपोर्ट

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जनरल ग्रिनकेविच ने भूमध्य सागर में एक और अमेरिकी विध्वंसक तैनात करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को भविष्य में एक कठिन फैसला लेना पड़ सकता है। उसे यह तय करना होगा कि वह अपनी मातृभूमि की सुरक्षा को प्राथमिकता दे या फिर इस्राइल की रक्षा के लिए अपने संसाधन खर्च करता रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा युद्ध के दौरान अमेरिका ने इस्राइल की तुलना में कहीं ज्यादा इंटरसेप्टर मिसाइलें दागी हैं। इन मिसाइलों का इस्तेमाल ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए किया गया।

रक्षा मामलों से जुड़े थिंक टैंक सीएसआईएस और अमेरिकी रक्षा विभाग के आंतरिक आकलन के अनुसार, अमेरिका के कई अहम मिसाइल सिस्टम का बड़ा हिस्सा इस्तेमाल हो चुका है। इनमें थाड और पेट्रियट जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के करीब 50 फीसदी इंटरसेप्टर खर्च हो चुके हैं। इसके अलावा प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल, टॉमहॉक क्रूज मिसाइल, जेएएसएसएम और एसएम-3/एसएम-6 जैसी मिसाइलों के भंडार में भी कमी आई है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इन अत्याधुनिक मिसाइलों का उत्पादन आसान नहीं है। युद्ध के दौरान खर्च हुए हथियारों की भरपाई करने और पुराने स्तर का स्टॉक तैयार करने में अमेरिकी सेना को कई साल लग सकते हैं। यही वजह है कि रक्षा विशेषज्ञ भविष्य में किसी नए बड़े संघर्ष की स्थिति में अमेरिका की तैयारियों को लेकर चिंता जता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया के अलावा दुनिया के किसी अन्य क्षेत्र में भी बड़ा सैन्य संकट पैदा होता है, तो अमेरिका के लिए एक साथ कई मोर्चों पर जवाब देना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में उसके सीमित मिसाइल भंडार और युद्धपोतों की उपलब्धता बड़ी चुनौती बन सकती है।

अमेरिकी रेस्तरां के भीतर गोलीबारी, तीन की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के आइडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर में शनिवार दोपहर एक इन-एन-आउट बर्गर रेस्तरां के अंदर हुई गोलीबारी

- दो घायल, हमलावर ढेर

में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं दो अन्य घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि हमलावर भी मारा गया है और फिलहाल समुदाय के लिए किसी तरह का खतरा नहीं बचा है। हालांकि, मरने और घायलों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। पुलिस के मुताबिक गोलीबारी शहर के सबसे व्यस्त कारोबारी इलाके में हुई। घटना के समय रेस्तरां और आसपास काफी लोग मौजूद थे। कई पुलिस एजेंसियां और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों ने आसपास की सड़कों को बंद कर लोगों से इलाके से दूर रहने की अपील की। मेडिकल टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और इलाज शुरू किया। ट्विन फॉल्स पुलिस प्रमुख मैथ्यू हिक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्हें भरोसा है कि अब समुदाय के लिए खतरा खत्म हो चुका है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध हमलावर घटनास्थल के पास ही मृत मिला। पुलिस उसकी पहचान और हमले के पीछे की वजह जानने की कोशिश कर रही है। हिक्स ने कहा कि घटनास्थल पर काफी अफरा-तफरी थी और मृतकों व घायलों की सही संख्या बताने से पहले उनके परिवारों को सूचना देना जरूरी है।

चेतावनी : सिंधु जल संधि पर भारत की दो टूक

पाक ने खुद गिराई अपनी साख, पहले खत्म करे आतंकवाद

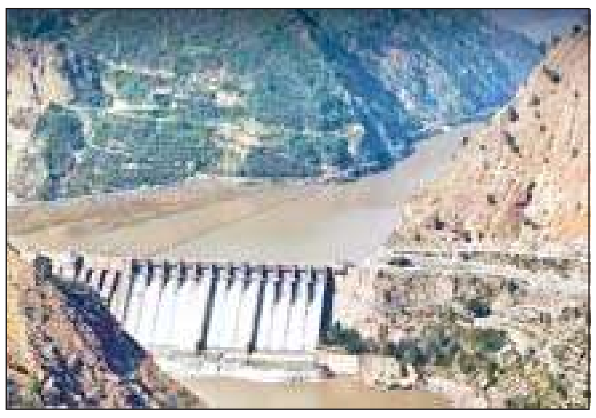

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) सद्भावना और मित्रता की भावना के साथ की गई थी, लेकिन पाकिस्तान ने पिछले कई दशकों में इस भावना को लगातार कमजोर किया। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा संधि को स्थगित रखने का फैसला केवल उस वास्तविकता को स्वीकार करना है, जिसे पाकिस्तान के व्यवहार ने पहले ही नष्ट कर दिया था।

क्वात्रा ने यह बात न्यूजवीक पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख में कही। क्वात्रा ने लिखा, 'यह याद रखना चाहिए कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे 'सद्भावना और मित्रता की भावना' से संपन्न किया गया था। पाकिस्तान ने आधी सदी तक इस सद्भावना और मित्रता को खत्म करने का काम किया। संधि को स्थगित रखने का फैसला केवल उसी स्थिति को स्वीकार करता है, जिसे पाकिस्तान के आचरण ने पहले ही नष्ट कर दिया था।' 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सिंधु जल संधि के तहत भारत को सिंधु बेसिन की छह नदियों में से तीन पर नियंत्रण मिला, जिनमें कुल जल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा बहता है। वहीं, पाकिस्तान को उन नदियों पर अधिकार मिला, जिनमें करीब 80 प्रतिशत पानी बहता है। क्वात्रा ने कहा कि इस असंतुलन के कारण भारत के कई क्षेत्रों का विकास लंबे समय तक प्रभावित रहा, फिर भी भारत ने संधि का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इसके जवाब में पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़े। इसके अलावा उसने सीमा पार आतंकवाद जारी रखा, जिसमें 2001 का संसद हमला, 2008 का मुंबई आतंकी हमला, 2016 के उरी और पठानकोट हमले, 2019 का पुलवामा हमला और 2025 का पहलगाम आतंकी हमला शामिल हैं। क्वात्रा ने कहा कि अगर पाकिस्तान वास्तव में भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर सहयोग चाहता है, तो उसे सबसे पहले वर्षों में खड़े किए गए आतंकी ढांचे को खत्म करना होगा।

एक नज़र

मॉस्को के रेस्तरां में बम धमाका

विस्फोटक ले जा रही महिला समेत तीन की मौत

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को के मध्य क्षेत्र में स्थित एक रेस्तरां में शनिवार को हुए बम विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। रूसी अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों में विस्फोट करने वाली महिला भी शामिल है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती के अनुसार, मॉस्को के कुड्रिन्स्काया स्क्वायर स्थित रेस्तरां में हुए इस विस्फोट में कम से कम 21 लोग घायल भी हुए हैं। आरआईए नोवोस्ती ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि एक अज्ञात महिला कथित तौर पर विस्फोटक उपकरण को रेस्तरां के भीतर ले जाने की कोशिश कर रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने महिला को अंदर जाने से रोक दिया। इसी दौरान विस्फोट हो गया। इस धमाके में महिला, सुरक्षा गार्ड और रेस्तरां में मौजूद एक ग्राहक की मौत हो गई। रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक, मॉस्को जांच समिति ने कहा है कि विस्फोट के कारणों और घटना की सभी परिस्थितियों की जांच की जा रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को की मशहूर स्टालिन-युग की गगनचुंबी इमारतों में से एक में स्थित इस रेस्तरां में एक निजी समारोह आयोजित किया जा रहा था।

पेरू में विमान हादसा, 13 मरे

लीमा। पेरू में शनिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में कम से कम 13 लोगों की जान चली गई। समाचार एजेंसी अल जज़ीरा ने पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है। विमान यात्रियों को प्रसिद्ध नाजका लाइन्स दिखाने ले जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में अधिकतर पर्यटक थे। विमान दुर्घटना के बारे में स्थानीय पुलिस अधिकारी- मेजर जॉर्ज एंड्रेड ने कहा कि 11 यात्री और दो चालक दल के सदस्य मारे गए हैं। दुर्घटनास्थल पर पहुंची स्थानीय मीडिया के हवाले से आई खबरों में बताया गया कि विमान क्रैश होने के बाद तुरंत आग लग गई। तत्काल राहत और बचाव अभियान चलाना असंभव हो गया। विमान ने इका विभाग के पिस्को से उड़ान भरी थी। दुर्घटनाग्रस्त विमान पेरू के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराने वाली ऑपरेटर एयरोडियाना के बेड़े का था। दुर्घटना के कारणों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। दरअसल, पेरू प्रमुख अंतरराष्ट्रीय यात्रा गंतव्य है, जो दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करता है। नाजका लाइन्स देश के दक्षिणी तट के पास रेगिस्तानी क्षेत्र में स्थित हैं, जो एंडीज पर्वत श्रृंखला के किनारे फैली हुई हैं। 500 ईसा पूर्व से 500 ईस्वी के बीच की इन आकृतियों को यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल घोषित कर रखा है। यूनेस्को इन्हें 'पुरातत्व के सबसे बड़े रहस्यों में से एक' बताता है।

नगालैंड में कूरियर से कोकीन तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

दीमापुर (नगालैंड)। नगालैंड पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर व्यावसायिक कूरियर और पार्सल सेवाओं के जरिए कोकीन मंगाकर उसकी तस्करी करता था। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह कोकीन आपूर्तिकर्ताओं, संचालकों और वितरण एजेंटों की सुव्यवस्थित एवं संगठित श्रृंखला के माध्यम से संचालित हो रहा था। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि यह गिरोह पूरी तरह सुनियोजित तरीके से काम करता था। इसमें मादक पदार्थों की खरीद, भुगतान की बहुस्तरीय व्यवस्था, अंतरराज्यीय परिवहन, कूरियर के माध्यम से आपूर्ति और स्थानीय स्तर पर वितरण के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां तय थीं। इस मामले के दो अन्य आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान गिरोह के अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का भी पता चला है।

'समुद्री रक्षक': स्वदेशी डीएससी ए24 पानी में उतरा

कोलकाता। भारतीय नौसेना को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। नौसेना का नया पोत 'डीएससी ए24' पानी में उतर चुका है। इसे कोलकाता के टीटागढ़ शिपयार्ड में लॉन्च किया गया। यह पोत देश में ही तैयार किया गया है। इससे हमारी समुद्री सुरक्षा को नई ताकत मिलेगी। नौसेना के कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। उनके साथ कई बड़े सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पोत को हुगली नदी के पानी में उतारा गया। यह जहाज डीएससी (डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट) प्रोजेक्ट का पांचवां पोत है। यह इस पूरी श्रृंखला का आखिरी पोत भी है। इसे 'यार्ड 329' के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण

- देश की समुद्री सुरक्षा को मिलेगी नई ताकत

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) ने किया है। इस पोत को 'कैटामरन-हल' डिजाइन पर बनाया गया है। यानी इसमें एक की जगह दो समानांतर पतवार लगे हैं। इस वजह से यह पानी में तेजी से संतुलित रहता है। समुद्र की तेज लहरों में भी इसे कोई नुकसान नहीं पहुंचता। इसका वजन लगभग 300 से 400 टन है। डीएससी ए24 पूरी तरह भारत में बने उपकरणों से लैस है। इसमें 70 प्रतिशत मुख्य उपकरण देश की अपनी कंपनियों के हैं।

ओमान के तट पर फंसे तेल टैंकर से रिसाव बढ़ा

मस्कट। ओमान के तट पर फंसे एक प्रतिबंधित तेल टैंकर से कच्चे तेल का रिसाव बढ़ने के संकेत मिले हैं। हाल की उपग्रह तस्वीरों में

- समुद्री संरक्षित क्षेत्र पर संकट मंडरा रहा

समुद्र की सतह पर तेल की परत फैलती दिखाई दी है। यह टैंकर समुद्री संरक्षित क्षेत्र के पास फंसा हुआ है, जिससे पर्यावरण को लेकर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते टैंकर को नहीं हटाया गया और उसका ढांचा टूट गया तो बड़ा तेल रिसाव हो सकता है, जिससे समुद्री जीवों और तटीय इलाकों को भारी नुकसान पहुंच सकता है। उपग्रह तस्वीरों के अनुसार तेल की पतली परत करीब 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल चुकी है। ओमान के धोफार क्षेत्र के किब्लियाह द्वीप के तट पर भी कच्चे तेल के धब्बे दिखाई दिए हैं। यह द्वीप हल्लानियात द्वीप समूह का हिस्सा है। पर्यावरण विशेषज्ञ विम ज़्वाइनेनबर्ग ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से टैंकर से कम मात्रा में लगातार तेल निकल रहा है और अब इसका फैलाव धीरे-धीरे बढ़ रहा है। उनके अनुसार हाल के दिनों में रिसाव की मात्रा पहले की तुलना में अधिक दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा खतरा यह है कि तेज हवाओं और समुद्री लहरों के कारण टैंकर का ढांचा टूट सकता है। मई से सितंबर तक चलने वाले मानसून के दौरान इस इलाके में समुद्र काफी उग्र रहता है। विम ज़्वाइनेनबर्ग का अनुमान है कि टैंकर में आठ लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल मौजूद है। यदि पूरा तेल समुद्र में फैल गया तो यह क्षेत्र बड़े पर्यावरणीय संकट का सामना कर सकता है।

शोध | रोमांचक यात्रा जरूरी नहीं, किसी पार्क में कुछ मिनट बिताना भी सुकूनदेह

मानसिक स्वास्थ्य बेहतर करने के लिए प्रकृति के बीच बिताएं कुछ पल

रिचमंड (अमेरिका)। आज की कामकाजी जिंदगी का अधिकांश हिस्सा चारदीवारी के भीतर गुजरता है। घंटों का सफर, लगातार बैठकें और कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बीतता दिन- इन सबके बीच प्रकृति के लिए समय निकालना किसी विलासिता जैसा लगने लगता है। कई लोगों को लगता है कि प्रकृति का आनंद तभी मिलता है, जब लंबी छुट्टी लेकर पहाड़ों पर 'ट्रैकिंग' की जाए या जंगलों में 'कैंप' लगाया जाए। लेकिन अब शोध कुछ और ही कहानी कहते हैं। वे बताते हैं कि प्रकृति का लाभ उठाने के लिए किसी रोमांचक यात्रा पर जाना जरूरी नहीं है। घर या दफ्तर के आसपास मौजूद किसी पार्क या हरियाली के बीच रोज कुछ मिनट बिताना भी तनाव कम करने, मन को शांत रखने और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए काफी हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ रिचमंड के प्रोफेसर टॉड लुकिंगबिल बताते हैं कि साल 2026 की वसंत ऋतु में मुझे डेनमार्क में शहरी परिदृश्य के बारे में पढ़ाने और उनका अध्ययन करने का अवसर मिला। दुनिया के सबसे खुशहाल देशों में गिने जाने वाले डेनमार्क से मुझे पहले से ही सुंदर पार्क, खुले आंगनों और साइकिल चलाने के लिए बने रास्तों की उम्मीद थी। वहां यह सब तो मिला ही, लेकिन जिसने सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह यह था कि लोग इन हरित स्थानों का इस्तेमाल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का स्वाभाविक हिस्सा मानते हैं। ये पार्क केवल छुट्टी बिताने या खास मौकों के लिए सुरक्षित जगहें नहीं थे। लोग यहां दोपहर का भोजन करते, दोस्तों से मिलते, दफ्तर से लौटते समय पैदल गुजरते या कुछ पल शांति से बैठकर सुकून महसूस करते थे। ऐसा लगता था जैसे खुले वातावरण में समय बिताना उनकी दिनचर्या का स्वाभाविक हिस्सा हो। डेनमार्क में यह संस्कृति केवल अच्छी योजना बनाकर बनाए गए उद्यानों की वजह से नहीं बनी, बल्कि इसलिए भी कि वहां हरियाली को लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में इस तरह पिरोया गया है कि प्रकृति उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। रोज पार्क जाने से मिलने वाले फायदे : प्रकृति के बीच समय बिताने से स्वास्थ्य को होने वाले लाभों के प्रमाण अब इतने मजबूत हो चुके हैं कि दुनिया के कई देशों की सार्वजनिक नीतियों पर भी उनका असर दिखने लगा है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में नेशनल पार्क सर्विस की 'हेल्दी पार्क्स हेल्दी पीपल' और पार्कआरएक्स' जैसी पहलें इस सोच को बढ़ावा देती हैं कि पार्क तक आसान पहुंच लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। हालांकि, अधिकतर अमेरिकी जब 'पार्क' शब्द सुनते हैं, तो उनके मन में सबसे पहले येलोस्टोन, योसेमिटी या ग्रैंड कैन्यन जैसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों की तस्वीर उभरती है। लेकिन सच यह है कि स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक लाभ उन पार्कों से मिलता है, जहां लोग जीवन में एक बार नहीं, बल्कि बार-बार जा सकें। यानी घर या दफ्तर के पास मौजूद छोटे-छोटे पार्क, हरित क्षेत्र और खुले स्थान कहीं अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं। मेरे अपने शोध ने भी यही बात साबित की। मैंने अमेरिकी गृहयुद्ध के ऐतिहासिक युद्धस्थलों पर विकसित या संरक्षित पार्कों का अध्ययन किया।

बाजार दर्पण

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइलः 9415016089